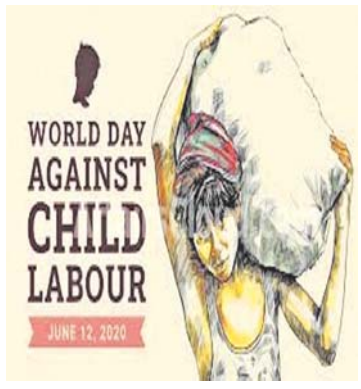

दैनिक
सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 291/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, सोमवार 12 जून 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

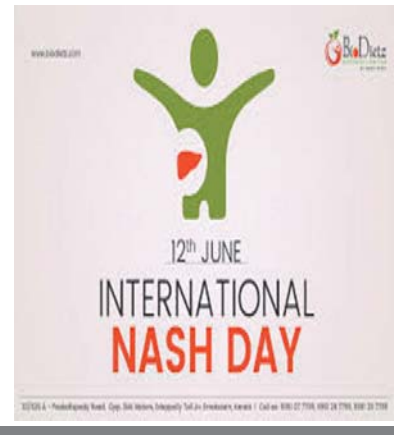

सांध्यप्रकाश विशेष

सरकारी विभागों में अफसरों के बढ़े वित्तीय पावर

भोपाल। प्रदेश के सरकारी महकमों के विभिन्न अधिकारियों के वित्तीय अधिकारों में वित्त विभाग ने इजाफा कर दिया है। अब ये अधिकारी अपने विभागीय खर्चों को के लिए और अधिक राशि की मंजूरी दे सकेंगे।

विभागों के डायरेक्टरों को अब टीचिंग एड की खरीदी के पूरे अधिकार दिये गए है। केवल फर्नीचर, कम्प्यूटर और पेरीफेरल्स के मामले में उन्हें यह अधिकार नहीं रहेंगे। ट्रेनिंग क्लासेस, हॉस्टल, गेस्ट हाउस, आफिसेस कम्युनिटी सेंटर में फर्नीचर बदलने के लिए बोर्ड ऑफ गवर्नर्स को पूर्ण अधिकार रहेंगे। डायरेक्टर जनरल इसमें पच्चीस लाख रुपए प्रति बिल की मंजूरी दे सकेंगे। लेकिन इसके लिए पुराने फर्नीचर को राइट ऑफ और डिस्पोज करने का प्रमाणपत्र उन्हें देना होगा।

स्टोर में डेड स्टॉक, उपयोग योग्य नहीं रह गए स्टॉक को सार्वजनिक नीलामी के जरिए निकालने के पूर्ण अधिकार डायरेक्टर जनरल को रहेंगे। डायरेक्टर पांच लाख रुपए तक के स्टाक के लिए निर्णय ले सकेंगे। डिप्टी डायरेक्टर दो लाख रुपए तक के मामलों में निर्णय ले सकेंगे। ट्रेनिंग इंस्टीटयूट के लिए वित्तीय स्वीकृति के पूर्ण अधिकारी डायरेक्टर जनरल को रहेंगे। डायरेक्टर पांच लाख रुपए तक राशि के निर्णय ले सकेंगे। विजिटिंग फेकल्टी के टीए डीए को लेकर अब डायरेक्टर स्तर पर ही पूर्ण स्वीकृति दी जा सकेगी। डिजाइनिंग कोर्स के लिए सलाह की फीस को लेकर बोर्ड ऑफ गर्वनर्स पूर्ण निर्णय ले सकेंगे। डायरेक्टर जनरल दस लाख और डायरेक्टर एक लाख रुपए तक के निर्णय ही कर सकेंगे।

केंद्र में आईएएस अधिकारियों के तबादले

नई दिल्ली। भारत सरकार में कल रात एडीशनल सेक्रेट्री रैंक के कई आईएएस अधिकारियों के तबादला आदेश जारी हुए हैं। 1989 बैच की अधिकारी रश्मि चौधरी को अब सेंट्रल इनफॉरमेशन कमिशन का सचिव बनाया गया है। 92 बैच के अधिकारी विमलुनमंग व्यूलनाम को इकोनामिक अफेयर्स विभाग में एडीशनल सेक्रेट्री, इसी बैच के अधिकारी रमेश कृष्णमूर्ति को श्रम और रोजगार मंत्रालय में एडिशनल सेक्रेटरी,93 बैच के छत्तीसगढ़ कैडर के अधिकारी अमित अग्रवाल को चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर यूनीक आईडेंटिफिकेशन अथॉरिटी आफ इंडिया, छत्तीसगढ़ कैडर की 94 बैच की अधिकारी रिचा शर्मा को फूड और पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन विभाग में एडीशनल सेक्रेटरी, एलएस जांगसान को हेल्थ और फैमिली वेलफेयर विभाग में एडिशनल सेक्रेटरी, 1995 के छत्तीसगढ़ कैडर के आईएएस मनिंदर कौर द्विवेदी को कृषि और किसान कल्याण विभाग में एडीशनल सेक्रेटरी, बिहार कैडर के 96 बैच के अधिकारी विपिन कुमार को स्कूल शिक्षा विभाग में एडिशनल सेक्रेटरी, झारखंड कैडर के 97 बैच के अधिकारी सुनील कुमार बरनवाल को उच्च शिक्षा विभाग में एडीशनल सेक्रेटरी, इसी बैच के असम केडर के श्याम जगन्नाथन को डायरेक्टर जनरल मिनिस्ट्री ऑफ पोर्ट शिपिंग एंड वॉटरवेज, इसी बैच के छत्तीसगढ़ कैडर के अधिकारी सुबोध कुमार सिंह को डायरेक्टर जनरल नेशनल टेस्टिंग एजेंसी मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन, महाराष्ट्र कैडर के 92 बैच के अधिकारी संजय सेठी हो चेयरमैन जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट मिनिस्ट्री ऑफ पोर्ट, शिपिंग एंड वॉटरवेज और 96 बैच के अधिकारी कृष्ण कुमार द्विवेदी को जॉइंट सेक्रेटरी से एडीशनल सेक्रेटरी मिनिस्ट्री ऑफ स्किल डेवलपमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप बनाया गया है।

26 आईएएस अधिकारी ज्वाइंट सेक्रेट्री या समकक्ष पद के लिए एंपेनल्ड

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कल देर रात भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2007 बैच के 26 आईएएस अधिकारियों को ज्वाइंट सेक्रेट्री या ज्वाइंट सेक्रेट्री इक्विवेलेंट के पद पर एंपेनल्ड किया है। इन अधिकारियों में मध्यप्रदेश कैडर के 2007 बैच के आईएएस अधिकारी शशांक मिश्रा और संकेत भोंडवे भी शामिल हैं।

जिन अधिकारियों को ज्वाइंट सेक्रेट्री या इक्विवेलेंट के पद पर एंपेनल्ड किया गया है, उनके नाम इस प्रकार हैं- नीला मोहनन, अभिषेक देव, जूही मुखर्जी, अभ्यंकर अमिया अजीत, गोविंद जायसवाल, विजय कुमार मंत्री, वीरेंद्र मित्तल, अभिषेक भगोटीया, मोहम्मद सोहेल, केसी देवासेनापति, आर्द्र अग्रवाल, शैनामोल ए, निरुपमा जे डांगे, संकेत एस भोंडवे, व्यसन आर, रविंद्र प्रताप सिंह, टीना सोनी, विष्णु चरण मल्लिक, आनंदी, जितेंद्र सिंह राजे, पौसुमी बसु, रजत कुमार सैनी, प्रशांत कुमार गोयल, आलोक तिवारी और मुथु कुमार सेमी बी।

1989 बैच के आईपीएस अधिकारी बने बीएसएफ के डीजी

नई दिल्ली। भारतीय पुलिस सेवा के केरल कैडर के 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी नितिन अग्रवाल को कल देर रात सीमा सुरक्षा बल का नया डायरेक्टर जनरल नियुक्त किया गया है। नितिन अग्रवाल वर्तमान में दिल्ली में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल मुख्यालय में अतिरिक्त महानिदेशक के रूप में कार्यरत हैं।

पंकज कुमार सिंह के दिसंबर में रिटायर होने के बाद यह पद पिछले 5 माह से खाली था। सीआरपीएफ के डीजी सुजय पॉल थाउसन बीएसएफ के डीजी का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार नितिन अग्रवाल 14 जून को अपने नए पद का कार्यभार संभाल सकते हैं। नितिन

अग्रवाल ने केरल में कई जिलों के एसपी, आईजी और अन्य विभागों में काम करने के बाद केंद्र में गृह मंत्रालय में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

बिपरजॉय तूफान खतरनाक हुआ, मुंबई में तेज हवाएं और बारिश, प्रधानमंत्री ने बुलाई बैठक

नई दिल्ली। चक्रवाती तूफान बिपरजॉय 6 दिन बाद दिशा बदलकर अब खतरनाक हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार, अब यह पश्चिम-उत्तर दिशा की तरफ बढ़ रहा है। इसका असर राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र के तटीय इलाकों में दिखना शुरू हो गया है। तूफान को बिपरजॉय नाम बांग्लादेश ने दिया है। इसका मतलब विपत्ति या आपदा होता है।

मौसम विभाग ने बताया कि इसके 15 जून तक गुजरात पहुंचने के आसार हैं। सौराष्ट्र, कच्छ समेत 10 जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। उधर, इसकी वजह से राजस्थान के कई इलाकों में 16 जून तक आंधी-बारिश होने की आशंका भी है। ज्यादा असर जोधपुर और उदयपुर जिलों में देखा जा सकता है।

बिपरजॉय की वजह से सोमवार को ठाणे, रायगढ़, मुंबई और पालघर में 45-55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और भारी बारिश होने की आशंका है। रविवार देर रात तेज हवाएं चलने की वजह से मुंबई एयरपोर्ट पर ऑपरेशन प्रभावित हुआ।

एयरपोर्ट के 9/27 रनवे को कुछ समय के लिए बंद कर दिया। कई फ्लाइट रद्द की गईं। कुछ को दूसरी जगह डायवर्ट किया गया। सैकड़ों यात्री परेशान देखे गए। हालांकि, अब तक यह सामने नहीं आई है कि कितनी फ्लाइट्स पर असर हुआ। इसके 15 जून तक गुजरात के मांडवी और पाकिस्तान के कराची के बीच तट पर पहुंचने का अनुमान है। इस दौरान 125-135 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी, जो 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक भी जा सकती हैं। वहीं, कराची पोर्ट ने रेड अलर्ट जारी किया है।

पीएम मोदी लेंगे समीक्षा बैठक- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज चक्रवाती तूफान बिपरजॉय को लेकर समीक्षा बैठक करेंगे। इसमें चक्रवात से निपटने की तैयारियों पर चर्चा की जाएगी। बताया गया है कि बैठक में आपदा और राहत कार्यों से एजेंसियां और एनडीआरएफ से जुड़े अधिकारी शामिल होंगे।

मानसून की धीमी रफ्तार, मप्र में 10-12 दिन में एंट्री

भोपाल। केरल में एंट्री के बाद मानसून का मूवमेंट स्लो हो गया है। इस कारण मध्यप्रदेश में इसकी एंट्री 10 से 12 दिन बाद ही हो सकती है। इससे पहले प्रदेश में तेज गर्मी पड़ेगी। मौसम वैज्ञानिकों ने कहा है कि अगले 2 से 3 दिन गर्मी भरे होंगे। 15 जून के बाद थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, कुछ शहरों में सोमवार को हल्की बारिश होने के भी आसार हैं।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि साउथ ईस्ट यूपी के ऊपर चक्रवात बिपरजॉय और ट्रफ लाइन भी गुजर रही है। इस कारण सतना, सीधी, रीवा, सिंगरौली, बैतूल, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, बुरहानपुर, धार, देवास और छिंदवाड़ा में अगले 24 घंटे में हल्की बारिश हो सकती है। हालांकि, बारिश की एक्टिविटी ज्यादा नहीं है। अगले दो से तीन दिन तक तेज गर्मी का असर बना रहेगा। इसके बाद तापमान में गिरावट आएगी।

मौसम वैज्ञानिक पांडे ने बताया कि अभी मानसून उत्तर की ओर बढ़ रहा है। मूवमेंट स्लो होने की वजह से प्रदेश में मानसून का इंतजार 10 से 12 दिन बढ़ सकता है। इस हिसाब से मानसून 20 जून के बाद ही एमपी में एंट्री करेगा।

20 से ज्यादा जिलों में दिन का पारा 40 डिग्री पार, रातें भी गर्म- मध्यप्रदेश के 20 से ज्यादा जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार चल रहा है। रविवार को भी 22 जिले खूब तपे। खजुराहो में अधिकतम तापमान सबसे ज्यादा 43.6 डिग्री रिकॉर्ड हुआ।

नर्मदा और गदापूजन के साथ कांग्रेस का प्रचार शुरू

धनबल और जोड़-तोड़ से कुचला जाता है जनादेश: प्रियंका

जबलपुर। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आज जबलपुर से कांग्रेस के चुनाव प्रचार अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा- आपके साथ पिछले 18 साल से गलत हो रहा है। आपका इस्तेमाल हो रहा है। आपका शोषण हो रहा है। धन-बल से जनादेश को कुचला जाता है। पिछली बार आपने हमारी सरकार बनाई थी, लेकिन जोड़-तोड़ और पैसे से भाजपा के लोगों ने हमारी सरकार तोड़ी और अपनी बना ली। आपका कुछ फायदा होता तो समझ में आता।

लुटेरी है प्रदेश सरकार: गोविंद सिंह

नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने कहा, शिवराज सिंह की सरकार लुटेरी है। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान में प्रियंका भाजपा को नेस्तनाबूद करने के लिए आई हैं। मैं आज प्रियंका जी के रूप में इंदिरा जी की तस्वीर देखता हूं। इंदिरा जी ने दुर्गा जी का रूप धारण कर पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए। आज यही रूप में प्रियंका जी में देख रहा हूं।

प्रियंका ने सभा में आगे कहा, इन्होंने महाकाल को नहीं छोड़ा। एक पुजारी ने मुझे वीडियो भेजा। हवा से मूर्तियां उड़ रही हैं। इन्होंने भगवान को भी नहीं छोड़ा। 225 महीनों की सरकार में इन्होंने 220 घोटाले किए हैं।

तकरीबन हर महीने एक नया घोटाला किया है।

इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ, नेता प्रतिपक्ष डा.गोविंद सिंह, सांसद विवेक तन्खा आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे। प्रियंका ने अपने भाषण की शुरुआत मां नर्मदा के जयकारे से की। कर्नाटक में जीत के बाद कांग्रेस ने अब मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी सोमवार को जबलपुर पहुंचीं और ग्वरीघाट पर 101 ब्राह्मणों के साथ करीब 20 मिनट तक मां नर्मदा की पूजा-आरती की।

महाकौशल के साथ अन्याय हो रहा: तन्खा

सांसद विवेक तन्खा ने कहा, जबलपुर और महाकौशल क्षेत्र के साथ अन्याय हुआ। विंध्य, महाकौशल और बुंदेलखंड में एक भी मंत्री नहीं है। स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास से वंचित रखा गया। मैं कहता हूं कांग्रेस की सरकार आने पर जबलपुर और आसपास 10 हजार नौकरियां मिलेंगी। नर्मदा में रेत का अवैध खनन बंद होगा।

यह मत सोचिएगा कि मैं बूढ़ा हो गया हूं: कमलनाथ

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा, प्रियंका गांधी ने यहां आने से पहले नर्मदा पूजन की शर्त रखी थी। संस्कारधानी जबलपुर आकर मुझे जवानी के दिनों की याद आती है। यह मत सोचिएगा कि मैं बूढ़ा हो गया है। हमारे संस्कार दिल और रिश्ते जोड़ने के हैं। हमारे देश के अलावा किसी देश में इतने धर्म, जातियां, देवी-देवता, त्योहार नहीं हैं। जोड़ने की संस्कृति की राजधानी जबलपुर है। मैं हिंदू हूं, गर्व से कहता हूं, लेकिन बेवकूफ नहीं हूं। 15 साल बाद दिसंबर 2018 में आपने कांग्रेस की सरकार चुनी। शिवराज सिंह ने हमें किसानों की हत्या, बेरोजगारी, महिला अत्याचार में नंबर-1 प्रदेश सौंपा। मैं मुख्यमंत्री था, सौदा कर सकता था, लेकिन मध्यप्रदेश की पहचान सौदे से नहीं बनाना चाहता था।

महाकुंभ में किसानों के खातों में डाली जाएगी राशि: मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि हमने किसानों पर चल रहे ब्याज की राशि राज्य सरकार की ओर से भरवाने की बात कही थी । राजगढ़ में 13 जून को किसान कल्याण महाकुंभ में किसानों के ब्याज की राशि उनके बैंक खातों में जमा की जाएगी, ताकि किसानों को कृषक सोसायटी से खाद-बीज मिल सके। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी भी पधार रहे हैं। किसान कल्याण महाकुंभ में फसल बीमा योजना के 2900 करोड़ रूपए भी किसानों के

खातों में डाले जाएंगे। मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के 02 हजार रूपए भी सभी पात्र किसानों के खातों में अंतरित होंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के माध्यम से किसानों से की अपील में यह बात कही।

श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 06 हजार रूपए प्रतिवर्ष किसानों के खातों में जारी करते हैं । राज्य शासन की ओर से भी 4 हजार रूपए दो किस्तों में किसानों के खातों में डाले जाते हैं। श्री चौहान ने कहा कि किसान कल्याण महाकुंभ किसानों के कल्याण कि हमारे सरकार की प्रतिबद्धता का प्रकटीकरण है। किसान भाई अधिक से अधिक संख्या में राजगढ़ के किसान महाकुंभ में शामिल हों। सभी जिला मुख्यालयों तथा सोसायटी मुख्यालयों पर भी कार्यक्रम होंगे। किसान भाई इन कार्यक्रमों में पधारें और महाकुंभ से वर्चुअली जुड़ें तथा संवाद में शामिल हों।

फिरकापरस्त ताकतों और माफियाओं के खिलाफ बुलडोजर की कार्रवाई होती ही है: मिश्रा

भोपाल। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि दमोह के गंगा जमना स्कूल के मामले की जांच सही दिशा में चल रही है। इस तरह की फिरकापरस्त ताकतों और माफियाओं के खिलाफ बुलडोजर की कार्रवाई तो होती ही है। उन्होंने कहा कि कमलनाथ जी के शिगूफे में कांग्रेस के कार्यकर्ता नहीं आने वाले हैं। उन्होंने अपने वचन पत्र में किसानो, महिलाओं और नौजवानों को धोखा देने वाली कांग्रेस को लाडली बहना योजना सौदेबाजी ही लगेगी। प्रदेश में मुख?यमंत्री रहते हुए कमलनाथ जी ने वल्लभ भवन से सिर्फ सौदेबाजी की थी।

मारपीट पर भाजपा ने दो मोर्चा पदाधिकारियों को हटाया

भोपाल। इंदौर में भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं के बीच हुए विवाद के बाद पार्टी ने बड़ी कार्रवाई की है। युवा मोर्चा के प्रदेश मंत्री शुभेंदु गौड़ और विशेष आमंत्रित सदस्य नयन सोनी को सभी दायित्वों से मुक्त कर दिया गया है। इंदौर में भाजपा युवा मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार की मौजूदगी में मारपीट हुई थी।

सांसद प्रज्ञा ठाकुर ने लगाया नारा... जब काटे जाएंगे, तब राम-राम चिल्लाएंगे

भोपाल। भोपाल सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर ने विवादित नारा लगाया है। अयोध्या में हुए राम जन्मभूमि आंदोलन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, उस वक्त भयंकर कर्फ्यू लग गया था। लोगों ने कहा- नारे मत लगाना पुलिस पकड़ लेगी। हमने वहीं जोर-जोर से नारे लगाने शुरू कर दिए- .... जब काटे जाएंगे, तब राम-राम चिलाएंगे।

प्रज्ञा केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सभागार में लोक परंपरा में श्रीराम विषय पर दो दिवसीय (11 जून और 12 जून) संगोष्ठी में शामिल हुई थीं। उन्होंने कहा, विवादित ढांचा गिराए जाने की घटना का जिक्र करते हुए कहा, हम लोगों ने उसे खोद कर हटाया। इसके बाद में गारे की दीवार खड़ी की। उसी के ऊपर से टेंट लगाया। इन सब में हमारी भूमिका थी, ये हमारा सौभाग्य है। लेकिन, वहां जब वहां भगदड़ मचने लगी, हंगामा होने लगा, हम तो उस वक्त

पूरी तैयारी के साथ गए थे।

हमारे पिता जी ने कहा था कि लौटने का लोभ मन में नहीं रखना। मन में लौटने का विचार मत करना, समर्पित होकर जाओ। तुम राम जी की हो। इसलिए जब गए, तो हम सोच - विचार करके गए थे कि गए हैं, जो कर्म करेंगे, वो राम जी का और अगर चले गए तो भी राम जी के लिए। इसलिए जब वहां पहुंचे और बच गए, वापस आए तो रास्ते में लोगों ने कहा- नारे मत लगाना प्रज्ञा जी...। मैंने कहा क्यों? उस वक्त भयंकर कर्फ्यू लग गया था। लोगों ने कहा- नारे मत लगाना पुलिस पकड़ लेगी। हमने वहीं जोर जोर से नारे लगाने शुरू कर दिए।%राम-कृष्ण के जयकारे लगवाकर बोलीं- इसमें संकल्प छिपा है

अपने भाषण की शुरुआत करते हुए प्रज्ञा ठाकुर ने जय श्री राम और जय श्री कृष्ण के जयकारे लगवाए। कहा- %हमारे जयकारे में संकल्प छिपा है। समझ सको तो समझ लो। मैं राम मय हूं। राम के लिए जीती हूं। राम मेरी भक्ति और राम मेरी शक्ति हैं। मैं राम जी के ऊपर क्या बोलूं, मेरा जीवन ही उनसे शुरू हुआ। हमारे राम जी जब वन गए, तो बन गए। राम के कर्म ने उन्हें बना दिया। राम के कर्म ने राष्ट्र को एक किया। राम के लिए 6 दिसंबर को पूरे देश की जनता आई थी।

युवाओं की ऊर्जा और विचार प्रदेश को नई दृष्टि और प्रगति के अवसर प्रदान करेंगे : मुख्यमंत्री

शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर 23 जुलाई को युवाओं के लिए होंगे कार्यक्रम

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि युवाओं की ऊर्जा और विचार मध्यप्रदेश को नई दृष्टि और प्रगति के अवसर प्रदान करेंगे। युवा चिंतन-मनन कर विभिन्न क्षेत्रों में संभावनाओं के देखते हुए कार्य-योजना विकसित करें और उसके क्रियान्वयन में सरकार और समाज के सहभागी बनें। राज्य शासन प्रदेश हित में युवाओं के कल्याण और उनकी ऊर्जा के उपयोग के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री श्री चौहान निवास कार्यालय समत्व भवन में युवा सलाहकार परिषद की पहली बैठक को संबोधित कर रहे थे।

युवाओं के फीडबैक से योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी: मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि युवा, शासकीय कार्यक्रमों और योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाने के लिए सलाह दें और उसके क्रियान्वयन से भी जुड़ें। युवाओं के कल्याण और प्रोत्साहन के लिए प्रदेश में संचालित योजनाओं की कमियों को चिन्हित कर उनके संबंध में फीडबैक देना आवश्यक है। इससे योजना क्रियान्वयन की कमियों को दूर करने में मदद मिलेगी।

युवाओं से सार्थक संवाद आवश्यक

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेशवासियों में प्रदेश के प्रति श्रद्धा-भाव होना जरूरी है। युवाओं को भावनात्मक रूप से जोड़ने के लिए उनसे निरंतर सार्थक संवाद आवश्यक है। प्रदेश के बाहर रह रहे युवाओं और विदेश में बसे युवाओं से भी संवाद की व्यवस्था विकसित की जाए। युवाओं को प्रदेश की प्रगति से अवगत कराया जाए। प्रदेश के बदलते सामाजिक, आर्थिक परिवेश और भविष्य की कार्य-योजना संबंधी विचार-विमर्श में भी युवाओं को शामिल किया जाए।

नवाचारों के लिए पुरस्कृत होंगे युवा: मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश की धरती पर जन्में स्वाधीनता संग्राम के युवा अग्रदूत, चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर 23 जुलाई को युवाओं के लिए प्रदेश में कार्यक्रम होंगे। संभाग स्तरीय यूथ कॉन्क्लेव, युवा प्रतिभाओं को चिन्हित कर उन्हें प्रदेश के युवाओं को मार्गदर्शन देने और प्रेरित करने की गतिविधियों से जोड़ने, युवाओं को शिक्षा, उद्योग, कला, पर्यावरण आदि क्षेत्र में नवाचार के लिए पुरस्कृत करने जैसी गतिविधियाँ होंगी। प्रदेश के लिए यूथ एंथम विकसित किया जाएगा और युवाओं से जुड़ी गतिविधियों पर केंद्रित यूथ कैलेंडर भी जारी किया जाएगा।

युवा सलाहकार परिषद के सदस्यों ने दिए सुझाव

युवा आयोग के अध्यक्ष डॉ. निशांत खरे, सचिव खेल एवं युवा कल्याण श्री पी. नरहरि, परिषद के सदस्य सर्वश्री सूर्यपाल सिंह, प्रतीक संचेती, डॉ. सचिन शर्मा, कार्तिकेय सप्रे, अनुभव दुबे, विनायक लोहानी, आशुतोष सिंह ठाकुर, गजेंद्र सिंह तोमर, सोनू गोलकर, श्रीमती अदिति झंवर शामिल हुईं। डॉ. तेजल शाह परूलकर और श्री मेघदीप बोस वर्चुअली जुड़े। सदस्यों ने सुझाव साझा किए।

दतिया में हो रहा है सर्वांगीण विकास : डॉ. मिश्रा

करोड़ों रूपये के विकास कार्यों की दी सौगात

भोपाल (नप्र)। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने रविवार को दतियावासियों को करोड़ों रूपये की सौगात देते हुए विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। उन्होंने कहा कि दतिया में चारों ओर विकास की बयार बह रही है। हर क्षेत्र में सर्वांगीण विकास हो रहा है। मंत्री डॉ. मिश्रा ने सुबह दतिया स्थित निवास पर जनता से रू-ब-रू होकर समस्याओं का निराकरण किया।

गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने भूमि-पूजन समारोह में संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का प्रदेश की बहनों को दी गई सौगात के लिये आभार माना। उन्होंने कहा कि बहनों के लिये 10 जून ऐतिहासिक दिवस रहा है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में बहनों के खाते में 1000 रूपये की राशि भेजी गई है। धीरे-धीरे यह राशि बढ़ कर 3000 रूपये प्रतिमाह हो जायेगी। सरकार द्वारा नारी सशक्तिकरण के लिये निरंतर प्रयास किये जाते रहे हैं। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना सामाजिक क्रांति लायेगी। बहनों को आत्म-निर्भरता की ओर ले जायेगी। मंत्री डॉ. मिश्रा ने कहा कि बहनों को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। जिनके खाते में राशि नहीं पहुँची है, वे अपने बैंक खातों में केवाईसी एवं डीबीटी अवश्य करा लें।

गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने दतिया में 25 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित होने वाली क्रिटिकल केयर यूनिट का भूमि-पूजन किया। इसका निर्माण दतिया मेडिकल कॉलेज परिसर में किया जा रहा है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि क्रिटिकल केयर यूनिट निर्मित हो जाने से दतियावासियों को ब्रेन स्ट्रोक, सर्पदंश और जहर-खुरानी जैसी गंभीर परिस्थितियों में त्वरित उपचार मिल सकेगा। उन्हें अन्यत्र स्थानों पर नहीं जाना पड़ेगा। दतिया में ही समय पर बेहतर इलाज मिल सकेगा।

7 करोड़ की सड़क का भूमि-पूजन

मंत्री डॉ. मिश्रा ने हिनौतिया में 2 करोड़ 7 लाख रूपये की लागत से निर्मित होने वाली चिरोल-हिनौतिया सड़क निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा हर क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछाया गया है। आवश्यकता अनुसार सड़कें निरंतर निर्मित की जा रही हैं। डॉ. मिश्रा ने सड़क निर्माण एजेंसी को गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने ग्रामीणों से भी आहवान किया कि वे भी बन रही सड़क की मॉनिटरिंग करें।

वचन नारी सम्मान योजना के तहत ब्लाक कांग्रेस कमेटी द्वारा भरे गए फार्म

बढ़ती महंगाई व बेरोजगारी के खिलाफ एकजुट होकर मुकाबला करेंगे-मारण

संत हिरदाराम नगर ।संत हिरदाराम नगर ब्लाक कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ का वचन नारी सम्मान योजना के तहत संत वासुराम दरबार एच वार्ड में कैम्प लगाया गया। जिसमें सैकड़ो महिलाओ ने फार्म भरकर कांग्रेस को जिताने का वचन दिया। कैम्प का शुभारंभ ब्लाक कांग्रेस के अध्यक्ष कैलाश मिश्रा द्वारा किया गया।

कैलाश मिश्रा ने कहा कि कमलनाथ ने मातृशक्ति से वचन किया है कि नारी सम्मान योजना के तहत सशक्त बेटी समृद्धि नारी के तहत नारी की सुरक्षा में म.प्र को नम्बर 1 बनाया जाएगा। इसके अलावा महिलाओं को प्रतिमाह 1500 रु. पेंशन के रुप में साल में 18000 रु. दिये जाएगे। इसके अलावा गैस सिलेण्डर जो भाजपा सरकार 1200 रु. में दे रही है उसको 500 रु. में दिया जाएगा। ब्लाक अध्यक्ष अशोक मारण ने भी जनता से कहा कि प्रदेश में बढ़ती हुई महंगाई व बेरोजगारी के खिलाफ हमें एक जुट होकर मुकाबला करना है और आगामी चुनाव में भाजपा को उखाड फेंकना है। कांग्रेस की सरकार बनाना है। कांग्रेस सरकार बनते ही यह योजनाएं दो माह के अंदर पूरी हो जाएगी। इस अवसर पर महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष संतोष कासना, वरिष्ठ नेता माधु चांदवानी, जगदीश सांवले, पूनम यादव ने भी विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

विशाल जोनस्तरीय निरंकारी महिला संत समागम सम्पन्न

संत हिरदाराम नगर। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के आशीर्वाद से जोनल इंचार्ज अशोक जुनेजा जी एवम संयोजक महेश वीधानी जी के मार्गदर्शन से संत निरंकारी सत्संग भवन बैरागढ में विशाल जोन स्तरीय महिला संत समागम ग्वालियर से पधारी उच्च कोटि की ज्ञान प्रचारक संत बहन आशा सिंह चौहान जी की पावन हुजूरी में सम्पन्न हुआ। बहन ने सतगुरु के संदेश को आगे बढाते हुए कहा कि आज की महिलाएं मजबूर नहीं मजबूत है। सतर्क व जागरुक नारी पूरे समाज को बदल सकती है आज की नारी भिन्न भिन्न क्षेत्रो व स्थलो पर सम्मान प्राप्त कर चुकी है। नारी शक्तियों की स्वामिनी है। नारी परिवार की धुरी है व अपने बच्चे की पहली गुरु है। स्थिर से मनुष्य का जन्म होता है स्त्री से मनुष्य का विवाह होता है स्त्री से चलता है नारी राजा तक को जन्म देने वाली है इसलिए स्त्री का जननी के रुप में भी महत्व हैं। नारी घर को स्वर्ग बनाकर समाज को रोशन करती है व अपने कर्तव्य के प्रति जागरुक रहती है। प्रेम के सूत्र में बंधी रहती है। नारी प्रेम की महासागर है। मातृत्व के भाव से सराबोर है सहनशीलता की भंडार है समर्पण ओर त्याग की देवी है। संवेदनशील है व धैर्य के सागर में डूबकी लगाने वाली है। यदि हम निरंकारी मिशन का इतिहास देखे तो निरंकारी मिशन में भी माता बुधवंती जी राजमाता, कुलवन्त कौर जी माता सविन्द्र जी एवं वर्तमान सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज इन्होने सत्य की मशाल को पूरे विश्व के कोने कोने तक पहुंचा दिया है। निरंकारी महिलाए जहां मिशन की आध्यात्मिक शिक्षाओ का पालन कर रही है वही कर्तव्यनिष्ठता व समाज में सम्मानीय स्थान प्राप्त कर रही है। जिस प्रकार माता सीता मांग में सुंदर भर रही थी तो भक्त हनुमान जी ने पूछा कि यह सुंदर क्यो लगा रहे हो तो माता सीता ने कहा इससे तुम्हारे स्वामी खुश होते है और इतिहास गवाह है कि भगवान हनुमान ने अपने पूरे शरीर पर सिन्दुर डालकर अपने प्रभु परमात्मा को खुश किया। इस संत समागम का उददेश्य भी यही है कि आज की नारी शक्ति को आध्यात्मिक गुणो द्वारा जागरुक किया जा सके ताकि वह देश समाज और घर परिवार में अपनी भूमिका तय कर सके।

इस संत समागम सत्संग की विशालता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस संत समागम में प्रदेश भर के 20 शहरों से हजारों की संख्या में बहने सत्संग का आनंद लेने उपस्थित हुई एवं इन सभी श्रद्धालुओं के लिए हर व्यवस्था की गयी थी।

ग्वालियर से पधारी संत बहन का गुलदस्ता देकर स्वागत बहन विनितिका जुनेजा, बहन बबीता विधानी, बहन निशा टेकवानी, बहन सुरजीत कोर, बहन सुषमा ग्वालानी, बहन अनिता औड आदि द्वारा किया गया।

इस सत्संग में लंगर, डिस्पेंसरी, ज्ञान कक्ष, प्याउ, निरंकारी साहित्य अनेको अनेक व्यवस्थाएं की गयी थी। उपरोक्त महिला संत समागम की सुंदर व्यवस्था क्षेत्रीय संचालक अखिलेश यादव, संचालक अशोक नाथानी, विलास जादव, संचालिका सुरजीत कोर, सहायक संचालिका निशा टेकवानी, शिक्षक विजय कृपलानी, मनोज इसरानी, शिक्षिका सुषमा गुवालानी, अनिता ओड, सहायक शिक्षक विजय नाथानी आदि द्वारा की गयी एवं सत्संग का सुंदर संचालन बहन वर्षा नाथानी द्वारा किया गया।

भोपाल मंडल चला रहा है लेवल क्रासिंग जागरूकता अभियान

लेवल क्रासिंग उपयोगकर्ताओं को किया जागरूक

भोपाल (नप्र)। अंतर्राष्ट्रीय लेवल क्रासिंग जागरूकता दिवस (15 जून) के उपलक्ष्य में लेवल क्रासिंग उपयोगकर्ताओं को जागरूक करने के लिये मण्डल की संरक्षा एवं इंजीनियरिंग टीम द्वारा भोपाल मण्डल पर विशेष लेवल क्रोसिंग जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत आज रोड यूजर्स की गहन काउंसलिंग के साथ-साथ लेवल क्रासिंग पार करते समय बरती जाने वाली आवधानियों से सम्बन्धित पम्फ्लेट्स का वितरण कर उन्हें बताया गया कि रेल समपार फाटक बंद होने पर रुकिये, जबरदस्ती मत करिए। फाटक खुलने पर ही उसे सावधानी पूर्वक पार करिए। आती हुई ट्रेन के हॉर्न की आवाज पर ध्यान दीजिये, कोई ट्रेन तो नहीं आ रही, यह सुनिश्चित होने पर ही रेल समपार को पार करिये। उन्हें बताया गया कि रेल अधिनियम 1989 की धारा 146 के तहत रेल सेवकों के कर्तव्यों में बाधा डालना और अधिनियम की धारा 160 के तहत समपार फाटक को अनाधिकृत रूप से खोलना या तोड़ना दण्डनीय अपराध है। मण्डल रेल प्रबंधक श्री सौरभ बंदोपाध्याय नें आम जनता से अपील की है कि रेलवे समपार फाटक पार करते समय वहाँ पर लगे संकेतों के नियमानुसार पालन करें और इस अभियान के दौरान बताई जा रही सावधानियों को ध्यान में रखें। इसके साथ ही सामाजिक एवं गैर सरकारी संगठनों से अपील है कि वह सड़क उपयोगकर्ताओं को जागरूक करने के लिए समय समय पर जागरूकता अभियान चलाकर समपार फाटक पर संभावित दुर्घटनाओं को रोकने में अपना योगदान दें।

शिक्षक एक असाधारण शक्ति है जो बच्चों को सही दिषा में ले जा सकता है: श्रद्धेय सिद्ध भाऊ

संत हिरदाराम नगर। दीपमाला पागारानी संस्कार पब्लिक हा. से. स्कूल में दो दिवसीय षिक्षक कार्यषाला का आयोजन किया गया है। जिसमें आज पहले दिन दिनांक 11.06.2023 को वक्ता एवं मुख्य अतिथि के रूप में श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी, संस्था के अध्यक्ष श्री सुषील वासवानी, सचिव श्री बसंत चेलानी, कोषाध्यक्ष श्री चन्दर नागदेव, लेखा परीक्षक श्री पुरूषोत्तम टिलवानी, सदस्य श्री नारायणदास लालवानी, श्री गुलाब सेजवानी द्वारा माँ सरस्वती एवं संत षिरोमणी हिरदाराम साहिब जी की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलन व मार्ल्यापण कर किया गया। सर्वप्रथम संस्था के सचिव श्री बसंत चेलानी ने संस्कार परिवार की ओर से श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी का स्वागत करते हुए भाऊजी को विद्यालय की जानकरी देते हुए बताया कि संस्कार विद्यालय संत नगर के सभी विद्यालयों में से ऐसा जो न्यूनतम शुल्क पर उच्चतम षिक्षा प्राप्त करते है उसने बोर्ड परीक्षाओं के परीक्षा परीणाम की जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय में इस साल हायर सेकेण्डरी में 87 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए है और जिनमें से 47 विद्यार्थी ऐसे है जिन्होंने 75: से ज्यादा अंक प्राप्त किये है। जिनको शासन द्वारा लेपटॉप के लिए 25000/- की राषि मिलना है। संस्था के अध्यक्ष श्री सुषील वासवानी ने श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी का स्वागत करते हुए षिक्षकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज हमारी पाठषाला है जो कि समय-समय पर बहुत जरूरी है आज हम जो ज्ञान का प्रसाद ग्रहण करेंगे उसे आगे चलकर हजारों लोगों को बाटेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में उपस्थित श्रद्धेय सिद्ध भाऊ जी ने कहा कि जब इंसान का मन शांत होता है तभी शरीर भी स्वस्थ रहता हे। इसलिए मन का शांत रहना आवष्यक है क्यों कि संसार में सुख और दुख की अनुभूति हमारे मन के द्वारा होती है इसलिए संसार की अमूल्य वस्तु है मन की शांति। उन्होंने संगति के महत्व को बताते हुए कहा कि हमेषा अच्छी संगति में रहना चाहिए गलत संगति का हमारे मन पर गलत प्रभाव पड़ता है। षिक्षक का यह कर्तव्य है कि वे बच्चों को सिखाएँ कि माता-पिता के प्रति कृतज्ञ रहें। आजकल बच्चों में निरंकुषता एंव उदंडता आ रही है उसे रोकने का कर्तव्य षिक्षक का भी है क्योंकि षिक्षक की बात का प्रभाव बच्चों पर अधिक पड़ता है। उन्होंने षिक्षको को सम्बोधित करते हुए कहा कि जैसा हम अपने विद्यार्थी को बनाना चाहते है तो पहले वैसा हमें बनना पड़ेगा तभी हमारी षिक्षा का प्रभाव बच्चों पर पड़ेगा। हमारे देष सनातन और संस्कार से भरा पड़ा है। षिक्षक बच्चों को बनाते-बनाते स्वयं भी बन जाते है षिक्षक एक असाधारण शक्ति है जो बच्चों को सही दिषा में ले जा सकते है। षिक्षक कार्यषाला के अंत में श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी ने षिक्षकों के प्रष्नों का उत्तर भी दिया, उनका हर उत्तर षिक्षकों के लिए प्रेरणादायक था। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री आर. के. उपप्रचार्या श्रीमती मीनल नरयानी, प्राधानाचार्या सुश्री मृदुला गौतम, एवं समस्त षिक्षक षिक्षकाएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन षिक्षिका श्रीमती प्रिया थानवानी ने किया कार्यक्रम के अंत में संस्था के कोषध्यक्ष श्री चन्दर नागदेव ने श्रद्धेय सिद्ध भाऊ जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भाऊजी ने जो शब्दों का ज्ञान हमें दिया है उसका एक अंष भी अपने जीवन में उतार लिया तो हमारा जीवन सफल हो जाएगा।

सीबीएसई द्वारा शहीद हेमू कालानी सोसाइटी के स्कूलों के लिए ''हैप्पी क्लासरूम'' का आयोजन

संत हिरदाराम नगर। शहीद हेमू कालानी एज्युकेशनल सोसायटी द्वारा संचालित स्कूलों के शिक्षकगणों के लिये दिनांक 7 जून से 12 जून तक आयोजित किये जा रहे 'शिक्षक उन्मुखीकरण कार्यक्रम' के चौथे और पांचवें दिन सीबीएसई द्वारा ''हैप्पी क्लासरूम'' सत्रों का आयोजन किया गया। 10 जून को आयोजित सत्र में नवनिध स्कूल के साथ ही विद्यासागर पब्लिक स्कूल तथा सीएचआई गर्ल्स स्कूल, गांधीनगर के शिक्षकगणों ने भाग लिया जब कि 11 जून को आयोजित सत्र में मिठी गोबिंदराम स्कूल और केवलराम चैनराय स्कूल, करौंद के शिक्षगणों ने भाग लिया।

पहले दिन डॉ. राजेश शर्मा (प्राचार्य, सरदार पटेल पब्लिक स्कूल) एवं डॉ. दीपिका भम्भानी (प्राचार्या, पोदार वर्ल्ड स्कूल) एवं दूसरे दिन सुश्री प्रीती खन्ना (प्राचार्या, विनयम पब्लिक स्कूल) तथा डॉ. दीपिका भम्भानी ने 'हैप्पी क्लासरूम' विषय पर अपने तथा अन्य शिक्षकों के अनुभवों पर आधारित विभिन्न गतिविधियों का वीडियो, लिखित प्रश्नोतरी एवं प्रोजेक्टस का प्रदर्शन करते हुए प्रतिभागियों को बताया कि उन्हें अपने विद्यार्थियों के मानसिक स्तर का आकलन करने के पश्चात ही उनके पढ़ाई के स्तर को निश्चित करना चाहिये। सभी विद्यार्थियों का मानसिक स्तर अलग-अलग होता है, विद्यार्थी की रुचि कक्षा में जागृत हो और वह सक्रिय बने इसके लिये एक शिक्षक को अपनी कक्षा में ऐसा माहोल बनाने का प्रयास करना चाहिये।

दोनों दिन दो-दो वक्ताओं ने संयुक्त रूप से सत्रों को प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जिसमें उन्होंने बताया कि शिक्षक ही शिक्षा के पेशे की रीढ़ की हड्डी हैं अतः इस पेशे को ऊचाइयां एवं सम्मान प्रदान करने में शिक्षकों का बड़ा योगदान है। बच्चों की कक्षा में रुचि और उत्साह बना रहे इस हेतु शिक्षकों को कक्षा का संचालन बहुत ही रोचक ढंग से करना चाहिये। बच्चे अपने शिक्षक की प्रत्येक गतिविधि का अनुसरण करते हैं अतः शिक्षक को सदैव शांत और सौम्य व्यवहार करना चाहिये। शिक्षकों को खुद की पहचान कर अपने अंदर छिपे बच्चे को बाहर निकालकर स्वयं की भावनाओं और संवेदनाओं को समझना चाहिये। जब अपनी भावनाओं को समझोगे तो अपने विद्यार्थियों की भावनाओं और संवेदनाओं को अच्छी तरह समझ पाएंगे। बच्चों को उनकी कमज़ोरी के विषय में बात न करके, उनको अच्छा करने हेतु प्रेरित करना चाहिये।

शिक्षकगणों में विषय की सघन जानकारी और उसके प्रति रचनात्मकता होना अत्यंत आवश्यक है। उन्हें सिखाने के नये-नये तरीके ढूंढते रहना चाहिये। इसका उदाहरण देते हुए उन्होंने प्रतिभागियों को अपना परिचय संगीतबद्ध शैली में देने के लिए कहा। इसके प्रत्युत्तर में सभी प्रतिभागियों ने अपना-अपना परिचय संगीत और गायन की अलग-अलग शैलियों में देकर सत्र को बेहद ही मनोरंजक और रुचिकर बना दिया। उन्होंने शिक्षकों को कहा कि वे भी अपनी कक्षाओं में इसी ढंग से परिचय देने हेतु बच्चों को प्रेरित करें।

इस कार्यक्रम में सोसाइटी के श्री हीरो ज्ञानचदांनी (उपाध्यक्ष), श्री ए.सी. साधवानी (सचिव), श्री गोपाल गिरधानी (डॉयरेक्टर अकेडेमिक्स), श्री भगवान बाबाणी (प्रशासनिक अधिकारी), नवनिधि स्कूल की प्राचार्या श्रीमती अमृता मोटवानी, सी.एच.आई., गांधीनगर की प्राचार्या श्रीमती प्रिया जैन शर्मा, विद्यासागर पब्लिक स्कूल की प्रधानाध्यापिका श्रीमती मिष्ठी वासवानी, उप-प्राचार्याएं, कोर्डीनेटर्स एवं तीनो स्कूलों के लगभग 120 गुरुजन उपस्थित रहे।

चलो बुलावा आया है, भाईसाहब के कुर्सी के पाये मजबूत, ये क्या कर गए भुप्पी, कौन रोकेगा भ्रष्टाचार की दारू?

लगता है दुनिया घटनाओं, दुर्घटनाओं, बयानों और मुद्दों के बलबूते चल रही है। बीते हफ्ते भी इन सबसे सराबोर रहा। मुंबई में 56 साल के बॉयफ्रेंड ने सालों से लिव इन में रह रही गर्लफ्रेंड को बेरहमी से मार दिया। जिसके साथ सालों तक सुख-दुख शेयर किया, उसे इस तरह मार देना चौंकाता है। या तो प्यार के मायने बदल गए हैं या हम में सहनशीलता की भयंकर कमी होती जा रही है। ओडिशा के जिस बहानगा स्टेशन पर भयंकर हादसा हुआ, उसे सील कर दिया गया है। भयंकर हादसे की सीबीआई जांच के चलते ऐसा किया गया है। छत्तीसगढ़ दौरे पर गए केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने गोडसे को भारत मां का सपूत बता दिया। बात बड़ी थी तो यहां रुकी भी नहीं। कभी कांग्रेस के रहे और अब सपा के सांसद दिग्गज वकील ने बयान दिया कि गिरिराज के बयान को मोदी-शाह को बेबुनियाद बताना चाहिए, लेकिन वो ऐसा नहीं करेंगे। अब इस गोडसे के बयान के मायने क्या निकलेंगे, ये तो वक्त ही बताएगा। इधर, मध्य प्रदेश में %मामा जी% ने नया दांव खेल दिया। लाड़ली बहना को फिलहाल तो एक हजार दे रहे हैं, इसे धीरे-धीरे 3 हजार कर देंगे। कमल ने महिलाओं को 1500 देने को कहा था, अब सरकार को कुछ तो करना था सो कर दिया। चुनावी सिर पर हो तो भैया सब जायज है...। वहीं, कई खबरें पकीं, कुछ पकते-पकते रह गईं, कुछ खुशबू बिखेरकर लुप्त हो गईं, आप तो बस सीधे अंदरखाने उतर आइए...

क्या होगा दिल्ली की बैठक में...

दिल्ली से मुख्यमंत्री को बुलावा क्या आया, प्रदेश में राजनीतिक हलचल शुरू हो गई। मुख्यमंत्री ने दिल्ली की बैठक के चलते अपने दो दिन रिजर्व रखे हैं। बताया जा रहा है अमित शाह, जेपी नड्डा, बीएल संतोष के साथ होने वाली बैठक में विधानसभा चुनाव के ब्लू प्रिंट पर प्रारंभिक चर्चा होगी। चुनावी मैदान में उतरने से पहले एंटी-इन्कंबेंसी को खत्म करने के लिए गणित ज्ञान भी लगाया जाएगा। बीजेपी के नेता दिल्ली में अपने आकाओं को फोन लगाकर जानना चाह रहे हैं कि आखिर इस बैठक में क्या होगा, क्या कोई बड़ा विकेट गिर सकता है?

भाईसाहब को कौन निपटा रहा है...

भाईसाहब भारी परेशान हैं, एक मोर्चा संभालते हैं तो दूसरा खुल जाता है। ऐसा लग रहा है कि पार्टी के दिग्गज लामबंद होकर भाईसाहब को निपटाने में लग गए हैं। साजिश भी इस कदर की सोशल मीडिया पर भाईसाहब के हटने की खबर वायरल हो गई, 5 घंटे तक सोशल मीडिया पर खबर चलती रही, लेकिन पार्टी के किसी बड़े नेता का खंडन नहीं आया। इसके बाद एक प्रतिष्ठित अखबार में दिल्ली से खबर लग गई कि भाईसाहब जाने वाले हैं। इन खबरों के बीच भाईसाहब ने भी अपने आकाओं को दिल्ली फोन घुमाना शुरू कर दिए हैं। इधर, भाईसाहब फुल कॉन्फिडेंस के साथ एक्टिव होकर ये मैसेज देने की कोशिश कर रहे हैं कि मैं कहीं नहीं जाने वाला। हालांकि, वो तो आने वाला समय बताएगा कि उनकी कुर्सी के पाये कितने मजबूत हैं।

भुप्पी से क्यों नाराज हैं माननीय?

भुप्पी भैया के खिलाफ हजारों एकड़ जमीन खरीदने का मामला क्या दर्ज हुआ। राजनीति और प्रशासनिक गलियारों में चर्चा आम हो गई कि आखिर भुप्पी भैया से माननीय नाराज क्यों हैं? क्योंकि इसके पहले भुप्पी भैया ने पत्रकारवार्ता कर जैसे ही महाकाल लोक में भ्रष्टाचार को क्लीनचिट दी, वैसे ही दूसरे दिन माननीय ने जांच समिति बना दी। माननीय की वक्रदृष्टि ने भुप्पी भैया के सारे गणित बिगाड़ दिए है। कल तक भुप्पी भैया की जमकर दादागिरी चल रही थी, उनसे प्रताड़ित दो मंत्री और विधायकों ने सीएम के यहां गुहार भी लगा चुके हैं।

इन आईएएस अफसरों की उड़ी नींद

महाकाल लोक के महा भ्रष्टाचार की जांच में माननीय की एंट्री के बाद चार आईएएस अफसरों नींद उड़ गई है। इनमें 2013 और 2014 बैच के नए युवा आईएएस भी शामिल हैं। महाकाल लोक निर्माण के दौरान जो-जो उज्जैन में कलेक्टर, नगर निगम कमिश्नर और स्मार्ट सीईओ रहे हैं, वो सब इस जांच के दायरे में आ रहे हैं। अंदरखानों की माने तो लोकायुक्त समिति के हाथ कुछ ऐसे दस्तावेज लगे हैं, जिसमें कुछ आईएएस अफसरों का सीधा घिरना तय माना जा रहा है। अब सब दुआ कर रहे हैं कि जांच खत्म होने से पहले माननीय का कार्यकाल खत्म हो जाए तो फिर इस मामले को मैनेज कर लेंगे।

ईमानदार मैडम के राज में भ्रष्टाचार की दारू

प्रदेश के कद्दावर लोगों में चर्चा है कि मदिरा वाले महकमे की मुखिया मैडम हैं तो ईमानदार, लेकिन वो भ्रष्टाचार की दारू को बहने से रोक नहीं पा रही हैं। शराब कारोबारी मस्त हो गए हैं, सरकार को जमकर चूना लगा रहे हैं, लेकिन मैडम चाहकर भी कुछ नहीं कर पा रहीं। इंदौर, भोपाल, रीवा, सतना, उमरिया में सरकार की नाक के नीचे फर्जी एफडीआर घोटाला हो गया, लेकिन मजाल है कि घोटालेबाज अफसर और शराब कारोबारियों का बाल भी बांका हुआ हो। मैडम की आंखों के सामने घोटाले की लीपापोती होना शुरू हो गई, लेकिन वे चाहकर भी कुछ नहीं कर पा रहीं। बड़ा सवाल ये है कि शराब कारोबारियों को संरक्षण कौन दे रहा है?

आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय 13 हजार रूपए होगा: मुख्यमंत्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय 10 हजार रूपए से बढ़ा कर 13 हजार रूपए किया जाएगा। मानदेय में इंसेंटिव के रूप में 1000 रूपए की वृद्धि प्रतिवर्ष की जाएगी। आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना का 1000 रूपए प्रति माह अलग से प्राप्त होगा। मिनी आँगनवाड़ी कार्यकर्ता का मानदेय भी 6 हजार 500 रूपये प्रतिमाह कर दिया गया है। आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को सेवानिवृत्त होने पर एकमुश्त एक लाख 25 हजार रूपए और सहायिकाओं को एक लाख रूपए उपलब्ध कराए जाएंगे। आँगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं का 5 लाख रूपए का स्वास्थ्य और दुर्घटना बीमा कराया जाएगा। सहायिका से आँगनवाड़ी कार्यकर्ता के पद पर पदोन्नति के लिए 50 प्रतिशत पद आरक्षित होंगे। आँगनवाड़ी कार्यकर्ता को शासकीय कर्मचारी की तरह सुविधा होगी। मुख्यमंत्री चौहान ने यह घोषणा आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के भेल दशहरा मैदान में हुए सम्मेलन में की। मुख्यमंत्री भारतीय मजदूर संघ तथा मध्य प्रदेश आँगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका महासंघ के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

योजनाओं के क्रियान्वयन में आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका सराहनीय: मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की भूमिका सराहनीय है। लाड़ली लक्ष्मी और मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के?क्रियान्वयन में आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहता हैं। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना को लागू करवाने में आँगनवाड़ी की बहनों ने कठिन परिश्रम किया है, जो अभिनन्दनीय है। बहनों ने कम समय में दिन-रात एक कर एक करोड़ 25 लाख पंजीयन कराए, यह बड़ी उपलब्धि है। कुपोषण कम करने के लिए आँगनवाड़ी कार्यकर्ता-सहायिकाओं के सतत प्रयास जारी हैं। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि हमारी सरकार ने आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के परिश्रम और उनके द्वारा समाज के लिए किए जा रहे कार्यों का सदैव सम्मान किया है और समय -समय पर मानदेय में वृद्धि की है।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना सामाजिक क्रांति की एक महत्वपूर्ण कड़ी: मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना, मेरे अंतर्मन से ?निकली योजना है। भारत में प्राचीनकाल में महिलाओं का बहुत सम्मान था, परंतु देश के गुलाम होने के बाद महिलाओं के साथ अन्याय हुआ। ऐतिहासिक कारणों के परिणामस्वरूप घरों में भी महिलाएँ दोयम दर्जे के व्यवहार की शिकार हुईं। अपनी छोटी-मोटी जरूरतों के लिए भी बहने दूसरों पर निर्भर थीं। उनकी स्थिति में सुधार के लिए ही प्रदेश में लाड़ली लक्ष्मी योजना, कन्या विवाह योजना, अन्य प्रोत्साहन गतिविधियाँ और महिला सशक्तिकरण के लिए योजनाएँ क्रियान्वित की गईं। लाड़ली बहना योजना भी इस सामाजिक क्रांति की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। सम्मेलन में भारतीय मजदूर संघ और मध्यप्रदेश आँगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका महासंघ के प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार रखे।

भाजपा का बूथ कार्यकर्ता ही चाणक्य: विष्णुदत्त शर्मा

पन्ना। देश के किसी भी राज्य में चुनाव होता है तो भारतीय जनता पार्टी का केन्द्रीय नेतृत्व द्वारा मध्यप्रदेश के कार्यकर्ताओं को वहां जिम्मेदारी देता है, क्योंकि मध्यप्रदेश के कार्यकर्ताओं की पहचान पुरे देश में कुशल और प्रशिक्षित कार्यकर्ता के रूप में होती है। आज प्रदेश के प्रत्येक बूथ पर हमारा प्रशिक्षित कार्यकर्ता है, यह बूथ कार्यकर्तृता ही भाजपा को अपने बूथ पर ऐतिहासिक जीत दिलाएगा क्योंकि बूथ कार्यकर्ता ही हमारा चाणक्य है। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने रविवार को पन्ना जिले की गुनौर विधानसभा के ग्राम महेवा में आयोजित त्रिदेव एवं पंच परमेश्वर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। शर्मा ने कहा कि भाजपा की असली ताकत हमारे बूथ स्तर के सभी कार्यकर्तागण हैं। हमारे कार्यकर्ता जो संकल्प लेते हैं उसे साकार करने के लिए पूरी तरह समर्पित रहते हैं। कार्यक्रम को जिलाध्यक्ष रामबिहारी चौरसिया, पूर्व विधायक राजेश वर्मा ने भी संबोधित किया।

देवास में हुई हत्या के आरोपी किसी भी कीमत पर बख्शे नहीं जाएंगे: विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि दिग्विजय सिंह ने अपनी सरकार में गुंडों को संरक्षण दिया है, अब इनकी सरकार नहीं होने के कारण ये बौखला रहे हैं। देवास के सतवास मंडल में लाडली बहना योजना का जश्न मना रहे भाजपा कार्यकर्ताओं के उत्साह से बौखलाए कांग्रेसी गुंडे ने भाजपा कार्यकर्ता के पिता और भाई की हत्या कर दी। ये अपराधी किसी भी कीमत पर नहीं बख्शे जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमें कमलनाथ और दिग्विजय सिंह द्वारा पोषित इन अपराधियों को अपने संगठन बल और एकता से जवाब देना है।

सुरखी के कार्यकर्ता ही मेरी ताकत : राजपूत

सागर। सुरखी विधानसभा क्षेत्र ग्राम टेहरा टेहरी में शक्ति केंद्र की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने पहुंचकर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। अपने संबोधन में राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि सुरखी विधानसभा विकास कार्यों के लिए प्रदेश में भी जानी जाती है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान की विकास नीतियों के कारण देश प्रदेश में हर जगह विकास कार्य हो रहे हैं। भाजपा ने हर वर्ग को लेकर नीतियां बनाई है जिससे हर वर्ग को लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 9 साल भारत के लिए बेमिसाल रहे जिसमें देश में विकास कार्य हुए तो वही पूरे विश्व में भारत का सम्मान भी बढ़ा है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व प्रदेश नई बुलंदियों तक पहुंचा है। लाडली बहना योजना के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के लिए बड़ा काम किया है । श्री राजपूत ने कहा कि भाजपा की सरकार वादे नहीं काम करती है जिसके कारण जनता का आशीर्वाद हमेशा भाजपा को मिलता रहा है। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए श्री राजपूत ने कहा कि हर व्यक्ति को भाजपा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने का काम कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र में करें कोई भी व्यक्ति भाजपा की जन कल्याणकारी योजनाओं से ना छूटे।

श्री राजपूत द्वारा कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं तथा भाजपा पदाधिकारियों का गमछा पहनाकर सम्मान किया गया तथा कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर भोजन किया। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ वीरेंद्र पाठक ,मंडल अध्यक्ष कमल कुर्मी, रण बहादुर सिंह छोटू राजा ,जगदीश साहू ,भगवान सिंह ठाकुर, भवानी सिंह ठाकुर मिहीलाल पटेल ,सुदामा पटेल सुदामा पटेल, नरेंद्र सिंह रामकुमार यादव ,पप्पू यादव गोवर्धन लोधी ,मनोज सोनी, मोतीलाल बंसल, शिवलाल अहिरवार ,दीनदयाल विश्वकर्मा, मोतीराम आदिवासी, प्रमोद पटेल शोभाराम पटेल ,रामकुमार यादव सहित क्षेत्र के सैकड़ों कार्यकर्ता एवं क्षेत्र वासी उपस्थित रहे।

बच्चों के हितों के संरक्षण के लिए योगाधारित शिक्षा प्रणाली की आवश्यकता: अग्रवाल

भोपाल। योग गुरु अग्रवाल ने कहा कि बाल मजदूरी मानवता पर कलंक है। इसे रोकना हर सभ्य समाज का कर्तव्य है। विश्व बालश्रम निषेध दिवस हमें बच्चों के हितों के संरक्षण के लिए सचेत करता है। आज विश्व बालश्रम निषेध दिवस के अवसर पर हम सभी इस कलंक को समाप्त करने का प्रण धारण करें। बच्चे देश का सुनहरा भविष्य हैं, जिनसे श्रम करवाना कानूनी अपराध है। हम बचपन को शिक्षित व सशक्त बनाकर देश को बाल श्रम से मुक्ति दिलाने का संकल्प लें व उनके जीवन को संवारने में भूमिका निभाएं। बच्चे के विकास के अपने नियम होतें हैं, यदि हम उसके विकास में उसकी सहायता करना चाहते हैं, तो हमें स्वयं को उस पर थोपने के बदले उसके विकास में उसका साथ देना चाहिए।

अपना घर में बुलंद आवाजों के ताने बाने के बीच गूंजे प्यार के तराने

भोपाल। अपना घर वृद्ध आश्रम मे शनिवार की शाम गीत संगीत एवं नृत्य से महक उठी अवसर था रोटरी क्लब ऑफ़ भोपाल अरेरा द्वारा आयोजित संगीत संध्या शीर्षक न ये चाँद होगा न तारे रहेंगे का इस आयोजित प्यार के तराने मे अरेरा जंगशन के तक़रीबन 17 कलाकारों ने अपनी रूहानियत भरे गीतों से अपना घर के वृद्ध जनों सहित उपस्थित श्रोताओं को मन्त्र मुग्ध कर दिया कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना एवं विश्व शांति गीत से हुई तत्पश्चात कलाकारों द्वारा गाए प्यार के तरा नो ने उमंग उत्साह ओर मोहब्बत का ऐसा नगमा बिखेरा की एक ओर जहाँ बुजुर्गो की आँखों मे आंसू देखे गए तो कई ऐसे भी अवसर आए जब बुजुर्ग जन भी गीतों पर थिरकते नजर आए। जिनके अपनों ने ही उन्हें बेसहारा छोड़ दिया उनके बीच अरेरा जंगशन की गीत संगीत की इस महफिल ने समूचे अपना घर प्रांगण को भाव विभोर कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत सुब्रत राय जी ने शीर्षक गीत न ये चाँद होगा न तारे रहेंगे से की तत्पश्चात शहर के युवा कलाकार तोशीफ खान ने तू न जाने आसपास है खुदा गीत गाकर माहौल मे मानो जान डाल दी गानों की इस श्रृंखला मे अनिल चौहान ने दिल की आवाज भी सुन, संजय व सपना ने तुम अगर मुझको न चाहो तो सूर्य प्रकाश एवं संगीता मुरसेनिया ने एक प्यार का नगमा है नकुल घगत ने कहना है आज तुमसे ये पहली बार गाकर समा बांध दिया. अन्य कलाकारों मे आशीष अवस्थी ने बात निकलेगी तो दूर प्रसन्न गुप्ता ने चिंगारी कोई भड़के उमेश व अंजू मिश्रा ने बाबू जी धीरे चलना, डाक्टर रावले ने ख्याब हो तुम या कोई हकीकत गीत गाकर न सिर्फ मोहब्बत और इबादत के नगमे बिखेरे बल्कि उपस्थित जनों की आँखों मे अविरल आंसू भी ला दिए इस अवसर पर कलब अध्यक्ष अमृता आशीष तिवारी ने कार्यक्रम को सफल बनाने मे अपना घर की संचालिका माधुरी मिश्रा के प्रति आभार व्यक्त किया एवं अरेरा जंगशन के कार्यकारी अध्यक्ष अनिल चौहान एवं कार्यक्रम समन्वयक संजय सक्सेना के प्रति भी आभार वक्त करते हुए कहा कि हमे इस तरह के कार्यक्रमों को आयोजित करने से न सिर्फ अच्छे अच्छे कलाकार मिल रहे हैं वरन जनमानस का हमे भरपूर सहयोग प्राप्त हो रहा है इस कारण यह परम्परा आने वाले हजारों लाखों वर्षो तक क़ायम रहेगी. उन्होंने कहा कि नये कलाकारों की छुपी प्रतिभाओ को उजागर करने के लिए हमने अरेरा जंगशन का गठन किया है और यह संगीत रूपी थेरेपी से जनमानस को नई ऊर्जा का संचार करने के लिए हम कृतसंकल्प है क्योंकि गायकी से रूहानियत रूह के जरिये एक दूसरे मे उतरती है कार्यक्रम मे शहर के उभरते सितारे राधिका मिश्रा, हार्दिक कुमार, अनीस खान एवं आर्या पुरोहित आदि ने भी अपने सुरीले अंदाज मे सभी का मन मोह लिया।

प्रदेश भर में 1700 वन रक्षक बनेंगे वनपाल

भोपाल। वनों की सुरक्षा में जुटे प्रदेश भर के वनरक्षकों को सरकार पदोन्नत करने लगी है। इसके बाद प्रदेश भर में करीब 1700 वन रक्षकों को वनपाल का दर्जा मिल जाएगा। ग्वालियर, खंडवा, इंदौर और शिवपुरी वनवृत्तों के बाद भोपाल वन वृत्त इस संबंध में कल निर्णय लेने जा रहा है। जिससे सीहोर, रायसेन, अब्दुल्लागंज, विदिशा, राजगढ़ और भोपाल वन मंडल में कार्यरत करीब 200 वनरक्षक पदोन्नति पाकर वनपाल बन जाएंगे।

मप्र वन कर्मचारी मंच के प्रांत अध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि वर्ष 2016 से शासकीय कर्मचारियों की पदोन्नत पर रोक लगी होने के कारण वन विभाग के हजारों वनरक्षक बिना पदोन्नत के ही सेवानिवृत्त हो गए हैं। पदोन्नत में रोक के 6 साल बाद सरकार ने उच्च पद का प्रभार देने का निर्णय लिया है। 25 अप्रैल 2023 को मध्यप्रदेश शासन ने वन विभाग में वन रक्षकों को उच्च पद वनपाल का प्रभार देने के आदेश जारी करे थे। ग्वालियर, खंडवा, इंदौर और शिवपुरी में सैकड़ों वन रक्षकों को उच्च पद वनपाल का प्रभार देने के आदेश जारी कर दिये गये हैं। अब भोपाल संभाग में 200 रक्षकों को एक स्टार लगाकर उच्च पद वनपाल का प्रभार दिया जा रहा है। उच्च पद का प्रभार मिलने से वन रक्षकों को पदोन्नति पद का सम्मान मिलेगा और बड़े कार्य क्षेत्र में काम करने का अवसर मिलेगा वन रक्षकों के अधिकारों में भी वृद्धि होगी। सरकार के इस फैसले का कर्मचारियों ने स्वागत किया है।

शॉर्ट फिल्म गलती की हुई फर्स्ट स्क्रीनिंग

किसी एक्सीडेंट को जिंदगी का बोझ न बनाएं बेटियां

भोपाल। भोपाल शहर के शौकिया कलाकारों ने शॉर्ट फिल्म गलती का निर्माण किया है जिसकी पहली स्क्रीनिंग कलाकारों के बीच रविवार को हुई। यौन अत्याचार की शिकार एक बेटी को जिंदगी भर वो बोझ लादने को विवश होना पड़ता है। समाज का नजरिया प्राय: किसी बेकसूर को हीन या दोषी मानने लगता है। क्या किसी एक्सीडेंट का दुख जीवन भर पालना उचित है ? इस सोच पर युवा कलाकारों ने जानदार अभिनय से फिल्म को संवारा है लघु फिल्म गलती में।

ये शॉर्ट फिल्म समाज के परंपरागत दृष्टिकोण पर भी चोट करती है। फिल्म का निर्देशन शुभम पांडेय और प्रभात पोद्दार ने किया है। संयोजन कार्तिक नाईक का है। भूमिकाओं में श्रेया यति, यूनुस, प्रभात पांडे, लिपिका चक्रवर्ती, अशोक कुमार, शिवकुमार, वरुण जैन, कृष्णा सोनी, श्रेयस , शर्मिष्ठा शामिल हैं। यूट्यूब पर भी द आई रानिकल्स का यह क्रिएशन अपलोड किया गया है। दस मिनिट की इस शॉर्ट फिल्म में पटकथा श्रेयस की और वाइस ओवर शर्मिष्ठा का है। सिनेमेटोग्राफर श्री अथर्व सोनी हैं।

एम्स भोपाल में 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

भोपाल। एम्स भोपाल में 11 जून 2023 को कॉमन योगा प्रोटोकॉल फ़ैकल्टी मेंबर्स, एम्स स्टाफ़ के लिए एवं चिल्ड्रन योग कैंप का आयोजन आयुष विभाग में किया गया। चिल्ड्रन कैंप में लगभग 23 बच्चे और एम्स मैं लगभग 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया है। बच्चों को सुश्री साक्षी परसाई द्वारा एक्सरसाइज करवाई गई। योगदा सदस्य श्रीमती निधि ठक्कर द्वारा बच्चों को आधे घंटे का ध्यान करवाया गया। योग शिविर का उद्देश्य आत्म जागरूकता, अनुशासन, सुनने के कौशल को बढ़ाना, बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए आयोजित किया गया था। संस्थान में 21 जून तक विभिन्न योग गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है 75 जून को एम्स भोपाल के सम्मानित कार्यपालक निदेशक प्रो. अजय सिंह ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। योग की अपार क्षमता को पहचानते हुए, उन्होंने पूरे अस्पताल में विभिन्न समूहों के लिए समान सत्र आयोजित करके योग को लोकप्रिय बनाने का अपना दृष्टिकोण व्यक्त किया।

एम्स के संकाय और कर्मचारियों के लिए योग सत्र का संचालन चिकित्सा अधिकारी योग डॉ. मुद्दा सोफिया व योग प्रशिक्षक डॉ. श्वेता मिश्र के मार्गदर्शन में किया गया। एम्स संस्थान की ओर से डॉ. वरुण मल्होत्रा, डॉ. बरकती तारिक, डॉ. रंजना पांडेय व योगदा संस्था की ओर से डॉ. मोनिका मल्होत्रा, कैलाश रघुवंशी भी वॉलंटियर्स के रूप में मौजूद रहे। प्रत्येक प्रतिभागी को पौष्टिक मिलेट् नाश्ते (रागी इडली) का एक पैकेट वितरित किया गया, जिससे उनके दिन की स्वस्थ शुरुआत हुई। इस कार्यक्रम ने न केवल योग के महत्व को बढ़ावा दिया बल्कि प्रतिभागियों के बीच एकता और कल्याण की भावना को भी बढ़ावा दिया।

एम्स भोपाल के नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. सुनील मलिक ने पदभार ग्रहण किया

भोपाल। केन्द्र सरकार द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार डॉ. सुनील मलिक को एम्स भोपाल का अध्यक्ष नामित किया गया है। डॉ. मलिक ने कल पदभार ग्रहण किया।एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह एवं उपनिदेशक (प्रशासन) कर्नल (डॉ.) अजीत कुमार ने उनका स्वागत किया। डॉ. सुनील मलिक न्यूरोलॉजी के सुपर स्पेशलिस्ट हैं। गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल से एमबीबीएस करने के बाद जीआर मेडिकल कॉलेज, ग्वालियर से चिकित्सा में स्नातकोत्तर और मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली से न्यूरोलॉजी में सुपर स्पेशलाइजेशन किया।

सम्पादकीय

फर्जी दिव्यांगता..!

सरकारें दावे कितने ही करें, लेकिन बेरोजगारी की समस्या इतनी भयावह है कि लोग रोजगार के लिए कुछ भी करने को तैयार हो जाते हैं। और फिर जब नौकरी सरकारी हो, तो फिर कहने ही क्या हैं। फिलहाल मामला मध्यप्रदेश में शिक्षक पद के लिए दिव्यांग कोटे के अंतर्गत होने वाली भर्ती का है। इसके लिए आरक्षित 755 पदों में से 450 शिक्षक मुरैना जिले के भर्ती हुए हैं। और इनके ही नहीं, और भी लोगों ने दिव्यांगता के फर्जी प्रमाणपत्र बनवाकर रोजगार पाने का प्रयास किया।

खबर के अनुसार फिलहाल तो सरकार ने ऐसे 80 लोगों पर मामला दर्ज करने के आदेश जारी किए हैं। इसमें से 77 की रिपोर्ट आ चुकी है। ओवरराइटिंग वाले तीन प्रमाण पत्रों की जांच जारी है। जांच में पता चल रहा है कि कई के प्रमाण पत्रों पर ऐसे सरकारी डॉक्टरों के हस्ताक्षर हैं, जो पहले ही रिटायर हो चुके हैं। असल में कर्मचारी चयन मंडल ने प्राथमिक शिक्षक के 18 हजार पदों के लिए पात्रता परीक्षा कराई थी। इसमें 1086 पद दिव्यांगों के लिए आरक्षित थे। परिणाम के आधार पर 755 पदों पर विभिन्न दिव्यांगजन का चयन हुआ है। चौंकाने वाली बात ये हुई कि इसमें से 450 दिव्यांग शिक्षक अकेले मुरैना जिले के हैं।

एक ही जिले से इतनी संख्या में दिव्यांग शिक्षक बनने का मामला सामने आने के बाद भी सरकारी मशीनरी तो खामोश ही रही। कुछ दिव्यांगों ने इस मामले में आयुक्त नि:शक्तजन कल्याण से शिकायत की तो उन्होंने आयुक्त लोक शिक्षण एवं आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को नोटिस जारी कर दिव्यांग कोटे से चयनित शिक्षकों के दिव्यांग प्रमाण पत्रों की जांच के निर्देश दिए। जब जांच हुई तो मुरैना जिले के 450 लोगों में से 80 प्रमाण पत्र संदिग्ध मिले। इसमें 77 के फर्जी होने की पुष्टि हुई। इसमें 60 स्कूल शिक्षा विभाग में और 17 जनजातीय कार्य विभाग में पदस्थ थे। सभी के दिव्यांग प्रमाण पत्र पर विशेषज्ञ चिकित्सक, सिविल सर्जन की सील लगाई गई है। 3 प्रमाण पत्रों पर ओवरराइटिंग की गई है, जिसकी रिपोर्ट आना बाकी है।

एक चौंकाने वाली बात यह है कि ग्वालियर-चंबल संभाग सहित टीकमगढ़, छतरपुर जिलों में बहरे या कम सुनने का दावा करने वाले लोगों की जांच के लिए सरकारी अस्पतालों में कोई ऑडियोलॉजिस्ट ही पदस्थ नहीं है। इसके चलते बैरा और ऑडियोमेट्री की जांच के लिए जिला विकलांग पुनर्वास केंद्रों को ग्वालियर के जया आरोग्य अस्पताल भेजना पड़ता है। वहां से ऑडियोमेट्री या बैरा रिपोर्ट आवेदक द्वारा ही बोर्ड के सामने पेश किया जाता है। बोर्ड ने भी इस जांच रिपोर्ट का प्रमाणीकरण करवाए बिना विकलांग प्रमाण पत्र जारी कर दिया। कहा जा रहा है कि इसी लूप का फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने में उपयोग किया गया। जांच में ये तथ्य सामने आए हैं कि कुछ शिक्षकों ने खुद से तैयार की गई ऑडियोमेट्री और बैरा रिपोर्ट के आधार पर बोर्ड से दिव्यांग प्रमाण पत्र हासिल कर लिए। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस तरह की फर्जी रिपोर्ट 15 से 20 हजार रुपए में तैयार हो जाती है। और दिव्यांग बनने के लिए बाकायदा प्रशिक्षण भी लिया-दिया जाता है। बहरा बनने के लिए खास तौर पर अलग से प्रशिक्षण जरूरी है, सो इन लोगों ने बाहर से लिया ही होगा।

मामला बहुत गंभीर है। दो मुद्दे यहां उभर कर सामने आते हैं। एक तो यह कि सरकार दिव्यांगों को जो सुविधा दे रही है, उस पर भी डाका डाला जा रहा है। और इसमें कोई दो मत नहीं कि सरकारी मशीनरी के हिस्सों के बिना यह फर्जीवाड़ा संभव हो सकता है। सो बड़ा मसला तो भ्रष्टाचार का ही है। और इसमें हमारे प्रदेश के लोग महारत हासिल करते जा रहे हैं। ऊपर से जीरो टालरेंस की बात कही जाती है, नीचे लोग जीरो ईमानदारी से काम कर रहे हैं। बिना लेनदेन के किसी भी विभाग में काम होना असंभव सा ही है। कुछ लोग अपवाद होते हैं, सो यहां भी हैं। लेकिन जिस प्रदेश में एक पंचायत सचिव करोड़पति निकलता हो, संविदा इंजीनियर के पास करोड़ों की संपत्ति उजागर होती हो, वहां के भ्रष्टाचार पर बात करना बेमानी सा ही है।

यहां सबसे बड़ा मुद्दा तो बेरोजगारी का ही है। रोजगार पाने के लिए लोग क्या-क्या नहीं कर जाते, इस खबर से यह साफ पता चलता है। वे जानते हैं कि बात खुल गई तो नौकरी तो जाएगी ही, जेल भी जाना पड़ेगा, फिर भी फर्जीवाड़ा करके किसी भी तरह नौकरी पाने की कोशिशें करते हैं। साफ है, युवाओं को यदि आसानी से काम मिल जाए, तो वे फर्जीवाड़ा क्यों करें? लेकिन यहां यह भी विचारणीय प्रश्न है कि किसी एक अंचल में ही सर्वाधिक फर्जीवाड़े के मामले क्यों सामने आते हैं? यहां शायद बेरोजगारी सबसे ज्यादा हो? शायद यहां लोगों में कुछ भी कर जाने का दुस्साहस सबसे ज्यादा हो? और भी... । लेकिन सरकार को भी और समाज को भी ऐसे मामलों को गंभीरता से लेना होगा। बात केवल इन लोगों की जांच करने और उन्हें जेल भेजने पर खत्म नहीं होगी। बहुत कुछ करने का विचार करना होगा। ताकि ऐसा फर्जीवाड़ा करने की नौबत ही न आए।

Vallabh Bhawan Corridors 2 Central Vista

कहीं दुखदाई न बन जाय मंत्रियों के कारनामे

सुरेश तिवारी

वैसे तो जमीन के मामलों में पहले भी कई नेता फंसे हैं लेकिन इन दिनों भाजपा के मंत्री भी इस खेल में फंसते नजर आ रहे हैं। राजनीति करने वालों को जमीन का खेल करने में महारत हासिल होती है। उन्हें जब भी मौका मिलता है,

वे जमीन का गड़बड़ घोटाला करने से नहीं चूकते। भाजपा के कई मंत्री धीरे-धीरे जमीन के इसी खेल में फंसते जा रहे हैं। पहले राजस्व और परिवहन मंत्री गोविंद राजपूत पर इस तरह के आरोप लगे और अब उज्जैन के मोहन यादव इस जमीन के खेल में फंसते नजर आ रहे हैं।

मंत्री मोहन यादव को लेकर प्रमाण सहित जो जानकारी सामने आई है, उसके मुताबिक उज्जैन के मास्टर प्लान की अपनी और रिश्तेदारों की 29 एकड़ जमीन को उन्होंने फ्री करवा लिया। अब ये मास्टर प्लान का हिस्सा नहीं है। खास बात यह कि अभी तक रिकॉर्ड में जो कृषि भूमि के रूप दर्ज थी, उसे भी आवासीय बना दिया गया। आशय यह कि मंत्री मोहन यादव और उनका परिवार अब वहां कॉलोनी काट सकता है।

बताते हैं कि मोहन यादव ने अपनी जमीन बचाने के लिए उज्जैन के मास्टर प्लान को ढाई साल तक लटका कर रखा। सिर्फ यही एक घटना नहीं, मोहन यादव इस तरह के कारनामे करने में माहिर माने जाते हैं। यह अलग बात है कि इसी चक्कर में उच्च शिक्षा विभाग के एक अधिकारी को अपनी नौकरी तक गंवानी पड़ी। गोविंद राजपूत, मोहन यादव पर तो उंगली उठी ही है, इसके अलावा भूपेंद्र सिंह के खिलाफ भी लोकायुक्त जांच शुरू हो गई। आरोप है कि उनके परिवार ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित की। ये वे मंत्री हैं, जो सामने आ गए। लेकिन, और भी मंत्री हैं जिनके बारे में इस तरह के मामलों की समय-समय पर चर्चा होती रहती हैं। हम तो यही कह सकते हैं कि चुनाव के समय काल में ऐसे खुलासे कहीं भाजपा के लिए दुखदाई ना बन जाए।

बिरसा मुंडा के बहाने फिर सक्रिय!

आज से करीब 3 महीने पहले तक जिस आदिवासी विधायक का राजनीतिक कैरियर खतरे में दिखाई दे रहा था, यहां तक कि विधायकी दांव पर लगी हुई थी,

जो दुष्कर्म मामले में फरारी काट रहा था, वही एमएलए अब नए जोश खरोश के साथ फिर से राजनीति में सक्रिय दिखाई दे रहा है। जी हां, हम यहां बात कर रहे हैं पूर्व मंत्री और विधायक आदिवासी नेता उमंग सिंघार की।

उमंग सिंघार तीन बार के विधायक हैं और कमलनाथ कमलनाथ सरकार में वन मंत्री भी रहे। 3 महीने पहले एक समय ऐसा था जब उनका राजनीतिक कैरियर खतरे में दिख रहा था। उनकी पत्नी ने ही उनके खिलाफ रेप का केस दर्ज करवाया था। धार पुलिस उमंग को गिरफ्तार करने के लिए उनके पीछे पड़ी थी। वे पुलिस के हाथ नहीं लग फरार थे। बाद में मार्च में ही उन्हें हाई कोर्ट से जमानत मिली।

अभी जमानत मिले कोई 3 महीने भी नहीं हुए हैं कि उमंग सिंगार की सक्रियता सबको फिर से नजर आ रही है। उन्होंने बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर जिस तरह का जमावड़ा किया, उससे निश्चित रूप से बीजेपी तो क्या उनकी अपनी ही पार्टी के नेताओं को झटका लगा होगा। आश्चर्य है कि धार झाबुआ जैसे आदिवासी बहुल इलाके में किसी और भाजपा नेता को बिरसा मुंडा की याद क्यों नहीं आई!

बता दे कि जब से गंधवानी विधानसभा सीट बनी है, वे लगातार तीन बार से यहां से जीत चुके हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि उनकी कांग्रेस हाईकमान तक सीधी पहुंच है। यही कारण है कि पहले हिमाचल प्रदेश के चुनाव के समय वे पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए और इसके बाद कर्नाटक विधानसभा में भी पर्यवेक्षक बनाए गए। भले ही वे अकेले चलते हैं, लेकिन आदिवासियों से उनका जुड़ाव अनदेखा नहीं किया जा सकता। क्षेत्र पर उनकी पकड़ भी किसी से छुपी नहीं है। पूरे आदिवासी इलाके में भाजपा का कोई आदिवासी नेता उमंग सिंगार को टक्कर देने वाला दिखाई नहीं दे रहा।

लंबे समय तक उनकी पहचान सिर्फ इसलिए बनी रही कि वे कांग्रेस की सीनियर लीडर स्व जमुना देवी के भतीजे हैं। वे लोकसभा चुनाव भी हारे लेकिन, अब उन्होंने अपनी अलग पहचान बना ली। भले ही वे अन्य मामलों में चर्चित रहे हो, फिर भी आज की स्थिति में भाजपा के पास गंधवानी में उन्हें टक्कर देने वाला कोई आदिवासी नेता दिखाई नहीं देता।

हर शहर में कोई न कोई गंगा जमुना स्कूल मिलेगा

प्रदेश में सवा साल को छोड़ दिया जाए तो पिछले साढ़े 19 साल से बीजेपी की सरकार है। दमोह के एक स्कूल में जिस तरह धर्मांतरण के मामले सामने आए हैं और जिस प्रकार की धार्मिक पढ़ाई वहां हो रही थी उसे देखते हुए वहां के प्रशासन पर और सरकार पर प्रश्न चिन्ह लग गए हैं। अगर मुख्यमंत्री का सख्त रवैया नहीं होता तो शायद यह सब अभी भी चलता रहता।

दमोह में एक ऐसे स्कूल की जानकारी सामने आई, जिसमें शिक्षा के नाम पर धर्म की दुकान चल रही थी। यहां की पढ़ाई बिल्कुल मदरसों की तरह कराई जा रही थी। स्कूल के शिक्षक भी धर्मांतरण कर रखे गए थे। वहां विद्यार्थियों को कुरान की आयतें सिखाई जाने और होमवर्क भी उर्दू में दिए जाने की जानकारी मिली।

इसके अलावा बहुत सारी ऐसी जानकारी भी सामने आई जो किसी भी स्थिति में किसी स्कूल में नहीं मिल सकती। इस बात का खुलासा भी तब हुआ जब वहां के प्रतिभावान छात्रों के होर्डिंग शहर में दिखाई दिए। इसमें चार हिंदू छात्राएं थी जिन्हें हिजाब पहने फोटो में दिखाया गया था। जब इसे लेकर आपत्ति उठाई गई, तो सच सामने आया। लेकिन, शुरुआती जांच में कलेक्टर, शिक्षा मंत्री और जिला शिक्षा अधिकारी ने स्कूल को क्लीन चिट दे दी कि वहां ऐसा कुछ नहीं होता और वह हिजाब नहीं स्कूल की ड्रेस का एक हिस्सा है।

बाद में मुख्यमंत्री निर्देश पर जांच हुई, तो नए खुलासे हुए।मामले में सीएम के सख्त रवैये को देखते हुए जिस कलेक्टर ने पहले स्कूल को क्लीन चिट दी थी उसी कलेक्टर की अध्यक्षता में बनी समिति ने स्कूल में ढेरों खामियां पाई। यह सारी खामियां धर्म आधारित थी। अब इस संस्था से जुड़े 3 लोग जेल की हवा खा रहे हैं।

प्रदेश में गंगा-जमुना स्कूल अकेला नहीं है, जहां ये सारा गोरखधंधा चल रहा है। प्रदेश के हर शहर में ऐसा कोई न कोई स्कूल मिल सकता है, जो इसी पैटर्न पर चल रहा होगा। भोपाल में तो एक स्कूल सामने भी आया और जब वहां छापा मारा गया तो वहां कोई जवाबदार मिला ही नहीं। लेकिन, सरकार के लिए यह घटना एक सबक है कि शिक्षा के नाम पर जो हो रहा है वह किसी भी दृष्टि में सही नहीं और उसे रोका जाना चाहिए। क्या सरकार से उम्मीद की जाए कि वे प्रदेश के हर जिले में इस तरह के स्कूलों की तहकीकात करें!

भाजपा संगठन में सर्जरी की संभावना

मध्य प्रदेश भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व में चल रही चर्चाओं पर अगर भरोसा किया जाए तो अभी भी किसी भी समय मध्य प्रदेश भाजपा के संगठन में फेरबदल संभावित हो सकता है। गत दिनों दिल्ली में 3 बड़े नेताओं की बैठक की रिपोर्ट अभी प्रधानमंत्री के पास है। अगर इस रिपोर्ट की खबर को सही माना जाए तो उसमें मध्य प्रदेश संगठन पर भी गाज गिर सकती है।

पार्टी आलाकमान और संघ के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार विधानसभा चुनाव के संदर्भ में जो सर्वे करवाए गए, उसमें पार्टी की स्थिति बेहतर नहीं बताई गई है। ऐसी स्थिति में पार्टी आलाकमान संगठन में फेरबदल के बारे में पिछले कई दिनों से लगातार मंथन कर रहा है। अभी यह नहीं कहा जा सकता कि संगठन की कमान किसे सौंपी जाएगी! लेकिन, जो संकेत मिल रहे हैं उससे लगता है कि विंध्य के किसी नेता को यह जिम्मेदारी दी जा सकती है। क्योंकि, पता चला है कि पार्टी सर्वे में यह बात आई है कि विंध्य आगामी चुनाव की दृष्टि से सबसे ज्यादा कमजोर है। हमारे दिल्ली सूत्रों की खबरों पर अगर भरोसा किया जाए तो विंध्य के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री राजेंद्र शुक्ला को यह जवाबदारी दी जा सकती है। कारण का अंदाज आप खुद लगा सकते हैं। लेकिन, यह नहीं कहा जा सकता कि यह कब होगा। लेकिन, इस बात की पूरी संभावना है कि किसी भी समय यह फैसला पार्टी ले सकती है!

भाजपा में अनुशासन की सरेआम धज्जियां उड़ी

राजनीति में अनुशासन की कोई जगह नहीं होती। इसके बावजूद भाजपा हमेशा इस बात का दावा करती रही है कि वह सबसे ज्यादा अनुशासित पार्टी है। उसके सारे कार्यकर्ता अनुशासन में बंधे हैं और वे वही करते हैं, संगठन उन्हें जो निर्देश देता है। जब तक भाजपा सत्ता में नहीं थी, यह बात सही साबित भी हुई। लेकिन, जब से पार्टी सत्ता में है, उसके कार्यकर्ता उच्श्रृंखल हो गए और उन्होंने अनुशासन की सारी सीमाएं लांघ दी।

इंदौर में शनिवार की रात को जो हुआ, वह इसी अनुशासनहीनता का एक ताजा उदाहरण है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के नगर अध्यक्ष सौगात मिश्रा और मोर्चा के प्रदेश मंत्री शुभेंदु गौड़ के बीच में जो कुछ हुआ, वह जग जाहिर है। जिस तरह की मारपीट हुई और गाली गलौच हुआ, उससे लग गया कि पार्टी में अब अनुशासन के लिए कोई जगह नहीं रह गई।

मुद्दे की बात यह इंदौर के भाजयुमो नेताओं के बीच में जिस तरह का वार्तालाप और मारपीट हुई उस समय मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार भी वहीं मौजूद थे। झूमा झटकी में उनका कुर्ता भी फट गया। युवा मोर्चा द्वारा नोटिस देने की औपचारिकता पूरी की गई है।

अब पार्टी भले ही कितनी लीपापोती करें। लेकिन, जो होना था वह हो गया। इस घटना के वीडियो सामने आए और सोशल मीडिया पर खूब चले। लोगों ने भी उन वीडियो को मजे ले लेकर देखा। इस सबके बावजूद यदि पार्टी अनुशासन की बात करे, तो वह समझ से परे है।

'जयस' में फूट, कैसे आदिवासी सीटों को संभालेंगे!

आदिवासियों के संगठन 'जयस' ने हमेशा इस बात का दावा किया कि वह प्रदेश की 80 विधानसभा सीटों पर अपना प्रभाव रखती है। उसका सबसे ज्यादा प्रभाव पश्चिमी मध्य प्रदेश के इंदौर-उज्जैन संभाग की आदिवासी सीटों पर है। 'जयस' के संस्थापक डॉ हीरालाल अलावा हमेशा ही आदिवासियों के एकछत्र नेता होने का दावा करते हैं। लेकिन, जिस तरह इस संगठन में फूट पड़ रही है, उससे लगने लगा कि अब आदिवासी भी राजनीतिक रूप से जागरूक हो गए।

इस संगठन से जुड़े एक गैर आदिवासी नेता डॉ आनंद राय ने तो हैदराबाद जाकर तेलंगाना की सत्ताधारी पार्टी ज्वाइन कर ली। इसके अलावा पार्टी के एक और नेता भी नाराज होकर अपनी अलग पहचान बनाने में लगे हैं। इस पूरे घटनाक्रम का लब्बो-लुआब यह है कि 'जयस' जिस तरह का दावा करता रहा है, हालात वैसे नहीं है। अगले विधानसभा चुनाव में उसका यह दावा करना कि वह अकेले चुनाव लड़ेगा, समझ से परे है।

इस आदिवासी संगठन में फूट तब पड़ी, जब 'जयस' के राष्ट्रीय संरक्षक और मनावर के विधायक हीरालाल अलावा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखकर डॉ आनंद राय पर आरोप लगाया था। उन्होंने लिखा था कि डॉ रॉय आदिवासियों में भ्रम और अफवाह फैलाकर भोले-भाले आदिवासियों को भड़काकर उन्हें आपस में लड़वाने और समाज में अशांति फैलाने का काम कर रहे हैं। इसके खिलाफ सरकार जल्द से जल्द कार्रवाई करे अन्यथा कोई भी अनहोनी होगी तो उसके लिए सरकार भी जिम्मेदार होगी। इसके बाद से ही माहौल बिगड़ गया था।

इसी हफ्ते जारी हो सकती है दिल्ली के पुलिस आयुक्त की तबादला सूची

जैसा कि मीडियावाला ने इस कॉलम में पिछले सप्ताह बताया था, गृह मंत्रालय ने बीते सप्ताह यूटी काडर के 32 आईएएस और 27 आईपीएस अधिकारियों के तबादले और नयी तैनाती के आदेश जारी कर दिए। इसी सूची के कारण रुकी दिल्ली के पुलिस आयुक्त की तबादला सूची के भी इसी हफ्ते जारी हो जाने की संभावना है।

असम के मुख्यमंत्री का मणिपुर दौरा

मणिपुर को लेकर सरकार द्वारा कुछ और कदम उठाने के संकेत मिल रहे हैं। गलियारों में चल रही चर्चा के अनुसार असम के मुख्यमंत्री को मणिपुर भेजा जाना काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वास शर्मा पूर्वोत्तर की राजनीति के चाणक्य माने जाते हैं। पूरे क्षेत्र में कांग्रेस का सफाया कर भाजपा को जमाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसलिए शर्मा का इंफाल दौरा राजनीतिक नजरिये से बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

राज्य प्रशासनिक सेवा के 33 अफसरों को इसी सप्ताह होगा आईएएस अवार्ड

राज्य प्रशासनिक सेवा के 33 अफसरों को अब

और इंतजार नहीं करना होगा। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यूपीएससी में हुई बैठक के बाद चयनित 33 नामों की सूची राज्य सरकार ने फिर से यूपीएससी को भेज दी है।

माना जा रहा है कि अब इस सप्ताह वहां की मंजूरी मिलते ही केंद्र की अधिसूचना जारी हो जाएगी। बता दें कि इन 33 अफसरों में से 2021 के 19 और 2022 के 14 पदों के लिए आईएएस अवार्ड होगा।

लंबे अंतराल के बाद मप्र कैडर के तीन आईएएस अधिकारी केंद्र में सचिव पद पर इंपैनल्ड

एक लंबे अंतराल के बाद मध्य प्रदेश कैडर के तीन आईएएस अधिकारी केंद्र में सचिव के पद पर इंपैनल्ड किए गए हैं। केंद्र सरकार में इन्हें नियुक्ति कब मिलेगी, इसकी भविष्यवाणी करना फिलहाल जल्दी होगी। लेकिन सूत्रों का कहना है कि एक आईएएस अधिकारी को जुलाई तक नियुक्ति मिल सकती है। अब वह लकी अधिकारी कौन हो सकता है, इसके लिए अंदाजा लगाने मे कोई बुराई नहीं है।

राज-काज: भाजपा को एक और झटका देने की तैयारी में कांग्रेस

दिनेश निगम 'त्यागी

विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ

भाजपा-कांग्रेस के बीच शह-मात का खेल जारी है। पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी के पुत्र दीपक जोशी को लेकर कांग्रेस, भाजपा को मालवा में एक बड़ा झटका दे चुकी है। अब उसकी तैयारी चंबल-ग्वालियर और महाकौशल में भाजपा को चौंकाने की है। अब कांग्रेस की नजर ग्वालियर में भाजपा सरकार में मंत्री रहे नारायण सिंह कुशवाह एवं महाकौशल के बालाघाट से सांसद रहे बोध सिंह भगत पर है। नारायण सिंह कुशवाह ने हाल ही में भाजपा को पूर्व महापौर को टिकट देने पर कुछ भी करने की चेतावनी दी है। बोध सिंह भगत भाजपा से बगावत कर निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ चुके हैं। भगत को अच्छे खासे वोट भी मिले थे। अनुभा मुंजारे को लेकर कांग्रेस पहले ही समाजवादी नेता कंकर मुंजारे को साध चुकी है। अब भगत को लेकर उन्हें कटंगी से विधानसभा चुनाव लड़ा सकती है। कांग्रेस भगत को पार्टी में लेकर भाऊ अर्थात गौरीशंकर बिसेन के सामने मुसीबत खड़ी करने की कोशिश में है। इसी प्रकार ग्वालियर में इस बार प्रवीण पाठक की सर्वे रिपोर्ट ठीक नहीं आ रही है। कांग्रेस पाठक को किसी और क्षेत्र में शिफ्ट कर उनकी सीट से नारायण कुशवाह को मैदान में उतारने की योजना पर काम कर रही है। खबर है कि दोनों नेताओं के साथ कांग्रेस की बात चल रही है।

फिर भी भाजपा में दिग्विजय सिंह से सब सशंकित

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह को भाजपा अपने लिए शुभ मानती है। भाजपा नेताओं का मानना है कि दिग्विजय के सभा

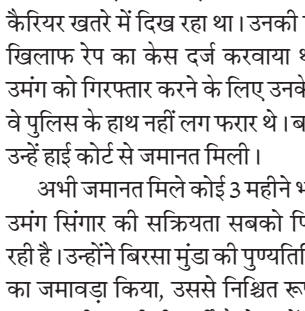

लेने, बोलने से उनके वोट बढ़ते हैं। बावजूद इसके दिग्विजय से सब सशंकित है। दिग्विजय ने प्रदेश की उन 66 विधानसभा सीटों में कांग्रेस को मजबूत करने का बीड़ा उठाया है, जहां कांग्रेस लंबे समय से हारती आ रही हैं। इनमें भाजपा के कुछ दिग्गजों की सीटें भी शामिल हैं। दिग्विजय इन सीटों में दौरे का एक चरण पूरा कर चुके हैं। भाजपा नेता दिग्विजय को अपने लिए शुभ भले मानते हों लेकिन यह भी सच है कि दिग्विजय पिछले चुनाव में सक्रिय हुए तो भाजपा सत्ता से बेदखल हो गई थी। इस बार वे पिछले चुनाव से भी ज्यादा मेहनत करते नजर आ रहे हैं। हर कोई कांग्रेस के मुकाबले में होने की बात करता है। इस बात से भी कोई इंकार नहीं कर सकता कि दिग्विजय के समर्थक पूरे प्रदेश में हैं और वे अच्छे राजनीतिक रणनीतिकार हैं। उनकी इस खूबी के कारण ही भाजपा में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, नरोत्तम मिश्रा से लेकर भूपेंद्र सिंह तक सभी सशंकित हैं। भाजपा जितना हमला राहुल गांधी, कमलनाथ पर करती है, उससे कहीं ज्यादा दिग्विजय सिंह पर। दिग्विजय अपने बयानों के कारण भी भाजपा के निशाने पर रहते हैं। दिग्विजय इस बार कितना सफल होते हैं, इस पर सभी की नजर है।

मुसीबतों से घिरते प्रदेश के एक ताकतवर मंत्री

प्रदेश के एक ताकतवर मंत्री भूपेंद्र सिंह इन दिनों मुश्किल में हैं। मुख्यमंत्री के खास इस मंत्री का रसूख और रुतबा सभी ने

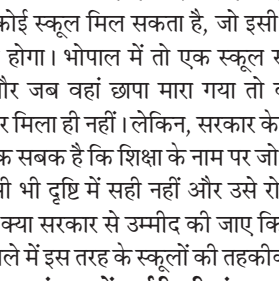

देखा है, लेकिन इस समय इन्हें चारों तरफ से मुसीबतें घेर रही हैं। शुरूआत उज्जैन में आंधी-बारिश से महाकाल लोक की कुछ मूर्तियों के गिरने, टूटने और दरार आने से हुई। महाकाल लोक के निर्माण में भ्रष्टाचार के मामले ने तूल पकड़ा और लोकायुक्त ने खुद संज्ञान लेकर जांच शुरू कर दी। इस बीच कांग्रेस ने भूपेंद्र के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले की शिकायत लोकायुक्त में की और लोकायुक्त पुलिस ने पीआई दर्ज कर इसकी भी जांच शुरू कर दी। राजनीतिक तौर पर सागर जिले के भाजपा नेता और मंत्री उनके खिलाफ लामबंद हैं ही। जिले के दो कद्दावर मंत्री गोपाल भार्गव और गोविंद सिंह राजपूत पार्टी विधायकों, अन्य नेताओं को लेकर मुख्यमंत्री से शिकायत करने पहुंच गए। मुख्यमंत्री को दो बार सभी को समझाइश देनी पड़ी। ज्यादा तनातनी भूपेंद्र सिंह और गोविंद सिंह राजपूत के बीच है। अन्य नेता भूपेंद्र के सागर में एकतरफा हस्तक्षेप के कारण नाराज हैं। कांग्रेस उनके खिलाफ आंदोलन शुरू कर चुकी है। हालांकि मैनेजमेंट के मामले में भूपेंद्र ने अपने समकक्षों को पीछे छोड़ रखा है, इन मुसीबतों से निबटने में उनका यह प्रबंधन कितना काम आता है, देखने लायक होगा।

अफसरों को धमका क्या संदेश देना चाहते हैं नेत

विपक्ष में रहते नेताओं द्वारा अफसरों को धमकाना आम बात है। कांग्रेस सत्ता में थी तब भाजपा नेता यह करते थे, अब भाजपा सत्ता में है तो कांग्रेस के नेता ऐसी बहादुरी दिखाते हैं। हाल की हाईलाईट्स हैं, 'मप्र में अधिकारियों पर गरजे कमलनाथ, दिखाए तेवर, कहा- सरकार आई तो समझ लें कि...' यह भी कि 'जो अफसर कमल का फूल जेब में डालकर काम कर रहे हैं उनकी लिस्ट तैयार है, कांग्रेस सत्ता में आई तो इनका हिसाब किया जाएगा।' ऐसा अकेले कमलनाथ नहीं बोल रहे हैं, दिग्विजय सिंह ने भी दौरे के दौरान कई जगह इसी तरह की चेतावनी दी है। कांग्रेस के 15 माह के कार्यकाल में शिवराज सिंह चौहान एवं अन्य भाजपा नेता भी अफसरों को देख लेने की धमकी देते थे। सवाल यह है कि यदि किसी के खिलाफ कोई सबूत न मिले तो सत्ता में आने के बाद क्या कोई किसी अफसर का कुछ बिगाड़ सकता है? अलबत्ता, यह संभव है कि एक दल के सत्ता में रहने के दौरान जो अफसर प्रमुख पदों पर रहें, दूसरा दल सत्ता में आने पर उन्हें लूपलाइन में डाल दे। हालांकि देखा तो यह जाता है कि सरकार चाहे जिस दल की हो, कुछ अफसर हमेशा प्रमुख पदों पर ही रहते हैं। यदि ऐसा है तो धमकी देने का क्या औचित्य है? पार्टी कार्यकर्ता इससे खुश होते हैं, ऐसा भी देखने को नहीं मिलता।

भाजपा में आयातित प्रवक्ता मनवा रहे अपना लोहा

भाजपा बड़ा राष्ट्रीय दल है। पार्टी के नेता वैचारिक तौर पर अच्छे समृद्ध हैं। बावजूद इसके कांग्रेस सहित अन्य दलों से आकर प्रवक्ता बने नेताओं ने भाजपा में अपना लोहा मनवा दिया है। पार्टी में प्रारंभ से जुड़े प्रवक्ता पिछड़ रहे हैं। हम बात कर रहे हैं आम आदमी पार्टी छोड़कर आईं नेहा बग्गा और कांग्रेस छोड़कर आए नरेंद्र सलूजा एवं पंकज चतुर्वेदी की। ये भाजपा की रीति नीति में रचे बसे नेता नहीं हैं। भाजपा में आने से पहले नेहा आम आदमी पार्टी का मुख्य चेहरा थीं। नरेंद्र सलूजा प्रदेश अध्यक्ष बनने के पहले से कमलनाथ का काम देख रहे थे और पंकज ज्योतिरादित्य सिंधिया से पहले भी जुड़े थे, भाजपा में आने के बाद भी उनके खास हैं। अपने दल छोड़ कर आने के बाद भाजपा ने जब से इन्हें प्रवक्ता बनाया, ये मुखर हैं। भाजपा के मूल प्रवक्ता इनके सामने टिक नहीं रहे। सोशल मीडिया में देखिए या न्यूज चैनलों की बहसों में, बाहर से आए ये आयातित प्रवक्ता ही छाए मिलेंगे। डॉ हितेश वाजपेयी जरूर सक्रिय हैं और नए प्रवक्ता बने गोविंद मालू दौड़ में शामिल हुए हैं लेकिन तब भी सक्रियता में आयातित प्रवक्ता अव्वल हैं। हालांकि बाहर से आए कुछ प्रवक्ता बे-सिर-पैर के ट्वीट कर मजाक का पात्र भी बन रहे हैं। इनके ट्वीट मीडिया में कोई उठाता भी नहीं। मजाक का पात्र बनने से बचने इन्हें मुद्दों पर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

सत्येंद्र पांडे पत्रकार की माताजी का निधन

ओबैदुल्लागंज (संवाददाता) नगर की महावीर कॉलोनी निवासी वरिष्ठ पत्रकार सत्येंद्र पांडे की माताजी श्रीमती गिरिजा देवी जी का निधन हो गया , इस दुखद सूचना मिलने पर पत्रकार जगत सहित नगर के समाजसेवियों जनप्रतिनिधियों में शोक व्याप्त हो गया , उनकी अंतिम यात्रा प्रातः 9ः30 उनके निवास से निकली और होशंगाबाद मार्ग पर उनका श्मशान घाट पर दाह संस्कार किया गया । इस अवसर पर सभी ने उनकी आत्मा की मुक्ति हेतु मौन धारण कर ईश्वर से प्रार्थना की, कि उनकी आत्मा को भगवान शांति प्रदान करें । आपको बता दे की श्रीमती गिरजा देवी पांडे स्व. श्री जनार्दन पाण्डेय जी (शिक्षक) की धर्मपत्नी एवं पत्रकार सत्येन्द्र पाण्डेय जी की माताजी श्रीमती गिरिजादेवी पाण्डेय ÷बहनजी÷ का देहावसान हो गया है । उनके निधन पर नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी सोनू चौकसे , भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष सोनू चौकसे , पार्षद एवं पत्रकार सुनील शेरिया, नगर के पार्षदों ने एवं प्रेस क्लब के संस्थापक/संचालक पत्रकार राम गोपाल साहू , प्रेस क्लब के अध्यक्ष भूपेंद्र मेहरा , प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष पत्रकार भारत नेहाल , प्रीतम राजपूत , वरिष्ठ पत्रकार दीपक नागर , दैनिक भास्कर संवाददाता राजीव जैन , सुरेश केवट , राम दुबे , राजेश सैनी , मोहन योगी , वैभव जैन , देवेंद्र चौहान , उपेंद्र मालवीय , आदि पत्रकारों एवं नगर के सामाजिक कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधियो ने उनकी आत्मा की शांति हेतु भगवान से प्रार्थना की ।

दमोह जिला जेल में बंद 307 मामले के कैदी मौत

दमोह हत्या के प्रयास के मामले में दमोह जिला जेल में बंद एक कैदी की हार्ट अटैक से मौत हो गई। जानकारी आ रही है कि उक्त कैदी ने एक दिन पहले सीने में दर्द की शिकायत करते हुए पुलिस गार्ड की मांग की थी लेकिन उसे पुलिस गार्ड उपलब्ध नहीं करायी गयी और दूसरे ही दिन उसे हार्ट अटैक आ गया। मामले में जिला जेल में पदस्थ जेल उप अधीक्षक सीएल प्रजापति ने बताया कि तोताराम काछी पिता दशरथ काछी उम्र 47 वर्ष निवासी मुडिया थाना दमोह देहात 5 दिसंबर 22 को जिला जेल में आया था जो धारा 307 में 7 वर्ष की कैद एवं 40 हजार रुपए जुर्माना जमा नहीं करने पर तीन-तीन माह का अतिरिक्त कारावास से दंडित था। जिसे शनिवार शाम को अटैक आया जिसे तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टर ने चेकअप किया और कैदी को मृत घोषित कर दिया। संबंधित के परिजनों को जानकारी दी जा रही है। कैदी की मौत के मामले में जिला अस्पताल में पदस्थ ड्यूटी पर तैनात डॉ गौरव पांडे का कहना है कि कैदी मृत अवस्था में लाया गया है। शव परीक्षण करने के उपरांत ही मौत के कारण का पता लग सकेगा।

आदित्य दूसरी बार विभाग संयोजक नियुक्त, वैदिक बने जिला संयोजक

शिवपुरी - अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मध्य भारत प्रांत का प्रांत अभ्यास वर्ग बीते दिनों राजगढ़ में संपन्न हुआ। यह प्रांत अभ्यास वर्ग 14 सत्रों में चला जिसमें अलग-अलग क्षेत्र से आए विद्यार्थी परिषद के अखिल भारतीय, क्षेत्रीय तथा प्रांतीय अधिकारियों का सानिध्य सभी कार्यकर्ताओं को प्राप्त हुआ। प्रांत अभ्यास वर्ग में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की आगामी कार्य योजना तथा वर्ष भर में होने वाली गतिविधियों पर चर्चा की गई तथा योजना बनाई गई। इस अभ्यास वर्ग में विद्यार्थी परिषद के शिवपुरी विभाग के कार्यकर्ता भी सम्मिलित हुए। अभ्यास वर्ग के अंतिम दिन एवं अंतिम सत्र में मध्य भारत प्रांत की नवीन संगठनात्मक घोषणाएं की गई 7 इस प्रांत अभ्यास वर्ग में शिवपुरी जिले की नवीन घोषणाएं प्रांत अध्यक्ष धर्मेंद्र राजपूत द्वारा की गई जिसमें विभाग संगठन मंत्री उपेंद्र सिंह तोमर, विभाग प्रमुख मुकेश मिश्रा, शिवपुरी - श्योपुर विभाग संयोजक आदित्य पाठक, विभाग छात्रा प्रमुख सीमा ओझा, जिला प्रमुख दीप कुमार ओझा जिला संयोजक वैदिक खेमरिया व जिला विस्तारक लक्ष्मण सोलंकी को बनाया गया। सभी कार्यकर्ताओं के द्वारा नवीन दायित्ववान कार्यकर्ताओं को बधाई दी है।

मंडीदीप। शहर के युवा कांग्रेस नेता दीपक साहू को यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास, राष्ट्रीय सचिव एवं प्रदेश प्रभारी अखिलेश यादव राष्ट्रीय सचिव मान सिंह राठौर को ब्लाक कांग्रेस मनोनीत किया गया।

विधानसभा स्तरीय भाजपा संयुक्त मोर्चे का सम्मलेन संपन्न

भाजपा सरकार की जन कल्याणकारी योजनाएं सर्व समाज के हित में होती है- पूर्व केंद्रीय मंत्री वर्मा

धार। मोदी सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेश संगठन केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का बूथ स्तर तक प्रचार प्रसार हो इस उद्देश्य को लेकर संम्पर्क अभियान चलाया जा रहा है इसी अभियान के तहत भाजपा संयुक्त मोर्चा की जिले में विधानसभा स्तर पर मोर्चे पदाधिकारियो का सम्मलेन आयोजित किया गया जिसमें भाजपा जिला कार्यालय पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री विक्रम वर्मा,विशेष अतिथि धार विधायक श्रीमती नीना वर्मा, किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री एवं संम्पर्क अभियान के प्रभारी श्री दिलीप पटोंदिया, विधानसभा विस्तारक श्री सुखराम जी ने सम्मलेन को संबोधित किया। सर्व प्रथम अतिथियों द्वारा महापुरषों एवं भारत माता के चित्रों पर पुष्पमाला अर्पित कर दिप प्रज्वलित किया।

मुख्य अतिथि श्री विक्रम वर्मा जी ने संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार की जन कल्याणकारी योजनाएं सर्व समाज के हित में होती है हमारी सरकारों द्वारा हर क्षेत्र, हर समाज, हर वर्ग के लिए भरपूर कार्य किया गया है। हमें केंद्र व प्रदेश सरकार की अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाकर लाभ दिलाना और हितग्राहियों को पार्टी से जोडने का काम करना है।

श्री दिलीप पटोंदिया ने कहा की शक्ति केंद्र एवं बूथ की टोली के साथ निरंतर बैठक करनी है, बूथ की सूची का सत्यापन करने के साथ ही बूथ समिति का सामाजिक समीकरण भी ठीक करना है। संगठन द्वारा दिए गए 22 प्रकार के करणीय कार्य को भी हमें जमीनी स्तर पर अमलीजामा पहनाना है। प्रत्येक बूथ

पर कम से कम 10 लोगों की मजबूत टोली बनाने पर जोर दिया जाए।

विधायक नीना वर्मा ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विगत दिनों प्रदेश में अत्यंत महत्वपूर्ण लाडली बहना योजना लागू की है जिसका धार विधानसभा क्षेत्र की सभी बहनों की ओर से धन्यवाद देती हूं। सभी भाजपा संयुक्त मोर्चे के पदाधिकारी आज यह संकल्प लें कि आगामी चुनाव में प्रत्येक बूथ पर 51 प्रतिशत वोट पाना हमारा प्रमुख लक्ष्य हो। हमें आगामी चुनाव की तैयारियों में जुट जाना है और देश एवं प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने के लिए मेहनत की पराकाष्ठा करना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पार्टी कार्यकर्ता विशेष जनसंपर्क अभियान का उपयोग करें। अभियान के अंतर्गत घर-घर जाकर संपर्क करें और केंद्र व राज्य सरकारों की योजनाएं हर घर में पहुंचाएं। मेरी विधानसभा आदर्श विधानसभा बने, इस नारे को हमें चरितार्थ करना है।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि भाजपा संयुक्त मोर्चा सम्मलेन में कार्यक्रम प्रभारी दीपक शर्मा,मंडल अध्यक्ष विपिन राठौर और नितेश अग्रवाल ,महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य ममता जोशी मंचासीन रहे। सभी अतिथियों का किसान मोर्चा, अनुसूचित जनजाति मोर्चा,अनुसूचित जाति मोर्चा, महिला मोर्चा,अल्पसंख्यक मोर्चा,युवा मोर्चा,पिछड़ा मोर्चा के पदाधिकारी ने स्वागत किया। संचालन विपिन राठौर व आभार व्यक्त नितेश अग्रवाल ने किया। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

सेंट्रो कार सहित 17 लाख की ड्रग्स पकड़ी

शिवपुरी - पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह द्वारा अपराध और अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अति. पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार भूरिया के मार्गदर्शन में खनियाधानां की ओर बेचने के लिए लाए जा रहे अवैध मादक पदार्थ को मय आरोपी, सेंट्रो कार सहित धर दबोचा।

जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी खनियाधाना निरी. धनेन्द्र सिंह भदौरिया द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना पर त्वरित पुलिस टीम बनाकर बुधना नदी पिछोर रोड़ पर सघन चैकिंग लगाई गई । दौराने चैकिंग मुखबिर के बताये अनुसार एक कार आती दिखी जिसे पुलिस टीम द्वारा रोककर पूछताछ की गई तो अपना नाम व पता निसार जुबेर खान पुत्र जुबेर खान उम्र 39 साल निवासी रुम नम्बर 227 साई बाबा चाल जनता नगर झोपड़ पट्टी डोगरी कश्मीरा मिरा रोड़ मिरा भयंदर ठाणे महाराष्ट्र का होना बताया, पुलिस द्वारा चालक एवं गाड़ी की तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से 142 ग्राम ड्रग्स कीमती 17,00,000 रुपये व एक सिल्वर रंग की सेन्ट्रो कार रू।02 ,क्त 5739 कीमती 4,00,000 रुपये, एक सफेद रंग का आईटेल कम्पनी का मोवाइल जिसमे सिम क्रमांक 8850940916 को जप्त कर सप्लाई चैन को ध्वस्त किया गया है । उक्त आरोपी मुम्बई के विभिन्न थानों मे एनडीपीएस एक्ट के मामलों मे पूर्व मे भी कई बार गिरफ्तार किया जा चुका ह।

नगर पालिका ने मुख्यमंत्री ने किया लाडली बहना योजना का किया लाभ वितरण

बैरसिया। मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना का लाभ वितरण करने के लिए बैरसिया नगर पालिका की ओर से वीर सावरकर मंच बाल विहार में एक कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सीधे प्रसारण के माध्यम से लाडली बहनों को संबोधित किया।

इससे पूर्व अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर माँ सरस्वती की पुजन की। इसके उपरांत कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष तनुश्री कुलदीप सिंह राठौड़ एवं अतिथियों ने कन्या पूजन किया गया। कार्यक्रम में मौजूद सभी लाडली बहनों ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का उद्बोधन सुना। उद्बोधन के बाद नगर पालिका अध्यक्ष तनुश्री कुलदीप सिंह राठौड़ ने सभी बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि आज एतिहासिक दिन है। आज हमारे मुख्यमंत्री ने सभी लाडली बहनों के खाते में राशि ट्रांसफर की है। इसके बाद भाजयमो प्रदेशमंत्री कुलदीप सिंह राठौड़ ने कहा कि यह भाजपा की सरकार ही जो नारी शक्ति को इतना मजबूत बनाने का काम कर रही है। हमारे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज उस धारणा को खत्म कर दिया है। जहाँ हमारे देश मे पुरुष प्रधान समाज कहा जाता था, नारी शक्ति के लिए इतनी योजनाएं लागू कर दी है कि आज महिलाओं का दौर आ गया है। हालांकि हमारी संस्कृति शुरू से ही महिलाओं का सम्मान करती आ रही है। इस मौके पर नगर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राजमल गुप्ता, भाजपा के वरिष्ठ नेता गोपालदास आगर, भाजपा के वरिष्ठ नेता रमेश शर्मा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राजमल कुशवाह, भाजपा जिला महामंत्री लक्ष्मीनारायण शिल्पी, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष आशीष सारड़ा, पार्षद प्रतिनिधि तखत सिंह कुशवाह, पार्षद सुनील खटीक, पार्षद प्रतिनिधि रज्जू कुशवाह, पार्षद प्रतिनिधि चंचल खत्री, पार्षद प्रतिनिधि प्रेम कुशवाह, पार्षद टिक्कू जैन, भाजपा युवा नेता विवेक उपाध्याय, समाजसेवी लालाराम साहू, पूर्व पार्षद जितेंद्र सोलंकी, ब्रज नामदेव एवं चंदन गुप्ता सहित अनेक लोग मौजूद थे।

भूखों को भोजन कराने से मिलता है मां अन्नपूर्णा का आशीर्वाद: डीआईजी

जन सहयोग रसोई ने मनाई दूसरी वर्षगांठ

छतरपुर। जिला मुख्यालय के बस स्टैंड क्रमांक 2 पर चल रही जन सहयोग रसोई की दूसरी वर्षगांठ रविवार को डीआईजी ललित शाक्यवार के मुख्य आतिथ्य में समारोह पूर्वक मनाई गई। विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष ज्योति चौरसिया, एडिशनल एसपी विक्रम सिंह और एडीपीओ केके गौतम, संस्था के अध्यक्ष केशव अग्रवाल उपस्थित थे।

डीआईजी श्री शाक्यवार ने कहा कि भूखों को भोजन कराने से मां अन्नपूर्णा का आशीर्वाद मिलता है। कोरोना काल में मानवीय चेहरा सामने आया। जो जहां था उसने पीड़ितों की मदद की। मानव होने के नाते गरीबों की सेवा करना हमारा फर्ज है। लेकिन मानव सेवा के साथ बेजुबान पशुओं की सेवा भी करनी जरूरी है। डीआईजी ने कहा कि इस तरह के अनुकरणीय कार्य लगातार होते रहें। उन्होंने इस सेवा कार्य से प्रभावित होकर 5100 रुपए प्रदान करने के साथ हरसंभव मदद का भरोसा दिया।

नगर पालिका अध्यक्ष ज्योति चौरसिया ने भी जन सहयोग रसोई द्वारा की जा रही सेवा की सराहना कर 1000 रुपए का सहयोग दिया। एएसपी विक्रम सिंह ने कहा यह अच्छी शुरुआत है निश्चित ही आगे बड़े रूप में देखने को मिलेगी। एवम 1100रु की मदद की,इसी तरह ए डी पी ओ के के गौतम ने 1100 रु की मदद की,तथा पुलिसअधीक्षक अमित सांघी जी ने दूरभाष पर शुभकामनाएं देते हुए छतरपुर में रहते तक 1000रु प्रति माह सहयोग करने हेतु कहा।

जन सहयोग रसोई के संस्थापक सदस्य प्रकाश चंद्र जैन ने बताया कि कोरोना काल में 29 मार्च 2021 से उन्होंने लोगों की सेवा शुरू की थी। फिर इस सेवा कार्य को जारी रखने के विचार से 41 सदस्यों को जोड़कर 7 जून 2021 से जन सहयोग रसोई की विधिवत शुरुआत की थी। प्रारंभ में सदस्यों से 2000 रुपए का सहयोग लिया गया। बाद में सदस्य बढ़ने पर यह राशि घटाकर 1000 रुपए कर दी गई। आज संस्था के 116 सदस्य हैं।

संजय नामदेव ने प्रतिवेदन में बताया कि संस्था रोजाना सुबह 8 से 9 बजे तक करीब 300-400 लोगों को खिचड़ी वितरित करती है। इसके अलावा गरीबों को अंतिम संस्कार सामग्री का वितरण भी संस्था द्वारा किया जा रहा है।

दीप प्रज्वलन और मां अन्नपूर्णा के चित्र पर माल्यार्पण से कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। अंत में सभी अतिथियों का स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया।

कार्यक्रम का संचालन महेंद्र अग्रवाल ने किया। वरिष्ठ पत्रकार हरि प्रकाश अग्रवाल ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में जय नारायण अग्रवाल जयभैया, राधे असाटी, ,सुरेंद्र अग्रवाल, विनय सुहाने, विवेक उप्पल, संजय उर्फ भोलू अग्रवाल, सुरेश बाबू खरे ,चंद्रभान जी रावत , रमेश मिश्रा जी , बिरजू ताम्रकार , दिनेश दुबे , अवधेश द्विवेदी , रामकिशोर जी अग्रवाल , राजू पटवा प्रभा बरसैंया, शिप्रा पहारिया सहित एकता जागृति मंच की नारी शक्ति सहित अनेक लोग मौजूद थे।

रक्त के लिए परेशान भटक रही महिला के पति लिये युवा ने किया रक्तदान

आपाजी ब्लड ग्रूप के रफत खान ने जानकारी दी राकेश चौरसिया महाराजपुर जिनका डायलीसिस होना था उनकी पत्नी नम्रता चौरसिया ब्लड के लिए दो दिनों से भटक रही थी ब्लड बैंक की लैब पैथालाजिस्ट पूजा खरे द्वारा यह जानकारी आपाजी ब्लड ग्रुप को दी गयी तब ग्रूप की और से युवा आफाक छोटू ने रक्तदान करके महिला के परेशान चेहरे पर मुस्कराहट ला दी उन्होने कहा सभी को रक्तदान करना चाहिये में अपने दोस्तो को भी रक्तदान करने के लिये प्रेरित करूँगा वही आपाजी ब्लड ग्रुप के रफत खान ने कहा कि महिला परेशान थी सिर्फ मानवता के खातिर उनकी मदद की गई सभी को रक्तदान करना चाहिये एवं युवाओ में रक्तदान के प्रति बड़ती जागरुकता हर्ष का विषय है ब्लड पाकर महिला ने पैथालाजिस्ट पूजा खरे आफाक छोटू अरबाज खान और आपाजी ब्लड ग्रुप का आभार जताया

योगेश ताम्रकार महापौर डॉ राकेश मिश्रा लंदन में सम्मानित हुए

*सतना भारतीय हस्तियों को सम्मानित कर अभिभूत हूँ : लार्ड बेलमी केसी *वसुधैव कुटुम्बकम् की चर्चा से भारत-यूके संबंधों को मिली नई ताकत

डॉ. राकेश मिश्र (अध्यक्ष, पंडित गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास) ने औपचारिक रूप से सभी सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों का अंगवस्त्र व मॉ अन्नपूर्णा का चित्र भेंटकर स्वागत किया

हाउस ऑफ लॉर्ड्स, यूके की संसद ने 9 जून, 2023 को शाम 7.00 बजे प्रतिष्ठित %सोल ऑफ इंडिया अवार्ड्स 2023% के लिए एक असाधारण सम्मान समारोह देखा। पुरस्कार विजेताओं को लॉर्ड रामी रेंजर सीबीई, लॉर्ड बेल्लामी केसी, जस्टिस अशोक जैन और जस्टिस पंकज जैन द्वारा सम्मानित किया गया। जस्टिस पंकज जैन ने पूरे भारत और यूनाइटेड किंगडम के विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित किया गया जो, अपने संबंधित क्षेत्रों में लगातार उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए भावुक होते हुए लॉर्ड बेल्लामी केसी ने कहा कि उनकी माताजी भारतीय मूल की हैं, इसलिए वसुधैव कुटुम्बकम् की बात उनके हृदय में है। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों को अंगवस्त्र, भगवान धन्वंतरि और माता अन्नपूर्णा का चित्र भेंट स्वरूप दिया गया। तिरंगामय कार्यक्रम स्थल पर बहुरंगी छवि बिखरने लगी।

इन विशिष्ट जनों को किया गया सम्मानित -

योगेश ताम्रकार महापौर सतना मध्य प्रदेश ,डॉ. राकेश मिश्रा (अध्यक्ष, पंडित गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास), प्रो. (डॉ.) आशुतोष मिश्रा, ओएसडी, दिल्ली स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी और रिसर्च शामिल हैं। डॉ. वेड प्रकाश टंडन (अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय रामलीला समिति), डॉ. प्रोफेसर बलराम पाणी (डीन, दिल्ली विश्वविद्यालय), श्री विकास गर्ग(प्रबंध निदेशक, विकास इकोटेक लिमिटेड, दिल्ली), श्रीमती वंदना टंडन(प्राचार्या, कमल मॉडल सेकेंडरी स्कूल), श्री गोविद अग्रवाल (निदेशक, यूनिटी समूह, दिल्ली), एकेएस विश्वविद्यालय - मध्य प्रदेश को, श्री संतोष मिश्रा (प्रबंध निदेशक, सैनफ्लान समूह), श्री संकल्प मिश्रा (एलएलएम, क्वीन मैरी, लंदन विश्वविद्यालय), श्री दुर्गा प्रसाद दीक्षित (टीकमगढ़ मध्य प्रदेश), श्रीमती प्रमिला मिश्रा (शैक्षणिक निदेशक, कमल वंदना संस्थान का

समूह), श्री संजीव कुमार (आयुष मंत्रालय, भारत सरकार), श्री हर्ष टंडन (निदेशक, मावेरिक पब्लिकेशन, नई दिल्ली), श्री वेदप्रकाश शर्मा अध्यक्ष, रागी एग्रो, पुणे, महाराष्ट्र (भारत), श्रीमती जागृति ज्योति (क्लिनिकल लेक्चरर सीनियर ग्लूकोमा एंड इमरजेंसी आई केयर प्रैक्टिशनर, लंदन ,यूके), आशुतोष झा उपाध्यक्ष पटेल इंजीनियरिंग (भारत), शिव प्रकाश सिंह (प्रबंध निदेशक, शिव नरेश स्पोर्ट्स लिमिटेड, नई दिल्ली, भारत), जेफ्री जैक्सन जेम्स निदेशक, कोनिका, अमित दास (अध्यक्ष, बस्तर आदिम जाति खादी ग्रामोद्योग संघ, भारत), चैतन्य सिंह (अधिवक्ता , सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली (भारत), संदीप दुग्गल (अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, हरियाणा,भारत), राकेश काबरा (पूर्व सदस्य, हस्तशिल्प बोर्ड भारत सरकार,भारत), निपुण आनंद (भारतीय उद्यमी और संस्थापक निदेशक प्रधान एयर एक्सप्रेस और ज़ील ग्लोबल ग्रुप, नई दिल्ली, भारत) विनीत कुमार (अध्यक्ष, इंडिगो ग्रुप, इंडिया), राजिंदर कुमार (निदेशक, सीसीआई, भारत सरकार, नई दिल्ली, भारत), डॉ. प्रकाश नागर (अध्यक्ष, नागर इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, भारत)

डॉ. श्रेनिक कोटेचा (सह-संस्थापक, शिक्षा एसएसभी को भारत, मुंबई) और श्री अभिषेक गहलोत (संस्थापक, केजीएफ ऑर्गेनिक फार्म होराइजन, गुरुग्राम,हरियाणा, भारत) सहित तीस महानुभावों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

भारत- यूके संबंधों को मिली मजबूती :

इस कार्यक्रम के माध्यम से भारतीय डायस्पोरा भारत-यूके संबंधों को अगले स्तर तक ले जाने में अत्यधिक सहायक है। दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्रों में से एक और दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र वास्तव में ऐसे प्रतिभाशाली व्यक्तियों के साथ बड़ी उपलब्धियों के लिए तैयार है जो अपनी संबंधित मुख्य विशेषज्ञता में निरंतर योगदान दे रहे हैं। %सोल ऑफ इंडिया अवार्ड्स 2023% यह दर्शाता है कि समाज के विभिन्न तबकों के विनम्र भारतीय नागरिक अपने संबंधित डोमेन विशेषज्ञता के माध्यम से लगातार अथक प्रयास कर रहे हैं और राष्ट्रनिर्माण में योगदान दे रहे हैं।

कार्यक्रम का संचालन संकल्प मिश्रा ने किया। एकेडमिक व्यक्तित्व श्रीमती प्रमिला मिश्रा ने सारगर्भित धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में आए हुए सभी लोगों ने रात्रि भोज किया व इस आयोजन की सराहना की।

जबेरा थाना में पदस्थ एसआई के द्वारा की गई अभद्रता पर संगठन ने सौंपा ज्ञापन

दमोह भगवती मानव कल्याण संगठन एवं भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा दिनांक 9 जून को जबेरा थाना अंतर्गत बाईपास पर मोटरसाइकिल से सड़क परिवहन कर रहे शराब माफिया की सूचना देकर थाना जबेरा में संगठन के कार्यकर्ता द्वारा कार्रवाई की गई जिसमें भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के जिला महासचिव जगदीश सिंह से एस आई सियाराम ठाकुर ने मेरी ओर संगठन के कार्यकर्ताओं को कहा गया देख लो ये हीरा ले आए है। जरा देखकर गिनती करना, कही कम न हो जाए। और कहा अभी मेरा मुंडा साट है, ज्यादा कुछ बोले तो समझ में आ जायेगा। पानी पीने के लिए मांगा तो कहा यहां पर नहीं है,जाओ भागों यहां से हम लोगो को डाट फटकार कर भगा दिया गया। सैकड़ों की संख्या में संगठन और पार्टी के कार्यकर्ताओ ने मामले की जांच कर एस आई सियाराम ठाकुर की जांच कर कार्यवाही के लिए एस डी ओ पी को एस पी साहब के नाम ज्ञापन सौंपा।

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी जिला भोपाल

क्रमांक/जि.शि./सी.एम. राइज / परिवहन / 2023/5382 भोपाल दिनांक 09.06.2023

यात्री परिवहन वाहन मासिक किराये पर लिये जाने हेतु निविदा आमंत्रण सूचना
ई-निविदा

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी जिला भोपाल द्वारा शिक्षा सत्र 2023-24 हेतु जिले में संचालित 08 सी.एम. राइज विद्यालय शासकीय कन्या उमावि. गोविंदपुरा, महात्मा गांधी, सरदार पटेल करोंद, निशातपुरा, अरेरा कॉलोनी, कन्या कमला नेहरू, बालक बैरासिया, हाईस्कूल बर्राई में छात्र/छात्राओं के परिवहन हेतु निजी वाहन - बडी बस न्यूनतम 52 सीटर / मिनि बस न्यूनतम 32 सीटर / 27 सीटर / वेन 8 सीटर उपलब्ध कराये जाने हेतु पंजीकृत ऐजेन्सियों / संस्थाओं से 01 वर्ष की समय अवधि के लिये एम.पी. टेण्डर्स के माध्यम से ई-निविदा आमंत्रित की गई है। निविदा विज्ञापन दिनांक से 30 जून 2023 तक ऑनलाईन प्रस्तुत की जा सकेगी। निविदा प्रपत्र व कार्य की विस्तृत शर्तें / प्रारूप वेबसाईट पर ऑनलाईन उपलब्ध है। इच्छुक एजेंसी / निविदाकार https://mptenders.gov.in पर आवेदन कर सकते है साथ ही निविदा प्रकाशन उपरांत निविदा में कोई भी परिवर्तन/ संशोधन ऑनलाईन ई टेंडर पर ही किया जावेगा ।

जिला शिक्षा अधिकारी
जिला भोपाल

जी-14601/23

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भ./स.) संभाग बैतूल (म.प्र.)

निविदा सूचना क्रमांक 06- डी. एल. / 2023-24 बैतूल, दिनांक 02/06/2023

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है । उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है ।

स. क्रं.	टेण्डर नम्बर	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (लाख में)	अमानत राशि	समयावधि	भौतिक रूप से एनवलप प्रस्तुत करने का कार्यालय (मूल एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्वातेज)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	2023_PWDRB_281240_1	बैतूल	सड़क कार्य	लो.नि.वि. संभाग बैतूल के अन्तर्गत विभिन्न मार्गों एवं पुल पुलियों का संधारण कार्य ।	प्रथम आमंत्रण	90.00	90,000/-	12 माह (वर्षाकाल सहित)	EMD and all Documents Submission Online Only.

उपरोक्त वेबसाईट पर ऑनलाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा । निविदा प्रपत्र क्रय करने की अन्तिम दिनांक 14/06/2023 सायं 17.30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट मे देखा जा सकता है। निविदा मे होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों मे प्रकाशन नहीं किया जायेगा ।

कार्यपालन यंत्री लोक
निर्माण विभाग (भ.स.)
संभाग बैतूल (म.प्र.)

जी-14635/23

डिज़ाइन में कैरियर बने न बने जीवन क्रिएटिव बनाये रखें - प्रो. धीरज कुमार

● एन.आई.डी. के डिज़ाइन शिविर का समापन

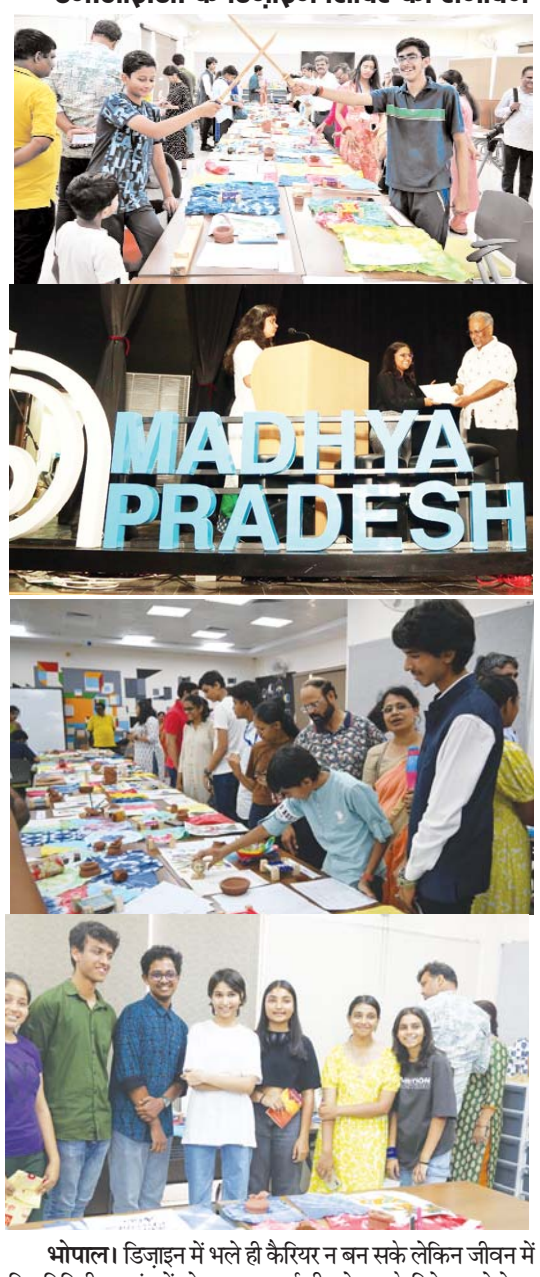

भोपाल। डिज़ाइन में भले ही कैरियर न बन सके लेकिन जीवन में क्रिएटिविटी बनाएं रखें। ये बात एन.आई.डी. भोपाल के निदेशक प्रोफ़ेसर धीरज कुमार ने कही। वो सात दिवसीय आवासीय डिज़ाइन शिविर के समापन के अवसर पर बोल रहे थे। प्रो. कुमार ने कहा कि इस तरह के शिविरों की निरंतरता भविष्य में भी बनी रहेगी और इसको व्यापकता दी जाएगी। इस अवसर पर डिज़ाइन शिविर के प्रतिभागियों ने सात दिनों में सीखने के बाद कलाकृतियों की प्रदर्शनी भी की। इनमे वुडक्राफ़्ट, टाई - डाई फ़ैब्रिक, गोंड पेंटिंग, वीविंग, पॉटरी,स्केचिंग और कैलीग्राफ़ी शामिल थी। शिविरार्थियों ने बताया कि इस शिविर में उन्हें कलाओं की दुनिया को देखने, जानने-समझने का मौक़ा मिला। शिविर में 40 लोग शामिल हुए जिनमे भोपाल के अलावा दिल्ली, छिन्दवाड़ा, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर और कोलकाता शहर से आये छात्र थे। सप्ताह भर चली सांस्कृतिक गतिविधियों का परिचय आर्ट प्रोमोटर सुनिल शुक्ल ने दिया और शिविर के कोऑर्डिनेटर डॉ. शबरीधरन ने शिविर धन्यवाद ज्ञापित किया। समापन के अवसर पर रायगढ़ कथक घराने की की गुरु अल्पना वाजपेयी की शिष्याओं ने निर्गुण नृत्य प्रस्तुत किया।

कथा अनकही के एक्टर अदनान खान कहते हैं, ज़िंदगी में कुछ चीजें इंतजार के लायक होती हैं

मुंबई एजेंसी। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के शो कथा अनकही ने पछतावे से जन्मी एक दिल छू लेने वाली प्रेम कहानी के साथ दर्शकों का दिल जीत लिया है। विआन और कथा के किरदारों में अदनान खान और अदिति देव शर्मा अभिनीत इस शो में विआन का सफर दिखाया जा रहा है, जो खुद को कथा की चाहत के काबिल बनाने की कोशिश कर रहा है, साथ ही कथा को यह विश्वास दिला रहा है कि उसे बदले में कुछ नहीं चाहिए। भारतीय टेलीविजन के एक असाधारण हीरो के रूप में विआन एक अल्फा मेल से बदलकर एक ऐसा इंसान बन जाता है, जिसे अपनी गलती का एहसास होता है और वो इसे सुधारने की कोशिश करता है। एक बड़े बदलाव में उसने अपने बचपन के सदमे से बाहर आने की कोशिश की, माफ करना सीखा और अब खुश रहने का प्रयास कर रहा है। और विआन के इसी प्यारे अंदाज़ ने न सिर्फ दर्शकों पर गहरा असर किया है बल्कि कथा को भी प्रभावित कर लिया है। इस ट्रैक के बारे में बताते हुए अदनान खान कहते हैं कि विआन का किरदार उनका अब तक का सबसे चैलेंजिंग रोल है। उन्होंने कहा, इस शो ने मुझे सिखाया है कि ज़िंदगी में कुछ चीजें इंतजार के काबिल होती हैं। विआन के किरदार से मैंने सबसे बड़ी बातें ये सीखीं कि मजबूत बने रहे, डटे रहें और कभी अपने सपनों को धुंधला न पड़ने दें। यह किरदार मेरा अब तक का सबसे चैलेंजिंग रोल है जिसमें मुझे गुस्सा, दर्द, पछतावा, स्वीकृति और बदलाव जैसी अलग-अलग भावनाएं निभानी पड़ीं। विआन का सब्र और कथा के प्रति उसके प्यार के चलते कथा के मन में यह विश्वास जागा है कि उसकी ज़िंदगी में कोई करिश्मा होने वाला है और अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या वो इस नई शुरुआत के करिश्मे पर विश्वास कर पाएगी।

अनमोल इंडिया लिमिटेड के बोर्ड ने शेयर धारकों को 4:1 के रेशो में बोनस शेयर देने को मंजूरी दी

लुधियाना एजेंसी। सप्लाई चेन मैनेजमेंट, कमोडिटी ट्रेडिंग और कोयला आयात के अग्रणी खिलाड़ियों में से एक अनमोल इंडिया लिमिटेड के बोर्ड ने शेयर धारकों को 4:1 के रेशो में बोनस शेयर देने को मंजूरी दी है, शेयर धारकों की मंजूरी के बाद होगी प्रक्रिया पूरी अर्थात नियत तारीख पर कंपनी के शेयरधारकों द्वारा धारित हर 1 इक्विटी शेयर के लिए उन्हें 4 इक्विटी शेयर बोनस में दिए जाएंगे, शेयर धारकों की मंजूरी के बाद। हाल ही में, अनमोल इंडिया लिमिटेड ने 31 मार्च 2023 को समाप्त तिमाही में और वित्तीय वर्ष 2022-23 में शानदार कमाई होने की घोषणा की थी। वित्तीय वर्ष 2023 की चौथी तिमाही में वित्तीय वर्ष 2022 की चौथी तिमाही को तुलना में ऑपरेशंस से रेवेन्यू में 18.70 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई जिसमें वित्तीय वर्ष 2022 की चौथी तिमाही में 311.80 करोड़ रुपये का राजस्व था, वो से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2023 चौथी तिमाही में 370.13 करोड़ रुपये हुआ और यह बदलाव मुख्य रूप से पोर्टफोलियो में कोकिंग कोल, मेट कोक, केमिकल्स और आयरन एंड स्टील जैसे नए उत्पादों को शामिल करने और वॉल्यूम बढ़ाने से हुआ है।एबिटा की बात करें तो कंपनी ने वित्तीय 2022 की चौथी तिमाही के मुकाबले वित्तीय वर्ष 2023 की चौथी तिमाही में 31.83 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। जो एबिटाराशि वित्तीय वर्ष 2022 की चौथी तिमाही में 7.32 करोड़ रुपये थी, वो वित्तीय वर्ष 2023 की चौथी तिमाही में बढ़कर 9.65 करोड़ रुपये हुई। प्रॉफिट आफ्टर टैक्स में भी बेहतरीन प्रदर्शन के साथ 40.18 प्रतिशत की बढ़त दर्ज हुई है।

महिंद्रा ने लॉन्च किया डुअल-फ्यूल स्मॉल कमर्शियल व्हीकल - नया सुप्रो सीएनजी डुओ

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत में स्मॉल कमर्शियल व्हीकल (एससीवी) के मार्केट लीडर महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड (एमएंडएम) ने आज सुप्रो सीएनजी डुओ के लॉन्च की घोषणा की, जो स्मॉल कमर्शियल व्हीकल श्रेणी में पहला डुअल-फ्यूल वाला वाहन है। सुप्रो सीएनजी डुओ अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ पेलोड और श्रेणी में अग्रणी माइलेज प्रदान करता है और ग्राहकों को अधिकतम लाभ के साथ बेहतर प्रदर्शन देने के हमारे वादे पर आधारित है।

6.32 लाख (एक्स-शोरूम दिल्ली) की शुरुआती कीमत के साथ सुप्रो सीएनजी में ग्राहकों को अनेक सुविधाएं मिलती हैं। सुप्रो सीएनजी पेट्रोल और सीएनजी दोनों पर चल सकता है, जिससे ऑपरेटरों को महिंद्रा की प्रसिद्ध विश्वसनीयता और गुणवत्ता के साथ-साथ अग्रणी फ्यूल इकोनॉमी मिलती है। नया सुप्रो सीएनजी डुओ उद्योग में पहली बार डायरेक्ट-इन-सीएनजी स्टार्ट जैसी सुविधाओं से लैस है। इससे सीएनजी मोड में वाहन को चालू करने की सुविधा मिलती है और इस तरह ग्राहक के लिए बेहतर बचत का वादा पूरा किया जाता है। इतना ही नहीं, सुप्रो सीएनजी डुओ अतिरिक्त सुरक्षा और सीएनजी और पेट्रोल विकल्पों के बीच आसान स्विचिंग के लिए इंटेलिजेंट सीएनजी लीक डिटेक्शन की सुविधा भी प्रदान करता है।वीजय नाकरा, प्रेसिडेंट - ऑटोमोटिव डिवीजन, एमएंडएम ने कहा, ''सुप्रो सीएनजी डुओ की लॉन्चिंग के साथ हम महिंद्रा की समृद्ध और गौरवशाली परंपरा को ही आगे बढ़ा रहे हैं। महिंद्रा की पहचान आज एक ऐसी कंपनी के तौर पर है, जो ग्राहकों के विजन और बाजार के दशकों के नेतृत्व के आधार पर इनोवेटिव और विश्वसनीय कमर्शियल व्हीकल्स बनाती है। सुप्रो सीएनजी डुओ के साथ कंपनी ने डुअल-फ्यूल सेगमेंट में प्रवेश कर लिया है। सुप्रो सीएनजी डुओ के साथ हम इसके मालिकों और ऑपरेटरों को उल्लेखनीय रूप से कम परिचालन लागत की पेशकश करने का प्रयास कर रहे हैं। इसे लॉजिस्टिक्स, सप्लाई चेन और ई-कॉमर्स कंपनियों की मुश्किल जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है, और साथ ही ग्राहकों को बेहद बेहतर मूल्य प्रस्ताव दिया गया है। सुप्रो सीएनजी डुओ की शुरुआत महिंद्रा की गहरी जड़ों वाली फिलॉस्फी राइज फॉर गुड को ही दर्शाती है। यह एक ऐसी फिलॉस्फी है, जो लोगों और समुदायों के जीवन के साथ-साथ कारोबारों में भी सकारात्मक बदलाव लाने की कोशिश करती है।''

74 प्रतिशत कर्मचारियों को नहीं है मार्क जकरबर्ग की लीडरशिप पर भरोसा

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स ने हाल में हजारों कर्मचारियों की छंटनी की थी। इसके बाद कंपनी ने एक इंटरनल सर्वे कराया है। इसके मुताबिक कंपनी के केवल 26 परसेंट कर्मचारियों को ही सीईओ मार्क जकरबर्ग की लीडरशिप पर भरोसा है। यानी कंपनी के 74 परसेंट कर्मचारियों को उनकी लीडरशिप पर भरोसा नहीं है। यह सर्वे मई के अंत में कराया गया था। उसके बाद भी कंपनी ने कई कर्मचारियों की छंटनी की थी। मेटा प्लेटफॉर्म्स फेसबुक के साथ-साथ इंस्टाग्राम की भी पेरेंट कंपनी है। पिछले साल अक्टूबर में किए गए एक सर्वे में 31 फीसदी कर्मचारियों ने जकरबर्ग की लीडरशिप में भरोसा जताया था। मेटा ने दुनियाभर में 21,000 से अधिक कर्मचारियों को निकाला था। इंटरनल सर्वे में शामिल कर्मचारियों में से 43 फीसदी ने कहा कि कंपनी को उनकी कोई कद्र नहीं है। यह आंकड़ा पिछले सर्वे से 15 फीसदी कम है। कंपनी में काम कर रहे और कंपनी छोड़ चुके कई कर्मचारियों ने कहा कि छंटनी से कर्मचारियों के मनोबल पर गहरा असर हुआ है। कंपनी ने पिछले सात महीने में जमकर छंटनी की है। मेटा ने नवंबर 2022 में पहली बार छंटनी की थी। तब एक झटके में 13 परसेंट यानी 11,000 कर्मचारी निकाले गए थे। दूसरी बार में करीब 10,000 कर्मचारियों की छुट्टी की गई थी।

जकरबर्ग ने क्या कहा- इस बीच जकरबर्ग ने मेटा के कर्मचारियों से कहा है कि उनकी कंपनी को वापस पटरी पर लाने की योजना है। हाल में हुई एक मीटिंग में उन्होंने छंटनी पर स्पष्टीकरण दिया और पहली बार यह भी बताया कि एआई और वर्चुअल रिएलिटी कैसे साथ-साथ काम करेंगे। जकरबर्ग ने साल 2004 में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के अपने कुछ दोस्तों के साथ फेसबुक की स्थापना की थी जो आज दुनिया की सबसे बड़ी सोशल नेटवर्क साइट है।

ऑटिस्टिक बच्चों के माता-पिता को मनोवैज्ञानिक परामर्श पर चर्चा की

भोपाल। रोशनी हील हेल्थ केयर सेंटर लालघाटी स्थित कार्यालय में ऑटिस्टिक बच्चों के माता-पिता के लिए मुफ्त मनोवैज्ञानिक परामर्श और व्यवहार संबंधी मुद्दों पर चर्चा हुई जिसमें डॉक्टर सिद्धार्थ यादव डॉक्टर ,डॉक्टर रोशनी यादव एवं समस्त उपस्थित स्टाफ ने अपने अनुभव को शेयर किया एवं सभी पेरेंट्स को उनके सवालों के जवाब दिए डा रोशनी ने संवाद में बताया कि वह विगत 10 वर्षों से बच्चों के लिए कार्य कर रही है वह हमेशा से देखती आई है कि पेरेंट्स जानकारी के अभाव के कारण सही थेरेपी और बच्चों को ठीक करने में सही कदम नहीं उठा पाते हैं इसलिए आज यह चर्चा रखी गई और पेरेंट्स को मार्गदर्शन दिया उन्होंने बताया कि कोरोना काल में कई बच्चों के मानसिक संतुलन पर बहुत ही गहरा प्रभाव पड़ा है इसलिए रोशनी हील हेल्थ केयर सेंटर लालघाटी पर बच्चों के लिए विशेष यह सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है समय-समय पर हमारे द्वारा निशुल्क मार्गदर्शन दिया जा रहा है जिससे बच्चों को एक अच्छा जीवन जीने में मदद मिलती है

आकाश बायजूज़ ने राज्य बोर्ड, नीट और जेईई के छात्रों के लिए मध्य प्रदेश में हिंदी माध्यम पाठ्यक्रम शुरू किया

मुंबई, एजेंसी। नए हिंदी माध्यम के पाठ्यक्रमों का शुभारंभ आकाश बायजूस के दृष्टिकोण का एक हिस्सा है, जो सीबीएसई से संबद्ध स्कूली छात्रों के लिए डिज़ाइन किए गए अंग्रेजी माध्यम के पाठ्यक्रम के अलावा, राज्य बोर्डों के छात्रों को क्षेत्रीय भाषाओं में नीट और जेईई के लिए शिक्षण प्रदान करता है। भोपाल, 8 जून, 2023-अध्ययन की निरंतरता को सुविधाजनक बनाने और अधिक से अधिक छात्रों को डॉक्टर और इंजीनियर बनने के अपने सपने को साकार करने में मदद करने के लिए, परीक्षा तैयारी सेवाओं में भारत के अग्रणी आकाश बायजूज़ ने मध्य प्रदेश राज्य बोर्ड के छात्रों के लिए हिंदी माध्यम के बैच पेश किए हैं। शिक्षा के जो जेईई और नीट को क्रैक करने की ख्वाहिश रखते हैं। यह विभिन्न राज्य

बोर्डों के छात्रों के लिए क्षेत्रीय भाषाओं में प्रशिक्षण देने की आकाश बायजू की योजना का प्रतीक है। आकाश बायजूस के सहायक निदेशक श्री रणधीर सिंह ने पाठ्यक्रमों का शुभारंभ किया। नए हिंदी माध्यम के पाठ्यक्रमों की शुरूआत सीबीएसई से संबद्ध स्कूली छात्रों के लिए डिजाइन किए गए अंग्रेजी माध्यम के पाठ्यक्रम के अलावा, राज्य बोर्डों के छात्रों को क्षेत्रीय भाषाओं में नीट और जेईई के लिए प्रशिक्षण प्रदान करने के आकाश बायजूस के दृष्टिकोण का एक हिस्सा है। कार्यक्रम का उद्देश्य बोर्ड और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों को एक एकीकृत शिक्षण अनुभव प्रदान करना है।

नि:शुल्क शिविर संपन्न

भोपाल। दुर्गा नगर चौराहे के पास स्थित नेत्र निकेतन हॉस्पिटल में रविवार को निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं नेत्रदान - देहदान के संकल्प लेने एक कैंप आयोजित किया गया जिसमें भारी संख्या में लोगों ने आकर लाभ उठाया ।

सुबह 9 बजे से प्रारंभ हुए इस कैंप में पहले मरीज लखन राजपूत को मुख्य अतिथि बनाकर इन्हीं से दीप प्रज्वलित करवाकर कैंप की शुरुआत हुई जो कि शाम 6-00 बजे तक लगातार चलती रही और आधुनिक मशीनों द्वारा 638 व्यक्तियों की आंखों की निःशुल्क जांच की गई एवं चिकित्सा परामर्श दिया गया ।

डॉक्टर रूपाली जैन , डॉक्टर पुष्पेंद्र पटेल सहित नेत्र निकेतन हॉस्पिटल के समस्त स्टाफ ने इस सेवा कार्य को पूरा किया । यहीं पर समाजसेवी विकास पचौरी द्वारा नेत्रदान - देहदान के संकल्प पत्र भी भरवाए गए जिसमें शहर वासियों ने एवं नेत्र निकेतन अस्पताल के सभी कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से 28 नेत्रदान एवं 12 देहदान के संकल्प पत्र भरे। कैंप के समापन समय अस्पताल प्रबंधक मोहित जैन ने सभी का आभार प्रकट किया ।

म्यूचुअल फंड कंपनियों ने किया 2400 करोड़ रुपये का निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। म्यूचुअल फंड कंपनियों ने पिछले महीने यानी मई में शेयरों में 2,400 करोड़ रुपये लगाए हैं। इससे पहले अप्रैल में उन्होंने शेयरों से निकासी की थी। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि के मजबूत आंकड़ों, मुद्रास्फीति के नियंत्रित स्तर पर आने तथा अर्थव्यवस्था में तरलता का स्तर संतुलित होने के बीच म्यूचुअल फंड शेयरों में निवेश कर रहे हैं। आनंद राठी वेल्थ के उप-मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) फिरोज अजीज ने कहा, सकारात्मक वृहद आंकड़ों तथा निफ्टी में शेयर मूल्य उचित स्तर पर होने के बीच आगे हम शेयरों में म्यूचुअल फंड निवेश में बढ़ोतरी देख सकते हैं।

मोतीलाल ओसवाल एएमसी के मुख्य कारोबार अधिकारी अखिल चतुर्वेदी ने कहा, स्थिर जीडीपी वृद्धि, कम मुद्रास्फीति, निवेशक-अनुकूल नीतियों और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के प्रति वैश्विक बाजार की धारणा से शेयरों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों

और म्यूचुअल फंड का निवेश बढ़ रहा है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के आंकड़ों के अनुसार, म्यूचुअल फंड कंपनियों ने मई में शेयरों में शुद्ध रूप से 2,446 करोड़ रुपये का निवेश किया, जबकि अप्रैल में उन्होंने 4,533 करोड़ रुपये की निकासी की थी। हालांकि, म्यूचुअल फंड और एफपीआई के निवेश में काफी अंतर है।मई में एफपीआई ने शेयरों में 43,838 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जो म्यूचुअल फंड की तुलना में काफी अधिक है। अप्रैल में भी एफपीआई ने शेयरों में 11,631 करोड़ रुपये डाले थे। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि निवेश के रुख में यह अस्थायी बदलाव भारतीय बाजार के लिए काफी सकारात्मक है।

अपरिमित क्षमताओं के धनी नरेंद्र सिंह तोमर

कृष्णमोहन झा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विश्वासपात्र वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर?आज अपने यशस्वी जीवन के 66वर्ष पूर्ण किए हैं। कृषि मंत्री के रूप में कार्य करते हुए तोमर ने देश ही नहीं वरन विदेशों में भी अपनी अलग छवि स्थापित की है सरकार की प्रतिबद्धता एवं जवाबदेही को सुनिश्चित करने के लिए कृषि मंत्री के रूप में नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा प्रारंभ की गई अनेक योजनाओं एवं कार्यक्रमों से किसानों की दिशा व दशा बदल रही है कोरोना महामारी की चुनौतियों के बीच भारत ने कई जरूरतमंद देशों को खाद्यान की सरलता पूर्वक आपूर्ति की7 मध्यप्रदेश के लिए गौरव की बात है कि मध्यप्रदेश के वह पहले व्यक्ति है जो केन्द्रीय कृषि मंत्री के दायित्व का निर्वहन किया,कृषि सुधार बिल को लेकर चर्चा में रहे तोमर ने उग्र कृषि आंदोलन को बड़ी सूझ बूझ के साथ शांत करवाया7 कृषि के क्षेत्र में देश लगातार प्रगति कर रहा है,प्रधानमंत्री द्वारा जुलाई 2021 में किये गये मंत्रिमंडल के फेरबदल में जब बड़े बड़े चेहरे मंत्री मण्डल से बाहर हो गये ऐसे दौर में भी प्रधानमंत्री के विश्वासपात्र के रूप में नरेन्द्र सिंह तोमर का बने रहना अपने आप मे बड़ी उपलब्धि है।अपरिमित क्षमताओं के धनी नरेंन्द्र सिंह तोमरनरेन्द्र सिंह तोमर जी के व्यक्तित्व और कृतित्व की खूबियों को नजदीक से देखने का सुअवसर वर्षों पूर्व प्राप्त हुआ हर मुलाकात में मुझे उनके सहज ,सरल , मृदु भाषी राजनेता होने की अनुभूति हुई। बाद में उन्होंने मेरे अनुरोध पर मेरी एक चर्चित पुस्तक' महानायक मोदी' की भूमिका भी लिखी थी। वे आज मोदी सरकार के एक महत्वपूर्ण मंत्री हैं। उनकी गणना प्रधानमंत्री के विश्वासपात्र मंत्रियों में प्रमुखता से होती है। महत्वपूर्ण मंत्रालयों का कार्य भार उनके पास होने के कारण उनकी व्यस्तता इतनी बढ़ चुकी है कि उनसे पहले जैसी मुलाकातें अब संभव नहीं रह गई हैं परंतु इतना मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि वे उतने ही सहज सरल और विनम्र आज भी हैं जितना सहज सरल और विनम्र मैंने उन्हें दो दशक पहले हुई पहली मुलाकात में पाया था। नरेंद्र सिंह तोमर का चार दशक से अधिक का राजनीतिक सफर उल्लेखनीय उपलब्धियों से लबरेज रहा है ।महाविद्यालयीन विद्यार्थी जीवन के दौरान ही नरेंद्र सिंह तोमर के व्यक्तित्व में अद्भुत नेतृत्व क्षमता और सांगठनिक कौशल के गुण उजागर होने लगे थे। मुरार महाविद्यालय के छात्र संघ चुनावों में जब वे अध्यक्ष पद के लिए चुने गए वह उनके यशस्वी जीवन के सोपान की पहली सीढ़ी थी ।उनके राजनीतिक सफर की शुरुआत मुरार नगर निगम चुनाव में उनकी शानदार जीत से हुई थी जिसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। 2003 में संपन्न राज्य विधानसभा के चुनावों में भाजपा ने प्रचंड बहुमत से विजय हासिल करके एक दशक के बाद जब सत्ता में वापसी की तो नरेंद्र सिंह तोमर को राज्य सरकार में शामिल किया गया और जनसंपर्क जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई । उन्होंने इस जिम्मेदारी का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया ।उनकी विलक्षण कार्यशैली को देखते हुए पार्टी ने उनकी अपरिमित क्षमताओं का उपयोग पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में करने का फैसला किय। इस जिम्मेदारी को उन्होंने संपूर्ण विनम्रता के साथ स्वीकार किया। जिस तरह अतीत में प्रदेश भाजपा युवा मोर्चे के अध्यक्ष पद पर रहते हुए उन्होंने अपने सांगठनिक कौशल और नेतृत्व क्षमता से भाजपा को युवाओं की पहली पसंद बना दिया था उसी तरह पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष की बागडोर उनके हाथों में आते ही प्रदेश में राजनीतिक पंडितों के बीच तेजी से यह धारणा बनने लगी कि भाजपा ने तोमर को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर 2008 के राज्य विधानसभा चुनावों में लगातार दूसरी बार शानदार जीत के साथ सत्ता में वापसी सुनिश्चित कर ली है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की लोकप्रियता और नरेन्द्र सिंह तोमर के रणनीतिक कौशल ने प्रदेश में लगातार दो विधानसभा चुनावों में भाजपा को प्रचंड विजय का हकदार बनाया। इसमें दो राय नहीं हो सकती कि यह जोड़ी प्रदेश में सोने में सुगंध कहावत की परिचायक बन गई थी। तोमर की राजनीतिक उपलब्धियों की फेहरिस्त इतनी लंबी है कि उसे एक छोटे से लेख में समेट पाना संभव नहीं है । लेकिन इतना निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि जब भी किसी चुनाव में पार्टी के चुनाव अभियान की बागडोर सौंपी गई है वहां पार्टी को उल्लेखनीय सफलता मिली है। यही कारण है कि भाजपा में नरेंद्र सिंह तोमर का कद इतना ऊंचा हो चुका है कि महत्वपूर्ण मामलों में उनकी राय की अनदेखी नहीं की जा सकती।अपरिमित क्षमताओं के धनी नरेंन्द्र सिंह तोमर2014 के लोकसभा चुनावों में जब भाजपा नीत गठबंधन ने बहुमत हासिल किया उसके पूर्व ही तोमर अपनी राजनीतिक सूझ-बूझ और विलक्षण कार्यशैली से भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व को प्रभावित कर चुके थे।यही कारण था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब अपने प्रथम केंद्रीय मंत्रिमंडल का गठन करने जा रहे थे तो मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश से नरेन्द्र सिंह तोमर का नाम ? उनके जहन में सबसे पहले आया। तोमर ने केंद्रीय मंत्री के रूप में अपने प्रथम कार्यकाल में ही प्रधानमंत्री मोदी को अपनी कार्यक्षमता से इतना प्रभावित किया कि 2019 में दूसरी बार गठित मोदी सरकार में तोमर प्रधानमंत्री के विश्वासपात्र चुनिंदा मंत्रियों की टीम के महत्वपूर्ण सदस्य बन गए। नरेन्द्र सिंह तोमर की कार्यशैली की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे प्रचार प्रसार से हमेशा दूर रहना पसंद करते हैं । केवल अपने मंत्रालयों की जिम्मेदारी के निष्ठापूर्वक निर्वहन में विश्वास रखते हैं।तोमर के प्रमुख लेखों एवं भाषणों के संग्रह 'नमामि भारत' के लिए अपने संदेश में पूर्व उपराष्ट्रपति वैंकेया नायडू ने लिखा है-' विभिन्न मंत्रालयों के समेकित प्रभार के कुशल संवहन का कार्य-निष्पादन कर मितभाषी तोमर जी ने देश की विकासवादी अवधारणा के गुणात्मक अभिवर्धन हेतु अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है।तोमर विवादों से दूर रहना पसंद करते हैं। मितभाषी तोमर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व की अनूठी विशेषताओं ने उन्हें राजनेताओं की भीड़ में अलग पहचान दिलाई है । आलोचनाओं से वे उत्तेजित होते हुए उन्हें कभी नहीं देखा जा सकता। उनका मानना है कि सकारात्मक बातचीत से कठिन से कठिन समस्या का हल निकाला जा सकता है। विगत वर्ष केंद्र सरकार ने जो नए कृषि कानून बनाए उनको लेकर किसानों की गलतफहमियां दूर करने के लिए उन्होंने किसान संगठनों के साथ बातचीत के द्वार हमेशा खुले रखे हैं। तोमर का दृढ़ विश्वास है कि बातचीत से ही किसान आंदोलन को सुखद परिणिति के बिंदु तक पहुंचाया जा सकता है। तोमर ने किसान संगठनों के साथ बातचीत के हर दौर में उनकी गलतफहमियां दूर करने का हर संभव प्रयास किया है। उल्लेखनीय है कि नरेंद्र सिंह तोमर भी ग्रामीण परिवेश से जुड़े हुए राजनेता हैं । उन्हें किसानों की तकलीफों से नजदीक से देखा है।उनकी समस्याओं की तोमर को गहरी समझ है इसलिए प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें ऐसे मंत्रालयों का प्रभार सौंपा है जहां उनके अनुभवों का अधिकतम लाभ किसानों को मिल सके। तोमर ने अपने प्रकाशि?त कृति 'नमामि भारत' की भूमिका में लिखा है -श्री मोदी जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में मेरी कोशिश रही है कि ग्रामीण क्षेत्र के विकास के लिए चलाई जा रही योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचे, उनमें पूरी पारदर्शिता हो और किसी तरह के भेदभाव या पक्षपात की गुंजाइश न हो। सरकार की कोशिश रही है कि हर गांव वासी के चेहरे पर मुस्कान लौटे,हर गांव और हर ग्रामीण परिवार सुखी, स्वस्थ , समृद्ध और खुशहाल हो।' तोमर ने 'नमामि भारत' में संग्रहीत अपने एक लेख के प्रारंभ में ही कहा है कि पारदर्शी नीतियां और उत्तरदायी समाधान हर सरकार का संकल्प होना चाहिए। इस दिशा में तोमर के प्रयास निःसंदेह सराहनीय हैं। तोमर को जिन मंत्रालयों का प्रभार मिला हुआ है उनका प्रदर्शन इस सत्य को प्रमाणित करने के लिए पर्याप्त है कि वे प्रधानमंत्री मोदी के भरोसे पर खरे उतरे हैं।नरेन्द्र सिंह तोमर के सारगर्भित लेखों और भाषणों के संग्रह' नमामि भारत ' में पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने अपने संदेश में तोमर के व्यक्तित्व और कृतित्व की खूबियों का उल्लेख करते हुए लिखा है -' मृदु, मितभाषी, धीर गंभीर व शांत स्वभाव वाले श्री तोमर सरकार से लेकर संगठन तक ,सभी के बीच लोकप्रिय रहे हैं। वे जमीन से जुड़े हुए लोकप्रिय जनप्रतिनिधि हैं जिन्होंने संगठन व सरकार , दोनों ही स्तर पर अपने अथक परिश्रम, समर्पण एवं निष्ठा से सफलता एवं सम्मान अर्जित किया है। जनता से जीवंत सम्पर्क होने के कारण उन्हें जनसमस्याओं की जानकारी और गहरी समझ है।' सुमित्रा महाजन के संदेश की इन चंद पंक्तियां में निःसंदेह तोमर के आदर्श और प्रेरक व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सार छुपा हुआ है।

लाडली बहनों ने एलईडी लगाकर मुख्यमंत्री के लाईव कार्यक्रम को देखा

सिंगोड़ी। संपूर्ण मध्यप्रदेश की लाडली बहनो के लिए शनिवार का दिन बड़ा ही एतिहासिक दिन रहा। जहां प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा मध्यप्रदेश की लाडली महिलाओं को आर्थिक रूप से शसक्त करने के लिए मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना का शुभारंभ किया गया। जिसका लाभ प्रदेश की सभी पात्र महिलाओं को प्रति माह 1000 रुपये से लेकर धीरे धीरे पैसो की व्यवस्था करते हुए 3000 हजार प्रति माह देने की घोषणा की है। इसी अवसर पर आज सिंगोड़ी और रजोला ग्राम पंचायत भवन में भी लाडली बहना योजना के कार्यक्रम को आयोजित किया गया ।जिसमें ग्राम की लगभग हजारो की संख्या से भी अधिक महिलाओं को इस योजना के अंतर्गत स्वीकृति पत्र देकर और ऑनलाइन के माध्यम से एक हजार रुपए प्रति माह का लाभ प्रदान किया गया ।जिसमे समस्त महिलाएं ग्राम पंचायत भवन में उपस्थित होकर इस ऐतिहासिक दिन की साक्षी बनी ।इस अवसर पर उपस्थित बहनो द्वारा ग्राम पंचायत भवन में बधाई गीत गाकर प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को धन्यवाद प्रेषित किया ।इस सम्पूर्ण कार्यक्रम में मुख्य रूप से सिंगोड़ी सरपंच कपिल ठाकुर जनपद सदस्य योगेश यादव, भाजपा मंडल अध्यक्ष सोनू सरसवार, मंडल महामंत्री ऋषिकांत ठाकुर, रजोला सरपंच संध्या अंकित साहू , शानू साहू, उपाध्यक्ष केशव पटवा, महिला बाल विकास अधिकारी संध्या पाल सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका पंचायत के समस्त कर्मी एवं अनेक महिलाएं मुख्य रूप से उपस्थित रही।

विश्व संगीत दिवस पर ज़िले में 21 जून होगा कार्यक्रम नाद योग

छिंदवाड़ा। साहित्य, संगीत, संस्कृति को समर्पित ज़िले की संस्था युवा प्रतिभा प्रोत्साहन मंच द्वारा आगामी 21 जून को विश्व संगीत दिवस के अवसर पर नाद योग कार्यक्रम का आयोजन किया जावेगा। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि संगीत महायोग है इस बिंदु के दृष्टिगत संस्था द्वारा सांगीतिक बैठक का आयोजन किया जावेगा। उक्त बैठक में ज़िले के वरिष्ठ संगीत विद अपनी प्रस्तुति के साथ साथ प्रतिभाओं को मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

किराना दुकान से शराब बेचते दो धराये

छिन्दवाड़ा। चौरई वृत्त के आबकारी अमले ने एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध रूप से बिक रही अवैध शराब को जप्त किया। इस कार्यवाही के दौरान एक महिला और एक पुरुष के ख़िलाफ़ कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान बड़ी मात्रा में देशी-विदेशी शराब और बियर जप्त की गई। कलेक्टर शीतला पटले के निर्देश और ज़िला आबकारी अधिकारी अजीत एक्का के मार्गदर्शन में उक्त कार्यवाही ग्राम हिवरा कलाँ और लोहारा में की गई। वृत्त प्रभारी अर्चना घोरमारे को सूचना मिली थी कि ग्राम हिवरा कला और लोहारा में किराना दुकानों से शराब बेची जा रही है। इस सूचना पर जब हिवरा कला में छापा मारा गया तो सुशीला बाई की दुकान में अवैध रूप से रखे देशी मदिरा मसाला के पाव जप्त हुए। जबकि लोहारा निवासी धरमसुख की दुकान से बियर और देशी-विदेशी मदिरा बरामद हुई। दोनों आरोपियों के ख़िलाफ़ आबकारी एक्ट की धारा के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। इस कार्यवाही के दौरान आबकारी आरक्षक सचिन श्रीवास्तव और अशोक शर्मा उपस्थित थे।

पानी निकासी को लेकर चर्च में हुआ विवाद

परासिया। चांदामेटा मंगली बाजार स्थित चर्च में जारी एक कार्यक्रम के दौरान गंदे पानी की निकासी को लेकर चर्च के लोगों और पड़ोसी के बीच विवाद हो गया। जिसके चलते चर्च पर भीड़ बढ़ने लगी। तब 100 डायल कर पुलिस को बुलाया। साथ ही मौके पर मौजूद कुछ समाज सेवियों के हस्तक्षेप के बाद विवाद शांत हो गया। मिली जानकारी के अनुसार रविवार को चर्च परिसर में जन्मदिन का कार्यक्रम चल रहा था। चर्च के सामने मुख्य गेट पर चर्च के समीप रहने वाले एक व्यक्ति के पानी के निकासी का पाईप फूट गया। जिसका गंदा पानी चर्च के सामने फैल गया। जिसके चलते चर्च से जुड़े लोगों ने आपत्ति जताई। जिसके बाद पड़ोसी और चर्च के लोगों के बीच विवाद होने लगा। विवाद देख और से भी लोग जमा हो गए और विवाद बड़ा रूप लेने लगा। जिस को ध्यान में रखते हुए कुछ समझदार लोगों ने 100 डायल कर पुलिस को बुलाया और दोनों पक्षों से बात कर समझाइश दी गई। चर्च के लोगों ने बताया , कि पानी निकासी का पाइप लंबे समय से फूटा हुआ है। जिस को ठीक करने के लिए कई बार संबंधित व्यक्ति को कहा गया । इस मामले में प्रशासनिक अधिकारियों को भी लिखित शिकायत की गई , लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया गया ।मौके पर मौजूद भाजपा नेता अशोक गौहर और समाजसेवी दीपक वर्मा ने हस्तक्षेप कर विवाद को शांत कराया।

डेम की रिटर्निंग वाल ढहने से चार मजदूरों की मौत

स्टापडेम के भ्रष्टाचार की पोल खुली, जनपद पंचायत मोहखेड़ के अंतर्गत हुई दर्दनाक घटना

छिंदवाड़ा। रविवार को दोपहर बड़ा हादसा हो गया इस हादसे में चार मजदूरों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई हादसा जनपद मोहखेड़ के ग्राम कुकड़ी खापा के पास हुआ है। यहां जलग्रहण मिशन में बन रहे एक स्टाप डेम की रिटर्निंग वाल ढहने से दीवार के मलबे में दबकर चार मजदूर काल के गाल में समा गए घटना इतनी बेदर्द थी कि मजदूरों को दीवार के मलबे में दबने के बाद तत्काल नहीं निकाला जा सका घटना के करीब दो घंटे बाद जेसीबी और क्रेनप से जब मलबा हटा तब शव उठाए जा सके। इस घटना से जलग्रहण मिशन के भ्रष्टाचार की पोल खोल कर रख दी है। मिशन में घटिया निर्माण का यह अकेला डेम नहीं है बल्कि हर गांव में ऐसे डेम खड़े हैं जो या तो पिछली बरसात में बह गए या आने वाली बरसात में बह जाएंगे। बताया जाता है कि कुकड़ीखापा से करीब आधा किलोमीटर की दूरी पर चिखली, जमुनिया, और कुकड़ी खापा तीन गांव को जोड़ने वाले जंगल के इलाके में जलग्रहरण मिशन में एक स्टापडेम बनाया जा रहा था रविवार को मजदूरों की छुट्टी का दिन रहता है लेकिन इस डेम में ठेकेदार रविवार को ही मजदूरी का काम करा रहा था। मजदूर काम पर जुटे थे कि अचानक वाल डह गई इस दौरान दीवार के मलबे में चार मजदूर दब गए जिनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई डेम में 11 मजदूर काम कर रहे थे अन्य मजदूरों ने उन्हें निकालने की कोशिश की लेकिन कामयाब नहीं हुए। घटना की खबर पर मौके पर पहुंचे अधिकारी ने क्रेन और जेसीबी मंगाकर मलबा हटवाया गया तब कहीं मजदूरों के शव निकाले जा सके। घटना में मृत मजदूरों में बिछुआ ब्लाक के सागर गांव के है जिनके नाम जित्तू बन्धनपात्री, गणेश पिता संपत, रामकिशोर सिंगारे और शिवप्रसाद बताए गए हैं। बताया जाता है कि जलग्रहण मिशन में जिला पंचायत ने रिलायंस फाउंडेशन को थोक में जल ग्रहण मिशन का कार्य दिया है फाउंडेशन पेटी कॉन्ट्रेक्टर से यह कार्य करा रहा था कि भृष्टाचार की वाल ढह गई शव निकाले जाने के बाद मोहखेड़ पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है। खास बात यह है कि इतनी बड़ी घटना के बाद कोई बड़ा अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा।

अवैध सागौन की लकड़ी की तस्करी करते पकड़ाये

तस्करों के घर फॉरेस्ट विभाग द्वारा छापामार कार्यवाही की गई

परासिया। विधानसभा क्षेत्र परासिया के ग्राम पंचायत बाग बर्दिया में आए दिन वनों को लकड़ी तस्करों द्वारा नष्ट किया जा रहा है ऐसे में परेशान फॉरेस्ट विभाग कर्मचारी लोगों की रातों की नींद एवं दिन का चयन इन तस्करों के कारण हराम हो चुका है जिसके कारण फॉरेस्ट विभाग द्वारा इन तस्करों के घर छापामार कार्रवाई करने पर कीमती लकड़ी सागौन भारी मात्रा में ग्राम निवासी झाड़ू लाल राठौर एवं दुर्गा राठौर के घर से सागौन की काफी भारी मात्रा में अवैध लकड़िया जप्त की गई ।जप्त वनोपज की अनुमानित कीमत लगभग 12500 रूपये आंकी गई है। जिस पर फॉरेस्ट विभाग के अधिकारी ईश्वर जराडे वन मंडल अधिकारी पश्चिम छिंदवाड़ा के निर्देशानुसार श्रीमान विजेंद्र खोबरागडे उप वन मंडल अधिकारी परासिया के मार्गदर्शन में एवं अलका भूरिया वन परीक्षेत्र अधिकारी परासिया के नेतृत्व में रेंजर स्टॉप की टीम जिसमें बीएस कुमरे, एसएन त्रिपाठी डिप्टी रेंजर परासिया, आरके ढाकरे डिप्टी रेंजर भोकई, कमला पाटिल वनपाल, धर्मेंद्र ब्रह्मे, जागेश्वर भलावी, लिंकन सिंह राठौर, दिनेश सैनी ,दिनेश भारती, रघुनंदन परतेती, राकेश मालवीय, प्रमेंद्र मसराम, राहुल डेहरिया, रविशंकर सलाम, विनोद साहू, प्रवीण श्रीवास्तव, क्रोध सिंह ठाकुर, श्रीमती अनीता आहक, नीतू बरखडे, कृष्णा सरेआम, मोनिता रैकवार, ज्योति धुर्वे, उर्मिला नर्रे, कार्यवाही टीम में उपस्थित रहे ।

एकात्म अभियान से समाज कार्य के छात्रों ने जाना ध्यान की विधा

छिंदवाड़ा । मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद एवं श्री रामचंद्र मिशन (हार्टफुलनेस संस्थान) के द्वारा ध्यान एवं योग शिविरों का क्रम निरंतर जारी है इसी श्रृंखला में मोहखेड़ विकासखंड के अध्ययन केन्द्र-शासकीय महाविद्यालय उमरानाला में ब्लाक समन्वयक भवानी कुमरे के मार्गदर्शन में सीएमसीएलडीपी छात्रों को नैनीताल से आई ध्यान प्रशिक्षक तारा दीदी ने हार्टफुलनेस के अर्थ को बतलाते हुए अपनी वास्तविक प्रकृति में हम खुश रहकर अपने हृदय से ध्यान की अवस्था में जाकर अपनी अंतरण की आवाज को सुनकर अपने आप पर कैसे नियंत्रण पा सकते हैं हार्टफूलनेस के द्वारा बताए गए ध्यान को यदि हम अनुसरण करते हैं तो निश्चित ही हमारी सोच और हमारे व्यवहार में एक अभूतपूर्व बदलाव आएगा इसे हम अपनी दैनिक जीवन शैली का हिस्सा बनाकर अपने आप को सरल सहज बना सकते हैं। वरिष्ठ समाजसेवी एवं मेंटर विनोद तिवारी जी ने मानव जीवन में ध्यान के महत्व को बताते हुए इसे अपने दैनिक क्रिया का हिस्सा बनाकर अपने आप को एक परिपक्व व्यक्ति बनाने में कामयाब होगें। कम्युनिटी लीडर समाज के बीच जाकर लोगों को इससे जोड़कर उनका जीवन आनंदमय बना सकते हैं जो निश्चित ही हमारे लिए एक पुनीत कार्य होगा। ध्यान के दौरान हार्टफूलनेस संस्थान से आंध्रप्रदेश से आई जय लक्ष्मी जी ,सेवानिवृत्त राजस्व निरीक्षक एमएल डेहरिया ने भी ध्यान,योग के विभिन्न टूल्स प्रदान किए। ध्यान शिविर के दौरान मेंटर्स डाक्टर चंद्रकांत विश्वकर्मा ,अशीष साहू , मुकेश दीक्षित,मेंटर कैलाश सोनेवार, आरती माटे,दिनेश नारेकर एवं छात्र-छात्राएँ सम्मिलित हुए।

रोड शो में नकुलनाथ ने 50 गांवों के 17 स्थानों पर ग्रामीणों की बातें सुनी

छिन्दवाड़ा। सर पर फेंटा, घुटने तक धोती, पुरानी कमीज और पैरों में तरिया पहने गांव के बुजुर्ग जब अपने सांसद नकुलनाथ के साथ खुले आसमान के नीचे, धूप और गर्मी की चिंता किये बगैर खाट पर बैठकर चर्चा कर रहे थे तब हर एक चेहरा यह गवाही दे रहा था कि नेता हो तो ऐसा हो और बेटा हो तो ऐसा हो जो किसी भी मान सम्मान की परवाह किये बगैर अपने बुजुर्गों के साथ, युवाओं की उपस्थिति में भावी पीढ़ी की चिंता कर रहा है। यह ऐतिहासिक पल थे सांसद नकुलनाथ के हर्रई में आयोजित रोड में जब उन्होंने 50 गांवों के ग्रामीणों से 17 स्थानों पर उनकी बात सुनी, अपनी सुनाई और आगे क्या करना है इस पर विचार किया। अपने पूर्व निर्धारित रोड शो कार्यक्रम के अनुसार सांसद नकुलनाथ ने हर्रई विकासखण्ड के ग्राम कोकन पिपरिया से अपना पथ सम्पर्क अभियान प्रारंभ किया। इस रोड शो का आकर्षण यह रहा है स्थान-स्थान पर एकत्रित जनसमुदाय ने अपने लाड़ले और संवदेनशील सांसद का अपनी ग्राम परम्परा के अनुसार स्वागत किया। रोड शो में ग्रामीण से भेंट के लिये निर्धारित किये गये स्थानों पर कही नन्हीं कन्याओं व महिलाओं ने सर पर मंगल कलश रखकर स्वागत किया तो कहीं पर मंगल गीत गाये गये। ग्राम के युवाओं का उत्साह चरम पर रहा ढोल, मांडन व खडताल की ताल पर थिरकते युवा बुलंद नारों के साथ पूरे रोड शो में साथ चले और कांग्रेस की विजय का संकेत देते रहे ।शायद यह जिले के इतिहास की पहली झलक होगी जब बुजुर्ग भी इस भेंट उत्सव में शामिल हुये और शारीरिक अक्षमता के कारण एक स्थान पर दर्जनों खटिया लगाकर अपने नेता नकुलनाथ का इंतजार करते रहे और सांसद ने भी उनकी भावनाओं का भरपूर आदर करते हुये उनके साथ, उनके पास खटिया पर बैठकर चर्चा की। कुछ स्थानों पर महिला समूहों ने सैकड़ों की संख्या में उपस्थित होकर श्री कमलनाथ की अति महत्वाकांक्षी नारी सम्मान योजना के भरे गये फार्मों का प्रदर्शन कर इस बात का समर्थन किया कि नारी शक्ति को आत्मनिर्भर बनाने के लिये कमलनाथ व नकुलनाथ के निर्णयों का हम स्वागत करते हैं। जगह-जगह पर हुई भेंट वार्ता और नुक्कड़ सभाओं में सांसद नकुलनाथ ने समस्त हर्रई क्षेत्र की जनता का आभार माना और यह विश्वास जताया कि उनके द्वारा दिये गये इस प्यार, स्नेह व आशीष से उनकी शक्ति दुगनी हुई है ।

भव्य दिंडी यात्रा में शामिल होंगे हजारों भक्त

छिंदवाड़ा। संत गजानन गुणगान मंडल एवं समग्र मराठी समाज द्वारा आयोजित दिंडी यात्रा की रूपरेखा बनाने हेतु सैकड़ो भक्तो की उपस्थिति में बैठक सम्पन्न हुई ।संत गजानन मंडल के कार्यक्रम प्रभारी आनंद बक्षी ने बताया कि इस वर्ष दिंडी यात्रा में संत समागम 1008 हरिहर महाराज, महामंडलेश्वर दादू जी महाराज, ह भ प चिंतामन गुरवे महाराज तथा महामंडलेश्वर डॉ वैभव अलोणी के परम सानिध्य में सम्पन्न होगा ।बैठक के आरंभ में आयोजन के संपूर्ण रूपरेखा पर प्रकाश डाला गया। बैठक में सच्चिदानंद सेवा समिति के अध्यक्ष सुधाकर पुराणिक ने दिंडी के महात्म्य पर प्रकाश डाला, रामनाथ ओकटे ने पंढरपुर की सत्य घटना का वर्णन सुनाया। 13 करोड़ राम नाम जप हेतु रुद्र परिवार द्वारा पंजीयन भी कराया गया। विभिन्न धार्मिक, सामाजिक संस्थाओं एवं महिला मंडल के प्रति कृष्णा मंगरुलकर द्वारा आभार प्रदर्शित किया गया। बैठक में जयदेव राउत, मनोहर नायडू, महादेव राव बारस्कर, रामकुमार सोनी, अजाबराव सातपुते, सरिता चिंटू काले, सौ अंजली पाठक, गजानन खिरेकर, शीतल मालवीय, शंकर राव घोरके, महेश अल्दक, विनायक चन्ने, इनोद काम्बले, बालू गजेंद्र स्वामी, पिंटू घोरके, शुभम चौरे, मिलिंद नवघरे, सुनील राय, अवंतिका ताडगे, सौ वर्षा पाठक एवं बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे। संत गजानन गुणगान मंडल ने दिंडी यात्रा में तन मन धन से सहयोग कर पुण्यलाभ लेने का अनुरोध किया है

वार्ड पार्षद के चुनाव
भाजपा-कांग्रेस में सीधा मुकाबला
कांग्रेस कमलनाथ को बता रही भावी मुख्यमंत्री

छिंदवाड़ा। गुलाबरा इलाका पूरा क्षेत्र कांग्रेस-भाजपा के पोस्टर-बैनर से पटा है। भाजपा के पोस्टर-बैनर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान दिख रहे हैं, तो दिन-रात घूम रहे कांग्रेस के प्रचार वाहन में कमलनाथ का नाम गूंज रहा है। यह सब हो रहा है एक वार्ड के उपचुनाव के लिए, लेकिन शोर विधानसभा चुनाव जैसा है। छिंदवाड़ा नगर निगम के वार्ड 42 में 13 जून को वोटिंग होगी। प्रचार के आखिरी दिनों में दोनों पार्टियों ने वोटरों को रिझाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी। दोनों तरफ से पूर्व मंत्री, विधायक मैदान में भरी दुपहरी में वोट मांगने घर-घर जा रहे हैं। दरअसल, दोनों पार्टियों के नेता मान रहे हैं कि यहां के वार्ड की हार-जीत भी कहीं मुद्दा न बन जाए। रिजल्ट 16 जून को आएगा। दरअसल, 16 नवंबर 2022 को छिंदवाड़ा नगर निगम के वार्ड 42 से निर्दलीय पार्षद राजेश भोयर ने घर में फांसी लगा ली थी। उनकी मौत के बाद खाली हुई इस सीट के लिए उपचुनाव हो रहा है। कांग्रेस से राजू स्वामी मैदान में हैं, तो भाजपा ने पत्रकार व मीडिया प्रभारी संदीप सिंह चौहान को उतारा है। पार्षद का चुनाव जीतने के लिए भाजपा प्रदेश सरकार की योजनाओं को गिना रही है, तो कांग्रेस कमलनाथ को भावी मुख्यमंत्री बताकर वोट मांग रही है।

छिंदवाड़ा जिले में 7 विधानसभा सीटें हैं। खास बात ये है कि सभी सीटों पर कांग्रेस के ही विधायक हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को एक भी सीट नहीं मिली थी। खास बात यह है छिंदवाड़ा प्रदेश की इकलौती ऐसी लोकसभा सीट है, जहां की सभी विधानसभा सीटों पर कांग्रेस के विधायक हैं। यही वजह है कि वार्ड के लिए हो रहे उपचुनाव को भी दोनों प्रमुख पार्टियां गंभीरता से ले रही हैं।

मुझे मेरे हिस्से का काम बतायें मैं आपका काम करुंगी:प्रियानाथ

चौरई ब्लॉक के छह ग्रामों में की मेल-मुलाकात

छिन्दवाड़ा। कांग्रेस की महिला नेत्री श्रीमती प्रियानाथ ने आज चौरई विधानसभा क्षेत्र के छह ग्रामों में भ्रमण कर ग्रामीण महिलाओं से भेंट की, उनकी व क्षेत्र की समस्याओं को समझा व निराकरण किये जाने के लिये आश्वस्त किया। अपने सादगीपूर्ण व्यवहार के लिये चर्चित श्रीमती नाथ ने आज चौरई विकासखण्ड के ग्राम उदादौन, नवेगांव, मकरिया, चौरई, डुंगरिया, समसवाड़ा व कपूर्दा क्षेत्र का भ्रमण कर महिलाओं से भेंट की। प्रत्येक ग्राम में श्रीमती नाथ ने महिलाओं के साथ जमीन पर बैठकर सभी को सुना व अपनी बात भी कही। श्रीमती नाथ ने हर स्थान पर हुई चर्चा में स्पष्ट कहा कि मैं श्री कमलनाथ जी की बहू व श्री नकुलनाथ जी की पत्नी हूं और इसके साथ ही आपकी भाभी भी हूं इसीलिये आप मुझे अपनी समस्यायें निस्संकोच होकर बतायें मैं आपका काम शीघ्र पूरा करवाने का प्रयास करुंगी।

30 जुलाईतक समर्थन मूल्य पर किया जायेगा उपार्जन

छन्दवाड़ा। राज्य शासन के किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा विपणन वर्ष 2023-24 में ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द के समर्थन मूल्य पर उपार्जन के लिए 8 से 19 मई तक पंजीकृत किये गये किसानों से 12 जून से समर्थन मूल्य पर ग्रीष्मकालीन फसल मूंग एवं उड़द का उपार्जन का कार्य शुरू होगा जो आगामी 30 जुलाई तक चलेगा ।

उच्च शिक्षा एवं उत्तम संस्कार का दिया जा रहा प्रशिक्षण

छिंदवाड़ा। उच्च शिक्षा एवं उत्तम संस्कार के लिए ख्याति प्राप्त संत श्री आशारामजी गुरुकूल में इन दिनों शिक्षकों का प्रशिक्षण शिविर चल रहा है । संस्था प्रति वर्ष नए सत्र के प्रारम्भ में शिक्षकों को प्रशिक्षित करवाती है । जिससे शिक्षक अत्यधिक ज्ञान का सृजन करता है । जो विद्यार्थियों के बौद्धिक, शारीरिक, मानसिक,आध्यात्मिक और आधुनिक ज्ञान की वृद्धि में सहायक होता है । जिससे विद्यार्थी जीवन के हर क्षेत्र में सफल होता है । सनद रहे उक्त गुरुकूल में देश के 24 राज्य और विदेशों के बच्चे अध्ययनरत हैं। विश्वभर के पालक अपने बच्चे को श्रेष्ठतम शिक्षा दिलाने के लिए गुरुकूल में दाखिला करवाते हैं। प्रशिक्षण शिविर में कई वरिष्ठ शिक्षाविदों ने शिरकत की । इस अवसर पर चांद महाविद्यालय के प्रो. अमर सिंह जो कुशल वक्ता, अंतरराज्यीय बी. एड. और एम. एड. करने वालों को प्रशिक्षित करते हैं राज्य चनाव आयोग द्वारा चुनाव आइकॉन घोषित किया है - ने शिक्षकों को बताया कि राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका सराहनीय है। शिक्षक सनातन संस्कृति की विरासत का संरक्षक होता है। गुरुकूल की संचालिका दर्शना खट्टर ने भी बताया कि यह गुरुकूल देश का ऐसा पहला विद्यालय है जो नए सत्र प्रारंभ होने के पूर्व अपने शिक्षकों को प्रशिक्षित करता है। गुरु विद्यार्थियों के भय, शंका, अविश्वास और पाखंड की बेड़ियों से मुक्त कराता है। गुरु के सम्पर्क में शिष्य अपनी पीढ़ियों के हालात बदल देता है। राज्य भर से आये वरिष्ठ शिक्षाविदों का आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष मदनमोहन परसाई, खजरी आश्रम के संचालक जयराम भाई, युवा सेवा संघ के अध्यक्ष दीपक दोईफोड़े ,प्राचार्या वागीशा बहन, प्रबंधक डॉ. सुशील सिंह परिहार, छात्रावास प्रभारी सोमनाथ पवार मुख्य रूप से उपस्थित रहे ।

कांग्रेस का निष्ठावान सिपाही, गुटबाजी में नहीं पड़ता: कमलनाथ

छिन्दवाड़ा। ये मेरे राजनैतिक जीवन का अनुभव है मैंने 40 वर्षों में अनेकों आयाराम-गयाराम देखें हैं, परन्तु सच बात तो यह है कि जिसे भी कांग्रेस के इतिहास और कांग्रेस की संस्कृति पर भरोसा है कांग्रेस का ऐसा निष्ठावान सिपाही कभी गुटबाजी में नहीं पड़ता, बल्कि विपरीत परिस्थितियों में भी लड़ते हुये पार्टी का झंडा ऊंचा रखता है और मुझे खुशी है कि ऐसे ही जांबाजों की मजबूत टीम जामई में सक्रिय है, मुझे 230 विधानसभा क्षेत्रों का दौरा करना है परन्तु मुझे विश्वास है कि आप जामई का मेरे हिस्से का बोझ अपने कांधों पर उठायेंगे और एक बार फिर जामई की जीत का झंडा विधानसभा में फहरायेंगे। उक्त उदगार मप्र कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने जामई विधानसभा मुख्यालय में आयोजित एक वृहद कार्यकर्ता सम्मेलन में व्यक्त किये। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वर्तमान में राजनीति में बहुत परिवर्तन हुये हैं। अब राजनीति पूरी तरह स्थाई हो गई है इसीलिये स्थानीय व क्षेत्रीय व्यक्ति ही अपनी रणनीति बना सकता है और विरोधियों की रणनीति को समझ सकता है। अब कोई भी इस बात को दावे से नहीं कह सकता है कि कोई भी परम्परागत गांव या घर किसी पार्टी का है हर घर में मत विभाजन हो चुका है। इस अवसर पर कमलनाथ ने संगठन से जुड़े अन्य आंतरिक विषयों पर भी सभी से खुलकर चर्चा की तथा आगामी पांच महीने बाद सम्पन्न होने जा रहे विधानसभा चुनावों से संदर्भित अनेकों सुझाव व आवश्यक दिशा निर्देश दिये। जामई

में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुये सांसद नकुलनाथ ने कहा कि इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य यही था कि हम कांग्रेस के छोटे से छोटे कार्यकर्ता से मिलकर उनकी बातें सुन सके उन्होंने कहा कि हम बाकी जगह हर चुनौती का डटकर मुकाबला करते हैं परन्तु कांग्रेस व कमलनाथ की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने में हम अभी भी पीछे है। हम जल्द से जल्द यह खामी दूर करनी होगी। वही दूसरी ओर भाजपा हर दिन हर समय झूठ के प्रचार में जुटी रहती है और लोगों को जबरन सुनाती है। श्री नाथ ने अंत में कहा कि विधानसभा चुनावों में कमलनाथ जी प्रदेश में व्यस्त रहेंगे परन्तु मैं मुख्यालय में ही रहूंगा और आप जब आदेश करेंगे वहां उपस्थित हो जाऊंगा।

मैनीखापा के किसान सम्मेलन में पहुंचे नकुल-कमलनाथ

छिन्दवाड़ा। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ मोहखेड़ विकासखण्ड के ग्राम मैनीखापा में सामाजिक संस्था प्रयास (आईटीसी) द्वारा आयोजित किसान सम्मेलन में उपस्थित होकर किसानों के हित व उनके मजबूत भविष्य को लेकर अनेकों महत्वपूर्ण बातें कही। इस अवसर पर जिले के सांसद नकुलनाथ भी उपस्थित रहे। किसान सम्मेलन में वर्तमान में किसानों की दशा और उनकी आर्थिक स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुय कमलनाथ ने कहा कि हमारा जिला कृषि प्रधान जिला है परन्तु पिछले 18 वर्षों से प्रदेश की सत्ता में बैठी भाजपा सरकार और शिवराज ने किसानों की एक रुपये की मदद नहीं करी और ना ही किसानों का ब्याज माफ हुआ है जबकि हमने प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनते ही जिले के 75 हजार किसानों का कर्जा माफ किया था। खाद बीज की कमी नहीं थी और बिजली भी भरपूर मिली परन्तु आज प्रदेश का किसान अपनी उपज की लागत तक नहीं निकाल पा रहा है यदि आज प्रदेश की तस्वीर देखें तो सबसे ज्यादा तकलीफ में किसान है और किसान आत्महत्या में मप्र पूरे देश में प्रथम है।

प्रियंका के स्वागत में कांग्रेस ने जबलपुर में हनुमानजी की गदा लगाई

जबलपुर। प्रियंका गांधी के स्वागत के लिए जबलपुर के आदि शंकराचार्य चौक समेत पूरे शहर में विशाल गदा सजाई गई है। गदा इसलिए लगाई गई कि प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ हनुमान के परम भक्त और कर्नाटक में कांग्रेस अपनी जीत का श्रेय हनुमान जी को ही देती है। क्योंकि वह हनुमान जी चुनावी मुद्दा बन गए थे और इसका फायदा अंततः कांग्रेस को मिला। इसके अलावा अब कांग्रेस ने भी सॉफ्ट हिंदुत्व को अपना लिया है ताकि भाजपा उसे हिंदू विरोधी बताकर राजनीतिक फायदा न उठाए।

विधानसभा चुनाव में अभी करीब 4 महीने बाकी हैं। लेकिन, लगता है कांग्रेस ने अभी से हनुमानजी को अपने पाले में खड़ा कर लिया। इस बार चुनावी समर में भाजपा की जगह कांग्रेस हनुमानजी की गदा थाम ली है।पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी के सोमवार को जबलपुर आगमन पर स्वागत में कांग्रेस ने आदि शंकराचार्य चौक में हनुमानजी की 30 फीट ऊंची गदा सजाई। यहां प्रियंका के साथ कमलनाथ और उनके सांसद पुत्र नकुलनाथ के होर्डिंग लगे हैं।

पूरा शहर हनुमानजी की भक्ति में

कमलनाथ के हनुमान भक्त और सॉफ्ट हिंदुत्व के एजेंडा के तहत हनुमानजी की गदा का प्रदर्शन चौराहे पर किया गया है। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा के मुताबिक हनुमानजी की इस तरह की 30-30 फुट की गदा पूरे शहर में लगाई गई, जो न्याय की विजय का प्रतीक होगी।

हनुमानजी की गदा पर भरोसा

आदि शंकराचार्य चौक में गदा सजाने वाले पूर्व वित्त मंत्री और पश्चिम विधानसभा से विधायक तरुण भनोत का कहना है कि भाजपा ने श्रीराम भगवान के नाम का दुरुपयोग किया था। श्रीराम के अनन्य भक्त भगवान हनुमान है और जिस तरीके से उनकी गदा कर्नाटक में चली, अब वही गदा मध्य प्रदेश में भी चलने जा रही है।

चुनाव में हनुमानजी

कर्नाटक चुनाव में बजरंग बली के नाम पर खूब वाद-विवाद हुआ था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी लोगों से हनुमानजी का नाम लेकर वोट देने की अपील की थी। हालांकि, यह विवाद तब शुरू हुआ जब कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए अपने घोषणा पत्र में कांग्रेस ने बजरंग दल को बैन करने की बात कही थी। नरेंद्र मोदी सहित भाजपा के तमाम नेताओं ने इसे हनुमानजी का अपमान बताते हुए चुनावी मुद्दा बना लिया था। बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद ने तो मध्य प्रदेश में आक्रामक विरोध प्रदर्शन शुरू किया था। जबलपुर में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस दफ्तर में विरोध करते हुए जमकर तोड़फोड़ भी की थी। लेकिन, अब कर्नाटक की जीत से सारे हालात बदल गए और आज जबलपुर की रंगत देखकर लगता है कि कांग्रेस पूरी तरह हनुमान भक्त हो गई।

शिवजी से प्रार्थना करो, मौन रह लूंगा लेकिन कर्ज किसी से नहीं लूंगा: पंडित प्रदीप मिश्रा

भोपाल। तीर्थ, मंदिर, शिवालय, गुरु के दरवाजे जाओ पर एक बात का जरूर ध्यान रखना कि अपने पड़ोसियों से 10 रुपये उधार लेकर आरती में मत चढ़ाओ। बैंकों से भी कर्ज मत लो। मांगना ही है तो शिवजी से मांगों, यहां आपको कुछ नहीं चुकाना होता। शिवजी आपकी झोली भर दें तो खूब आरती में धन चढ़ाओ। जरूरतमंदों की मदद करो। श्री शिव महापुराण की कथा सिखाती है कि शिवजी से प्रार्थना करो, मौन रह लूंगा पर किसी से कर्ज नहीं लूंगा। बैंक आपको कर्ज देती हैं। याद रखिए आपको ही कर्ज चुकाना होता है।

यह प्रवचन कैलाश प्रसून सारंग की स्मृति में करोंद एक शापिंग माल के पीछे 55 एकड़ क्षेत्र में चल रही श्री महापुराण के दूसरे दिन सीहोर कुबेरेश्वर धाम के पंडित प्रदीप मिश्रा ने दिए। उन्होंने शिव भक्ति हमें हर मनुष्य में अच्छाई देखने के लिए प्रेरित करती है। बिना खिड़की का मकान नहीं होता और बिना अच्छाई का इंसान नहीं होता इसलिए हर इंसान में अच्छाई देखो। शिव पुराण की कथा में श्री पंड़ित मिश्रा ने आश्चर्य व्यक्त करने हुए कहा कि मच्छर मच्छर को नहीं काटता लेकिन मनुष्य मनुष्य को काटता है। मच्छर काटता है तो केवल खून ही निकालता है लेकिन जब मनुष्य काटता है तो पूरे सनातन कुल को ही काट देना चाहता है इसलिए शिवभक्ति करो और काटना नहीं बल्कि जोड़ना सीखो।इस मौके पर भोपाल लोकसभा सदस्य साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर महापौर मालती राय, विवेक सारंग, सुनील श्रीवास्तव, शैलू वर्मा, संजीव सक्सेना, राजपाल सिसोदिया सहित सैकड़ों देश के अलग-अलग राज्यों से आए श्रद्धालु शामिल हुए। दूसरे दिन श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ी।

महाशिवपुराण कथा के विशाल मंच पर शहर के कलाकार शंकर पार्वती के रूप में प्रस्तुति दी। आकर्षक झांकी को देखने श्रद्धालु आते रहे। प्रस्तुति देखकर श्रुद्वालु तालियां बजाकर श्रद्वाभाव व्यक्त करते हुए भक्ति भाव से भर गए।

50 हजार से अधिक लोगों को भोजन कराया– कथा पंड़ाल के समीप ही विशाल अन्नपूर्णा क्षेत्र में हजारों श्रद्वालु निश्शुल्क भोजन प्राप्त कर रहे हैं। सुबह से लेकर शाम तक नाश्ता-पानी की भी व्यवस्था की गई है। मप्र के अलावा महाराष्ट्र, राजस्थान, झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों से आए श्रद्वालुओं के ठहरने की भी आयोजन समिति द्वारा निश्शुल्क व्यवस्था की गई है।

मध्य प्रदेश में 15 जुलाई से शुरू होगा मेडिकल कालेजों में प्रवेश

भोपाल। मध्य प्रदेश के सरकारी और निजी मेडिकल कालेजों में प्रवेश की प्रक्रिया 15 जुलाई से पंजीयन के साथ शुरू होगी। नीट का परिणाम इससे पहले जारी होने की प्रत्याशा में तैयारी की जा रही है। 13 सरकारी और 10 निजी कालेजों के लिए काउंसलिंग होगी। प्रवेश के लिए नियम तैयार किए जा रहे हैं।

एक साथ होगी काउंसलिंग– कुल सीटों में पांच प्रतिशत सरकारी स्कूल में पढ़े विद्यार्थियों के लिए आरक्षित रहेंगी। प्रवेश नियमों में इसका प्रविधान किया जा रहा है। चिकित्सा शिक्षा संचालनालय के अधिकारियों ने बताया कि अखिल भारतीय कोटे और राज्य कोटे की सीटों के लिए काउंसलिंग एक साथ की जाएगी। पिछले साल तक राज्य कोटे की काउंसलिंग बाद में होती थी।

एक जुलाई से काउंसलिंग की तैयारी

सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए पांच प्रतिशत आरक्षण का लाभ देने के अलावा प्रवेश नियमों में कोई बदलाव नहीं किया जा रहा है। सीट लीविंग और अनिवार्य सेवा बांड की शर्तें यथावत रहेंगी। इसके पहले स्नातकोत्तर (एमडी-एमएस) पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए काउंसलिंग एक जुलाई से कराने की तैयारी चिकित्सा शिक्षा संचालनालय ने की है।

पांच प्रतिशत आरक्षण का इन्हें मिलेगा लाभ

- जिन विद्यार्थियों ने सरकारी स्कूल से कक्षा छठवीं से 12वीं तक नियमित पढ़ाई की हो।
- शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत निजी स्कूल में पहली से आठवीं तक पढ़ाई की हो। इसके बाद नौवीं से 12वीं तक की पढ़ाई सरकारी स्कूल में की हो।

नर्मदापुरम में हरदा स्टेट हाईवे पर पलटी गाड़ी, कांग्रेस नेता का निधन, माखननगर बीएमओ भी घायल

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम हरदा स्टेट हाईवे पर डोलरिया के मंगवारी के पास सड़क हादसे में कांग्रेस नेता अक्षय दीक्षित का निधन हो गया। घटना रविवार रात 10 बजे हुई। गाड़ी में कांग्रेस नेता अक्षय, माखननगर बीएमओ डॉक्टर रोहित शर्मा, अन्य एक व्यक्ति बैठे थे। सूचना मिलते ही पुलिस और डायल 100 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। गाड़ी से बाहर निकालकर घायलों को पहले नर्मदा अस्पताल ले गए। वहां से जिला अस्पताल भेज दिया गया। हादसे में अक्षय दीक्षित का निधन हो गया। बीएमओ रोहित समेत अन्य एक साथी घायल है। डॉ. रोहित का पांडे अस्पताल में उपचार जारी है।

देहात थाना प्रभारी संजय चौकसे ने बताया सड़क हादसे में अक्षय दीक्षित का निधन हुआ है। दो अन्य लोग घायल हैं। अभी बयान नहीं हुए हैं। पुलिस के मुताबिक कांग्रेस नेता अक्षय दीक्षित, बीएमओ डॉक्टर शर्मा और अन्य एक साथी एक शादी समारोह में शामिल होने सिवनी मालवा जा रहे थे। रात करीब 10 बजे नर्मदापुरम हरदा स्टेट हाईवे पर डोलरिया थाना अंतर्गत ग्राम मंगवारी के पास गाड़ी पलटने के चलते हुआ हादसा।

अक्षय दीक्षित के निधन की सूचना मिलते है शहर में शोक की लहर छा गई। रात में शहर के सैकड़ों लोग अस्पताल पहुंचे। उनके निधन से हर व्यक्ति दुःखी है। अक्षय के शव की अंतिम यात्रा सुबह 9.30 बजे निजी निवास सर वाइट के स्कूल के सामने औद्योगिक क्षेत्र से निकलेगी। राजघाट पर अंतिम संस्कार होगा। नर्मदापुरम वार्ड 7 के जिला पंयायत सदस्य हाकम सिंह गुर्जर एवं अन्य नेताओं ने श्री दीक्षित के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

प्रदेश में आठ लाख रुपये वार्षिक आय वाले एससी-एसटी के विद्यार्थियों को भी मिलेगी छात्रवृत्ति

भोपाल। विदेश में उच्च शिक्षा के लिए अब आठ लाख रुपये वार्षिक आय वाले एससी और एसटी वर्ग के विद्यार्थियों को भी छात्रवृत्ति मिलेगी। इसके लिए सरकार नियमों में संशोधन करने जा रही है। बीते दिनों मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सागर में इसकी घोषणा की थी। अभी जिन विद्यार्थियों या अभिभावक की वार्षिक आय छह लाख रुपये है, उन्हें ही छात्रवृत्ति की पात्रता है। इसके साथ ही मानविकी विषय को भी छात्रवृत्ति योजना में शामिल किया जाएगा। इसके लिए अनुसूचित जाति कल्याण विभाग ने प्रस्ताव तैयार किया है, जिसे कैबिनेट की अनुमति के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।

सरकार ने वर्ष 2014 में एससी-एसटी के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति के लिए पात्रता वार्षिक आय सीमा पांच लाख से बढ़ाकर छह लाख रुपये की थी। मुख्यमंत्री ने इसे आठ लाख रुपये करने की घोषणा की थी। एससी वर्ग के विद्यार्थियों के लिए प्रविधान किया जा चुका है। अब उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने वाले विद्यार्थियों को योजना का लाभ देने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए अनुसूचित जाति कल्याण विभाग ने प्रस्ताव तैयार किया है, जिसे अंतिम निर्णय के लिए कैबिनेट में प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें अब मानविकी विषय को भी शामिल किया जा रहा है। अभी स्नातकोत्तर एवं पीएचडी के लिए इंजीनियरिंग, प्योर साइंस एवं एप्लाइड साइंस, एग्रीकल्चर साइंस, मेडिकल, मैनेजमेंट, इंटरनेशनल कामर्स एवं एकाउंटिंग फायनेंस, फारेस्ट्री एंड नेचरल साइंस एवं विधि पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति की पात्रता है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि योजना में विद्यार्थियों की संख्या पूर्वानुसार पचास ही रहेगी, इसलिए सरकार पर कोई अतिरिक्त वित्तीय भार नहीं आएगा।

इंदौर में गुरूसिंघ सभा के चुनाव से पहले आरोप-प्रत्यारोप, चुनाव तारीख को लेकर विवाद

इंदौर। गुरूसिंघ सभा के चुनाव को लेकर चुनाव अधिकारियों के साथ रविवार को बैठक हुई, लेकिन बैठक के पहले ही एक सदस्य ने मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ केंद्रीय श्री गुरूसिंघ सभा प्रधान मोनू (हरपाल सिंह) भाटिया के खिलाफ चुनाव अधिकारी को लिखित शिकायत कर दी। इस शिकायत में भाटिया पर गंदी गालियां देने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है। शिकायत का वीडियो भी सामने आया है।

सरदार सुमित सिंह मुटनेजा द्वारा ये शिकायत श्री अकाल तख्त साहेब के प्रतिनिधि परमपाल को की गई है। इसमें कहा गया है कि इंदौर गुरूद्वारा श्री साहेब पिपलिया राव पर हरपाल सिंह मोनू भाटिया ने मुझे गुरुग्रंथ साहेबजी पर माथा टेकते समय गंदी गालियां दी और जान से मारने की धमकी दी। क्या ऐसे लोगों के हित के लिए सिख समाज के चुनाव हो रहे हैं। आपसे निवेदन है कि इस गलत हरकत के लिए भाटिया को सख्त सजा दी जाए।

मुटनेजा ने बताया कि प्रकाश पर्व वाले दिन ये घटना हुई थी, जब मैं लाइन में लगा हुआ था, तब भाटिया आए और वहीं गालियां देने लगे। मुझे जान से मारने की धमकी भी दी। वे बड़े शराब कारोबारी हैं और हमेशा उनके साथ बंदूकधारी रहते हैं, इस घटना से मैं डर गया हूं और इसलिए सभी वरिष्ठों के समझाने पर मैंने ये शिकायत की है। मुझे चुनाव अधिकारियों ने आश्वस्त किया है कि इस मामले में वे कदम उठाएंगे।

उधर चुनाव की तारीख और अन्य मुद्दों को लेकर हुई बैठक में गुरूसिंघ सभा की ओर से साफ कर दिया गया कि बीते चुनाव में जो 11 हजार करीब सदस्य बने थे, वे आजीवन सदस्य थे, ऐसे में उन्हें हटाकर फिर से ये सदस्यता बनाने का काम नहीं किया जा सकता है। वे तो सदस्य रहेंगे ही। वहीं सदस्य कब तक बनेंगे इसके लिए तारीख तय नहीं कर सकते हैं, ऐसे में 13 अगस्त की तय चुनाव तारीख को लेकर अभी हम आगे बढ़ने को तैयार नहीं है। गुरूसिंघ सभा ने ये भी कहा कि पहले 22 जून को जत्थेदार से हमारी मुलाकात होगी और फिर उन्हें सारी स्थितियां बताई जाएंगी, क्योंकि हमारे शहर की स्थिति हमें बेहतर पता है, ऐसे में 13 अगस्त के चुनाव को लेकर अभी कोई निश्चित नहीं किया जा सकता है। इस बैठक के बाद ही आगे तय करेंगे कि कैसे और कब क्या करना है। बैठक में किसी मुद्दे पर सहमति नहीं बनी है, जिसके बाद सोमवार को फिर सुबह एक बार और बैठक करने की बात कही गई है। लेकिन फिलहाल चुनाव 13 अगस्त को होते नहीं दिख रहे हैं, क्योंकि अभी तो सदस्यता फॉर्म भरवाना ही बाकी है और इसके बाद ही मतदाता सूची फाइनल होकर आगे की चुनावी प्रक्रिया होगी।

जीतू पटवारी को लेकर पंडोखर सरकार ने किया दावा, अगले चुनाव में 40 हजार वोटों से जीतेंगे

इंदौर। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही सभी राजनीतिक दलों के नेता सक्रिय हो गए हैं। इसी कड़ी में रविवार को दतिया जिले के पीठाधीश्वर पंडोखर सरकार राऊ विधानसभा के कांग्रेस विधायक जीतू पटवारी से मिलने उनके निवास पहुंचे। यहां उनका भव्य स्वागत किया गया।

जीतू पटवारी के बुलावे पर उनके निवास पहुंचे पंडोखर सरकार ने वहां दरबार लगाया। यहां बड़ी संख्या में भक्तों ने आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान पंडोखर सरकार ने विधायक पटवारी को आगामी विधानसभा चुनाव में जीत का दावा किया। उन्होंने कहा कि जीतू पटवारी की जीत निश्चित है और यदि वे अभी से मेहनत करें तो 40 हजार से अधिक मतों से विजय हो सकते हैं।

पंडोखर सरकार की इस बात से जीतू पटवारी भी काफी गदगद नजर आए। उन्होंने कहा कि मैंने हमेशा से अच्छा सेवक और जनप्रतिनिधि बनने की कोशिश की है। भगवान का आशीर्वाद बना रहे यही कामना करता हूं।

भोपाल में महिलाओं की हालत खराब, पिछले पांच माह में 150 दुष्कर्म और 186 छेड़खानी के मामले दर्ज

भोपाल। राजधानी में महिला अपराधों में एक बार फिर से रफ्तार पकड़ ली है। पिछले पांच माह महिला अपराध सामने आ रहे हैं। हालात यह है कि रोजाना एक महिला दुष्कर्म की शिकार हो रही है। अधिकारियों का कहना है कि पुलिस लगातार जागरूकता अभियान चला रही है। इसके कारण अपराधों बढ़ोतरी हो रही है। वह लोग भी सामने आ रहे हैं, जो पहले शिकायत करने थाने नहीं आते थे।

जानकारी के मुताबिक जनवरी से लेकर मई तक दुष्कर्म के करीब 150 मामले सामने आ चुके हैं। जबकि छेड़खानी के 186 छेड़खानी के सामने आ चुके हैं। जबकि जून में सामूहिक दुष्कर्म का मामले भी सामने आने शुरू हो गए हैं। ऐसी हालत मासूम बच्चियों के साथ अभी तक 48 मामले नाबालिग के साथ दुष्कर्म के दर्ज किए जा चुके हैं।

जबकि घर से लापता होने की बालक- बलिकाओं की संख्या 174 मामले दर्ज हो चुके हैं। पुलिस इन अपराधों को लेकर शहर के चुनिंदा हिस्सों में बच्चों और महिला अपराध को रोकने के लिए लगातार जागरूकता अभियान चला रही है।हालांकि महिलाओं के साथ दुष्कर्म में अधिकांश शादी का झांसा देने के दर्ज किए हैं।

कोलार में हाल में ही ऐसे अपराध सामने आए हैं, जब मासूम यौन हिंसा की शिकार हुई। उनके साथ दरिंदगी करने वाले आरोपितों की उम्र करीब 76 और 65 वर्ष थी। इस दौरान आरोपित उनका जान पहचान वाला था।अभी 48 एफआइआर नाबालिग बच्चियों के साथ दुष्कर्म के दर्ज किए जा चुके हैं। इसके अलावा 35 मामले छेड़खानी के दर्ज किए जा चुक हैं।

अभियान चला रही है पुलिस– भोपाल के डीसपी मुख्यालय विनीत कपूर ने बताया कि महिला अपराध के आंकड़े जो सामने आ रहे हैं। उसमें खास कारण यह है कि पुलिस लगातार महिला अपराध को लेकर जागरूक कर रही है।अब महिलाएं यौन हिंसा होने पर सामने से आकर पुलिस में अपनी शिकायत दर्ज करा रही हैं।